

ध्यानार्चनाकदम्बरथे विषयानुक्रमणिका
ashtothrara kathambam
Sanskrit Edition



Lord Shiva

www.pradosham.com

Pradosham presents....

ध्यानार्चणकदम्बस्थे विषयाणुक्रमणिका

DHYAANARCHANA KADHAMBASTHE VISHAYAANU KRAMANIK

Compilation of Rare Pshthrams from Grantha Book

SANSKRIT EDITION

FOREWORD

With the Grace of God and Acharyas and Mahaans, we recently got this Grantham Book and was blessed with the opportunity of translating it and presenting it in its true form.

My friend Ramakrishnan(Junior)'s Grandfather was using this book for His routine Poojas for a long time until he passed away. It flashed in our minds "why not we translate it and present it to our devotees?". Thus came the action, we felt it was having rare Ashtothrams and thought it fit to use for daily poojas. We took this task and completed in 3 months' time.

I personally feel it should be more than 70 years since it was published. Some Ashtothrams are 109, 111 in numbers. We have presented 'as is where is' basis. We observe from Foreword of this book that this book was published by Aarya-Dravida Bookstore, Trincomalee, Sri Lanka and also there is a remark of Gratitude offered to Veda Pandit Brahmashri Kumarasaami Gurukkal and it was re-printed. These Ashtothrams were derived from handwritten notes of various personalities at that time. They have thanked the son of Brahma Shri Kumarasami Gurukkal Srimath M.K. Karthikeyasharma. Foreward was done by Brahmasri I.K. PoorNaanandeshvara Gurukkal of Trincomalee. Book compiled and released by P.P. Panchatchara Gurukkal, Ayyanar Temple Stree, Jaffna, Sri Lanka.

In order to facilitate our Devotees to use, we have taken this task and it is a free edition with no commercial motive. We have also decided to bring out this in multiple languages and Tamil edition is being released simultaneously, followed by other languages.

We would like to thank Shri P.P. Panchatchara Gurukkal, Shri I.K. PoorNaawandeshvara Gurukkal's family lineage, wherever they are.

Om Namah Shivaya

Eshwar Gopal

Contact us at :

reachegopal@gmail.com or

info@pradosham.com or

meenuashok@gmail.com

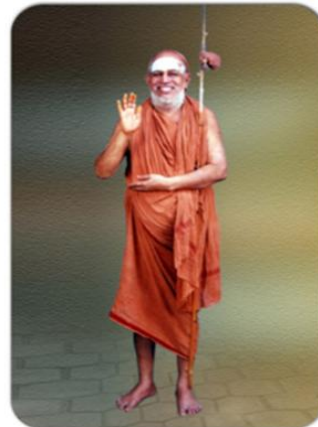
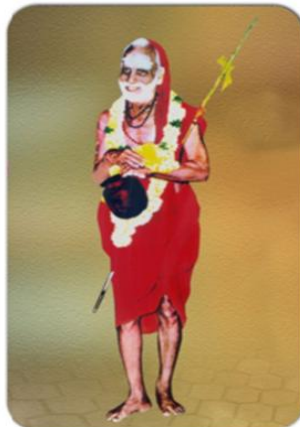
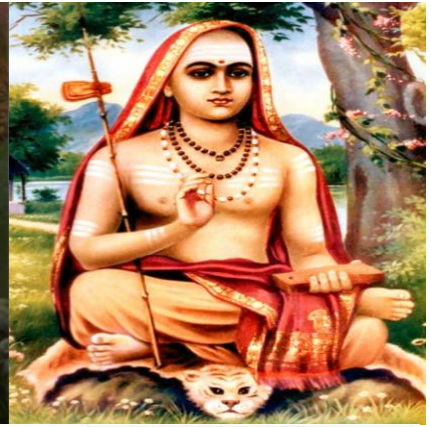
ध्यानार्चणकदम्बस्थे विषयाणुक्रमणिका

DHYAANARCHANA KADHAMBASTHE VISHAYAANU KRAMANIK

Sr No.	Description	Page No.	Sr. No.	Description	Page No.
01.	महागणपति	01	28.	नागराजाय नमः	39
02.	संकटकरणगणपति	02	29.	देवी	41
03.	विघ्नेश्वर	03	30.	दुर्गा	42
04.	सिद्धिविनायक	05	31.	लक्ष्मी	43
05.	सूर्य	06	32.	सरस्वती	45
06.	अङ्गारकाय	07	33.	शारदा	46
07.	शुक्र	09	34.	बाला	48
08.	सोमन्	10	35.	त्रिपुरसुन्दरी	50
09.	बुधन्	11	36.	भुवनेश्वरी	52
10.	गुरु	13	37.	मनोन्मनी	53
11.	शनि	14	38.	राजराजेश्वरी	54
12.	राहु	15	39.	काळी	56
13.	केतु	17	40.	महामारी	57
14.	नन्दि	18	41.	चामुण्डेश्वरी	58
15.	शिवचण्डेश्वर	19	42.	ललिता	60
16.	शिव	21	43.	सुब्रह्मण्य	62
17.	अर्धनारीश्वर	22	44.	वल्लि	65
18.	लिङ्ग	23	45.	देवसेना	66
19.	शङ्करनारायण	25	46.	कृष्ण	68
20.	सोमास्कन्द मृत्युञ्जय	27	47.	विष्णु	70
21.	मृत्युञ्जय	28	48.	राम	71
22.	शिवकामसुन्दरी	30	49.	वेङ्कतेश	73
23.	दक्षिणामूर्ति	32	50.	नृसिंह	75
24.	नटेश	33	51.	इडुम्ब	76

Sr No.	Description	Page No.	Sr. No.	Description	Page No.
25.	चिदम्बरशिताण्डव	34	52.	गरुड	77
26.	भैरव	36	53.	हरिहरपुत्र	79
27.	वीरभद्र	38	54.	आञ्जनेय	80

काश्मी कामकोठी आचार्या अष्टोत्रम् - 82 - 85	शृङ्गेरी आचार्या अष्टोत्रम् - 85 - 86
जगद्गुरु श्री चन्द्रशेखरेन्द्र सरस्वती महास्वामि	गद्गुरु श्री अभिणवविद्यातीर्थ महास्वामि
जगद्गुरु श्री जयेन्द्र सरस्वती	



अष्टोत्तर कदम्बम्!

(१) अथ महागणपति अष्टोत्तर शतनामानि

हस्तीम् द्राननमिन्दुचूडमरुणच्छायम् त्रिणेत्रम् रसादाश्लिष्टं प्रिययासपद्मकरयास्वाम् कस्थयासन्ततम् ।

बीजापूरगदेक्षुकार्मुकल सच्छक्राब्जपाशोत्पलव्रीह्यग्रस्व विषाणरत्नकलशान् हस्तैर्वहन्तंभजे ।।

ॐ गजाननाय नमः (१)	ॐ गणाध्यक्षाय नमः (२)	ॐ विघ्नराजाय नमः (३)
ॐ विनायकाय नमः	ॐ द्वैमातुराय नमः	ॐ द्विमुखाय नमः
ॐ प्रमुखाय नमः	ॐ सुमुखाय नमः	ॐ कृतिने नमः
ॐ सुप्रदीपाय नमः	ॐ सुखनिधये नमः	ॐ सुराध्यक्षाय नमः
ॐ सुरारिघ्नाय नमः	ॐ महागणपतये नमः	ॐ मान्याय नमः
ॐ भवात्मजाय नमः	ॐ पुराणपुरुषाय नमः	ॐ पूष्णे नमः
ॐ पुष्करोक्षिप्तचारिणे नमः	ॐ अग्रगण्याय नमः	ॐ अग्रपूज्याय नमः
ॐ अग्रगामिने नमः	ॐ मन्त्रकृते नमः	ॐ चामीकरप्रभाय नमः
ॐ सर्वस्मै नमः	ॐ सर्वोपास्याय नमः	ॐ सर्वकर्त्रे नमः
ॐ सर्वनेत्राय नमः	ॐ सर्वसिद्धिप्रदाय नमः	ॐ सर्वसिद्धाय नमः
ॐ महाकालाय नमः	ॐ महाबालाय नमः	ॐ हेरम्बाय नमः
ॐ लम्बजठराय नमः	ॐ ह्रस्वग्रीवाय नमः	ॐ महोदराय नमः
ॐ मदोत्कटाय नमः	ॐ महावीराय नमः	ॐ मन्त्रिणे नमः
ॐ मङ्गळस्वराय नमः	ॐ प्रमथाय नमः	ॐ प्राग्ज्ञाय नमः
ॐ प्रमोदाय नमः	ॐ मोदकप्रियाय नमः	ॐ कान्तिमते नमः
ॐ धृतिमते नमः	ॐ कामिने नमः	ॐ कपित्थपनसप्रियाय नमः
ॐ ब्रह्मचारिणे नमः	ॐ ब्रह्मरूपिणे नमः	ॐ ब्रह्मविद्यानिदानभुवे नमः
ॐ जिष्णवे नमः	ॐ विष्णुप्रियाय नमः	ॐ भक्तजीविताय नमः
ॐ जितमण्मथाय नमः	ॐ ऐश्वर्यकारणाय नमः	ॐ ज्यायसे नमः
ॐ यक्षकिन्नरसेविताय नमः	ॐ गङ्गासुताय नमः	ॐ विघ्नकर्त्रे नमः
ॐ विघ्नहन्त्रे नमः	ॐ विश्वनेत्रे नमः	ॐ विराट्पतये नमः
ॐ श्रीपतये नमः	ॐ वाक्पतये नमः	ॐ शृङ्गारिणे नमः
ॐ आश्रितवत्सलाय नमः	ॐ शिवप्रियाय नमः	ॐ श्रीघ्नकारिणे नमः
ॐ शाश्वताय नमः	ॐ बलाय नमः	ॐ बलोद्धदाय नमः
ॐ भक्तनिधये नमः	ॐ भावगम्याय नमः	ॐ मङ्गळप्रताय नमः
ॐ अव्यक्ताय नमः	ॐ अपाकृतपराक्रमाय नमः	ॐ सत्यधर्मिणे नमः

ॐ सख्यै नमः	ॐ सरसाम्बुनिधये नमः	ॐ महेशाय नमः
ॐ देशाङ्गाय नमः	ॐ मनिकिङ्किणीमेखलाय नमः	ॐ समस्तदेवतामूर्तये नमः
ॐ सहिष्णवे नमः	ॐ सततोत्थिताय नमः	ॐ विघातकारिणे नमः
ॐ विष्वग्दृशे नमः	ॐ विष्वरक्षाकृते नमः	ॐ पञ्चहस्ताय नमः
ॐ पार्वतीनन्दनाय नमः	ॐ प्रभवे नमः	ॐ कुमारगुरवे नमः
ॐ अक्षोभ्याय नमः	ॐ कुञ्जरासुरभञ्जनाय नमः	ॐ गणाधीशाय नमः
ॐ गम्भीरनिनदाय नमः	ॐ वटवे नमः	ॐ अभीष्टवरदाय नमः
ॐ ज्योतिषे नमः	ॐ आक्रान्तसदसत्प्रभवे नमः	ॐ कल्याणगुरवे नमः
ॐ उन्मत्तवेषाय नमः	ॐ वरजिते नमः	ॐ समस्तजगदाधाराय नमः
ॐ सर्वैश्वर्यप्रदाय नमः	ॐ विघ्नेश्वराय नमः	ॐ विनायकपरध्वाय नमः (१११)

(२) अथ सङ्कटहरण विनायक अष्टोत्तर शतनामानि

बलार्कारुणकान्तिर्यावामे बालाम्बहन्नङ्के । लसदिन्दिवरहस्ताम् गौराङ्गीम् रत्नशोभाङ्ग्यां ।
दक्षेन्कुशवदानम् वामेपाशम्चपायसंपात्रम् । नीलांशुकलसमानःपीडेपद्मारुणेतिष्ठन् ।

सङ्कटहरणःपायात् सङ्कटपूगाद्रजाननो नित्यम् ॥

ॐ विनायकाय नमः (१)	ॐ विघ्नराजाय नमः (२)	ॐ गौरीपुत्राय नमः (३)
ॐ गणेश्वराय नमः	ॐ स्कन्दाग्रजाय नमः	ॐ अव्ययाय नमः
ॐ पूताय नमः	ॐ दक्षाय नमः	ॐ अध्यक्षाय नमः
ॐ द्विजप्रियाय नमः	ॐ अग्निगर्भच्छिदे नमः	ॐ इन्द्रश्रीप्रदाय नमः
ॐ वाणीप्रदाय नमः	ॐ अव्ययाय नमः	ॐ सर्वसिद्धिप्रदाय नमः
ॐ शर्वतनयाय नमः	ॐ शर्वरीप्रियाय नमः	ॐ सर्वात्मकाय नमः
ॐ सृष्टिकर्त्रे नमः	ॐ देवाय नमः	ॐ अनेकार्चिताय नमः
ॐ शिवाय नमः	ॐ शुद्धाय नमः	ॐ बुद्धिप्रियाय नमः
ॐ ब्रह्मचारिणे नमः	ॐ गजाननाय नमः	ॐ द्वैमात्रेयाय नमः
ॐ मुनिस्तुत्याय नमः	ॐ भक्तविघ्नविनाशनाय नमः	ॐ एकदन्ताय नमः
ॐ चतुर्बाहवे नमः	ॐ चतुराय नमः	ॐ शक्तिसम्युताय नमः
ॐ लम्बोदराय नमः	ॐ शूर्पकर्णाय नमः	ॐ हरये नमः
ॐ ब्रह्मविदुत्तमाय नमः	ॐ कालाय नमः	ॐ ग्रहपतये नमः
ॐ कामिने नमः	ॐ सोमसूर्याग्निलोचनाय नमः	ॐ पाशाङ्कुशधराय नमः
ॐ चण्डाय नमः	ॐ गुणातीताय नमः	ॐ निरञ्जनाय नमः

ॐ अकल्मषाय नमः	ॐ स्वयंसिद्धाय नमः	ॐ सिद्धार्चितपदाम्बुजाय नमः
ॐ बीजापूरफलासक्ताय नमः	ॐ वरदाय नमः	ॐ शाश्वताय नमः
ॐ कृतिने नमः	ॐ द्विजप्रियाय नमः	ॐ वीतभयाय नमः
ॐ गदिने नमः	ॐ चक्रिणे नमः	ॐ इक्षुचापधृते नमः
ॐ श्रीदाय नमः	ॐ अजाय नमः	ॐ उत्पलकराय नमः
ॐ श्रीपतये नमः	ॐ स्तुतिहर्षिताय नमः	ॐ कुलाद्रिभेत्रे नमः
ॐ जटिलाय नमः	ॐ कलिकल्मनाशकाय नमः	ॐ चन्द्रचूडामणये नमः
ॐ कान्ताय नमः	ॐ पापहारिणे नमः	ॐ समाहिताय नमः
ॐ आश्रितश्रीकराय नमः	ॐ सौम्याय नमः	ॐ भक्तवाञ्छितदायकाय नमः
ॐ शान्ताय नमः	ॐ कैवल्यसुखदाय नमः	ॐ सञ्चिदानन्दविग्रहाय नमः
ॐ ज्ञानिने नमः	ॐ दयायुताय नमः	ॐ दाताय नमः
ॐ ब्रह्मद्वेषविवर्जिताय नमः	ॐ प्रमत्तदैत्यभयदाय नमः	ॐ श्रीकण्ठाय नमः
ॐ विबुधेश्वराय नमः	ॐ रमार्चिताय नमः	ॐ विधये नमः
ॐ नागराजयज्ञोपवीतकाय नमः	ॐ स्थूलकण्ठाय नमः	ॐ स्वयंकर्त्रे नमः
ॐ सामघोषप्रियाय नमः	ॐ परस्मै नमः	ॐ स्थूलतुण्डाय नमः
ॐ अग्रण्यै नमः	ॐ धीराय नमः	ॐ वागीशाय नमः
ॐ सिद्धिदायकाय नमः	ॐ दूर्वाबिल्वप्रियाय नमः	ॐ अव्यक्तमूर्तये नमः
ॐ अद्भुदमूर्तिमते नमः	ॐ शैलेन्द्रतनुजोत्सङ्गखेलनोत्सुखमानसाय नमः	
ॐ स्वलावण्यसुधासाराय नमः	ॐ जितमन्मथविग्रहाय नमः	ॐ समस्तजगदाधाराय नमः
ॐ मायिने नमः	ॐ मूषिकवाहनाय नमः	ॐ हुष्ठाय नमः
ॐ दुष्टाय नमः	ॐ प्रसन्नात्मने नमः	ॐ सर्वसिद्धिप्रदायकाय नमः
ॐ महागणपतये नमः (१०८)		

(३) अथ विघ्नेश्वर अष्टोत्तर शतनामानि

गजाननं चन्द्रसमानवर्णं स्वदन्तपाषांकुश लङ्घुकानि । हस्तैर्दधानं कमलासनस्थं विघ्नेश्वरं नौमिसदाप्रसन्नं ।।

ॐ गणपतये नमः (१)	ॐ अम्बिकासूनवे नमः (२)	ॐ विघ्नेशाय नमः (३)
ॐ द्विरदाननाय नमः	ॐ विनायकाय नमः	ॐ शम्भुपुत्राय नमः
ॐ स्कन्दपूर्वजाय नमः	ॐ एकदन्ताय नमः	ॐ शूर्पकर्णाय नमः
ॐ हेमाङ्गाय नमः	ॐ सर्पभूषणाय नमः	ॐ सर्पयज्ञोपवीतिने नमः
ॐ विकटाय नमः	ॐ सर्पमेखलाय नमः	ॐ लम्बोदराय नमः
ॐ महाकायाय नमः	ॐ बलिने नमः	ॐ मूषिकवाहनाय नमः

ॐ पाशाङ्कुशाय नमः

ॐ अङ्कुशप्रभवे नमः

ॐ विघ्नराजे नमः

ॐ कुमारगुरवे नमः

ॐ चतुर्भुजाय नमः

ॐ ब्रह्मविदे नमः

ॐ वरदाय नमः

ॐ धूमकेतवे नमः

ॐ विदुषे नमः

ॐ अघघ्नाय नमः

ॐ चामरश्रवणाय नमः

ॐ सर्वसिद्धिकराय नमः

ॐ द्वैमातुराय नमः

ॐ मौंजीपतये नमः

ॐ अर्यम्णे नमः

ॐ वेदभावसुपूजिताय नमः

ॐ स्थूलसूक्ष्मसुपूजिताय नमः

ॐ सर्वज्ञाय नमः

ॐ हस्तिमस्तकाय नमः

ॐ महारूपाय नमः

ॐ विष्णवे नमः

ॐ श्रीमते नमः

ॐ दिव्यमालाम्बरधराय नमः

ॐ गुणश्रेष्ठकृपानिधये नमः

ॐ विजयिने नमः

ॐ शक्तिधराय नमः

ॐ तुन्दिलाय नमः

ॐ अचिन्त्याय नमः

ॐ नक्षत्रमालाभरणाय नमः

ॐ गौरीपुत्राय नमः

ॐ कपिलाय नमः

ॐ गजकर्णाय नमः

ॐ सुप्रियाय नमः

ॐ हेरम्बाय नमः

ॐ ब्रह्मचारिणे नमः

ॐ ब्रह्मपूजिताय नमः

ॐ अम्बपूजिताय नमः

ॐ प्रसन्नास्याय नमः

ॐ विराजमानाय नमः

ॐ मोदकाशिने नमः

ॐ देवाय नमः

ॐ सर्वलोकपूज्याय नमः

ॐ अजिनधराय नमः

ॐ वक्रतुण्डाय नमः

ॐ सर्वविद्याधिपाय नमः

ॐ स्थूलकण्ठाय नमः

ॐ शिवाय नमः

ॐ शङ्करप्रियाय नमः

ॐ रामपूजिताय नमः

ॐ दमयन्तीवरप्रदाय नमः

ॐ भगीरथसुपूजिताय नमः

ॐ परमात्मने नमः

ॐ यक्षगन्धर्वसंश्रिताय नमः

ॐ गजरूपाय नमः

ॐ कृष्णपूजिताय नमः

ॐ मात्रुकामण्डलार्चिताय नमः

ॐ त्रिलोचनाय नमः

ॐ परब्रह्मणे नमः

ॐ बिन्नदन्ताय नमः

ॐ ईशसूनवे नमः

ॐ फालचन्द्राय नमः

ॐ विशालाक्षाय नमः

ॐ गुरवे नमः

ॐ अग्रगन्याय नमः

ॐ ब्रह्मरूपाय नमः

ॐ गरुत्मते नमः

ॐ शम्भुसेविताय नमः

ॐ हरिश्चन्द्रवरप्रदाय नमः

ॐ विद्याधरसुपूजिताय नमः

ॐ सर्वकार्याग्रपूताय नमः

ॐ चित्राभरणभूषिताय नमः

ॐ गणाग्रजाय नमः

ॐ सर्वदेवाग्रपूजिताय नमः

ॐ सर्वदेवमयाय नमः

ॐ अद्योत्रे नमः

ॐ स्थूलभुजाय नमः

ॐ परशुहस्ताय नमः

ॐ कल्यब्दवरदाय नमः

ॐ भक्तप्रियाय नमः

ॐ कामाङ्गनाशनाय नमः

ॐ दिव्यरूपधराय नमः

ॐ महेश्वराय नमः

ॐ स्वर्णपर्वतसंकाशाय नमः

ॐ भगवते नमः

ॐ दिव्यरूपिणे नमः

ॐ त्रिकोणमध्यनिलयाय नमः

ॐ प्रधानपुरुषाय नमः

ॐ सनातनाय नमः

ॐ रमाप्रियाय नमः

ॐ योगिहृत्पद्मसंस्थिताय नमः(१०८)

----- ०००० -----

(४) अथ सिद्धिविनायक अष्टोत्तरनामानि

ध्यायेद्भजाननंदेवं तप्तकाञ्चनसन्निभं । चतुर्भुजं महाकायं सर्वाभरणभूषितं ।

दण्डाक्षमालापरशुं पूर्णमोदकधारिणं । पाशाङ्कुशधरं देवं ध्यायेत्सिद्धिविनायकं ॥

ॐ विन्यायकाय नमः(१)	ॐ विघ्नराजाय नमः(२)	ॐ गणनाथाय नमः (३)
ॐ गजाननाय नमः	ॐ महोदराय नमः	ॐ महादेवाय नमः
ॐ स्निग्धांजनसमद्युतये नमः	ॐ एकदंष्ट्रात्कटाय नमः	ॐ देवाय नमः
ॐ गजवक्त्राय नमः	ॐ महाबलाय नमः	ॐ नागयज्ञोपवीतिने नमः
ॐ नागाभरणभूषिताय नमः	ॐ सर्वार्थसम्पदाधाराय नमः	ॐ गनाध्यक्षाय नमः
ॐ वरप्रदाय नमः	ॐ श्रीरुद्रतनयाय नमः	ॐ उदाराय नमः
ॐ नायकाय नमः	ॐ प्रमथाधिपाय नमः	ॐ पद्मरागद्युतये नमः
ॐ सोमाय नमः	ॐ रक्तमाल्यानुलेपनाय नमः	ॐ अबलाय नमः
ॐ बालरूपिणे नमः	ॐ सुमुखाय नमः	ॐ सुरप्रियाय नमः
ॐ प्रभवे नमः	ॐ पुण्याय नमः	ॐ पूर्णाय नमः
ॐ पूर्णोदराय नमः	ॐ पुण्यतीर्तये नमः	ॐ पुरातनाय नमः
ॐ भर्त्रे नमः	ॐ शिवाय नमः	ॐ शान्ताय नमः
ॐ जगन्नाथाय नमः	ॐ शाश्वताय नमः	ॐ श्वेतपरिधानाय नमः
ॐ त्र्यक्षाय नमः	ॐ कनकसुप्रभाय नमः	ॐ शिवसाम्याय नमः
ॐ महातेजसे नमः	ॐ महाबलपराक्रमाय नमः	ॐ सर्वज्ञाय नमः
ॐ ज्ञानसम्पन्नाय नमः	ॐ सर्वाभरणभूषिताय नमः	ॐ पापापनोदनाय नमः
ॐ देवाय नमः	ॐ अलक्ष्ममलनाशनाय नमः	ॐ कुमाराय नमः
ॐ कारणाय नमः	ॐ कान्ताय नमः	ॐ सर्वसिद्धिप्रदायकाय नमः
ॐ विभवे नमः	ॐ ईशाय नमः	ॐ ईशपुत्राय नमः
ॐ ईप्सितार्थप्रदायकाय नमः	ॐ श्रीदाय नमः	ॐ शुभाय नमः
ॐ एकदन्ताय नमः	ॐ एकवीराय नमः	ॐ अनेकदाय नमः
ॐ एकस्मै नमः	ॐ एकभृते नमः	ॐ विश्वभृते नमः
ॐ विश्वभुजे नमः	ॐ विश्वस्मै नमः	ॐ सर्वज्ञाय नमः
ॐ सर्वभावनाय नमः	ॐ भाग्यधाय नमः	ॐ भवदाय नमः
ॐ भागिने नमः	ॐ भोगदाय नमः	ॐ भोगभावनाय नमः
ॐ कवये नमः	ॐ कार्याय नमः	ॐ कानीनाय नमः
ॐ कर्त्रे नमः	ॐ क्रतवे नमः	ॐ कृतिने नमः

ॐ कृत्यविते नमः	ॐ अत्युग्राय नमः	ॐ कान्तदर्शिने नमः
ॐ कृतान्तकाय नमः	ॐ स्तुत्याय नमः	ॐ स्तोत्रे नमः
ॐ स्तोकाय नमः	ॐ स्तोत्राय नमः	ॐ त्र्यीमयाय नमः
ॐ वेदाय नमः	ॐ वेदान्तकृते नमः	ॐ वेद्याय नमः
ॐ विदुषाम्बुद्धिदाय नमः	ॐ बुधाय नमः	ॐ ओङ्काराय नमः
ॐ ब्रह्मविदे नमः	ॐ भ्राह्माय नमः	ॐ ब्रह्मणे नमः
ॐ ब्रह्मपराय नमः	ॐ पराय नमः	ॐ सर्वज्ञाय नमः
ॐ सद्गतये नमः	ॐ सर्वलोकवेद्याय नमः	ॐ सर्वदाय नमः
ॐ सुभगाय नमः	ॐ अव्ययाय नमः	ॐ श्रीसिद्धिविनायकाय नमः (१०८)

-----००००-----

(५) अथ सूर्योष्टोत्तर शतनामानि

ध्यायेत्सूर्यमनन्तकोटिकिरणंतेजोमयंभास्करम् भक्तानामभयप्रदं दिनकरं ज्योतिर्मयं शङ्करम् ।
आदित्यजगदीशमञ्चुतमजंत्रैलोक्यचूडामणिं भक्ताभीष्टवरप्रदं दिनमणिम् मार्ताण्डमाद्यं शुभम् ॥

ॐ अरुणाय नमः(१)	ॐ शरण्याय नमः (२)	ॐ करुणारससिन्धवे नमः (३)
ॐ असमानबलाय नमः	ॐ आर्तरक्षकाय नमः	ॐ आदित्याय नमः
ॐ आदिभूताय नमः	ॐ अखिलागमवेदिने नमः	ॐ अच्युताय नमः
ॐ अखिलज्ञाय नमः	ॐ अनन्ताय नमः	ॐ इनाय नमः
ॐ विश्वरूपाय नमः	ॐ इज्याय नमः	ॐ इन्द्राय नमः
ॐ भानवे नमः	ॐ इन्दिरामन्दिराप्ताय नमः	ॐ वन्दनीयाय नमः
ॐ ईशाय नमः	ॐ सुप्रसन्नाय नमः	ॐ सुशीलाय नमः
ॐ सुवर्चसे नमः	ॐ वसुप्रदाय नमः	ॐ वसवे नमः
ॐ वासुदेवाय नमः	ॐ उज्ज्वलाय नमः	ॐ उग्ररूपाय नमः
ॐ ऊर्ध्वगाय नमः	ॐ विवस्वते नमः	ॐ उद्यत्किरणजालाय नमः
ॐ हृषीकेशाय नमः	ॐ ऊर्जस्वलाय नमः	ॐ वीराय नमः
ॐ निर्जराय नमः	ॐ जयाय नमः	ॐ ऊरुद्वयाभावरूपयुक्तसारथये नमः
ॐ ऋषिवन्द्याय नमः	ॐ रुहन्त्रे नमः	ॐ ऋक्षचक्रचराय नमः
ॐ ऋजुस्वभावचित्ताय नमः	ॐ नित्यस्तुत्याय नमः	ॐ ऋकारमातृकावर्णरूपाय नमः
ॐ उज्ज्वलतेजसे नमः	ॐ ऋक्षाधिनाथमित्राय नमः	ॐ पुष्कराक्षाय नमः
ॐ लुप्तदन्दाय नमः	ॐ शान्ताय नमः	ॐ कान्तिदाय नमः

ॐ घनाय नमः	ॐ कनत्कनकभूषाय नमः	ॐ खद्योताय नमः
ॐ लूलिताखिलदैत्याय नमः	ॐ सत्यानन्दस्वरूपिणे नमः	ॐ अपवर्गप्रदाय नमः
ॐ आर्तशरण्याय नमः	ॐ एकाकिने नमः	ॐ भगवते नमः
ॐ सृष्टिस्थित्यन्तकारिणे नमः	ॐ गुणात्मने नमः	ॐ घृणिभृते नमः
ॐ बृहते नमः	ॐ ब्रह्मणे नमः	ॐ ऐश्वर्याय नमः
ॐ शर्वाय नमः	ॐ हरिदश्वाय नमः	ॐ शौरये नमः
ॐ दशदिक्सम्प्रकाशाय नमः	ॐ भक्तवश्याय नमः	ॐ ओजस्कराय नमः
ॐ जैने नमः	ॐ जगदानन्दहेतवे नमः	ॐ जन्ममृत्युजराव्याधिवर्जिताय नमः
ॐ उन्नत्यपदसञ्चाररथस्थाय नमः	ॐ असुरारये नमः	ॐ कमनीयाय नमः
ॐ अब्जवल्लभाय नमः	ॐ अन्तर्बहिःप्रकाशाय नमः	ॐ अचिन्त्याय नमः
ॐ आत्मरूपिणे नमः	ॐ अच्युताय नमः	ॐ अमरेशाय नमः
ॐ परस्मैज्योतिषे नमः	ॐ अहस्कराय नमः	ॐ रवये नमः
ॐ हरये नमः	ॐ परमात्मने नमः	ॐ तरुणाय नमः
ॐ वरेण्याय नमः	ॐ ग्रहाणांपतये नमः	ॐ भास्कराय नमः
ॐ आदिमध्यान्तरहिताय नमः	ॐ सौख्यप्रदाय नमः	ॐ सकलजगदाम्पतये नमः
ॐ सूर्याय नमः	ॐ कवये नमः	ॐ नारायणाय नमः
ॐ परेशाय नमः	ॐ तेजोरूपाय नमः	ॐ ह्रीम्-हिरण्यगर्भाय नमः
ॐ ह्रीम्-सम्पत्कराय नमः	ॐ ऐम्-इष्टार्थदाय नमः	ॐ अम्-सुप्रसन्नाय नमः
ॐ श्रीमते नमः	ॐ श्रेयसे नमः	ॐ भक्तकोटिसौख्यप्रदायिने नमः
ॐ निखिलागमवेद्याय नमः	ॐ नित्यानन्दाय नमः	ॐ हिरण्यगर्भाय नमः (१०८)

-----००००-----

(६) अथ अङ्गारकन् अष्टोत्तर शतनामानि

रक्तमाल्याम् बरतरम् हेमरूपम् चतुर्भुजम् । शक्तिरूपंगदापद्मम् धारयन्तं कराम्भुजैः ।।

ॐ महीसुताय नमः (१)	ॐ महाभागाय नमः (२)	ॐ मङ्गलाय नमः (३)
ॐ मङ्गळप्रदाय नमः	ॐ महावीराय नमः	ॐ महाशूराय नमः
ॐ महाबलपराक्रमाय नमः	ॐ महारौद्राय नमः	ॐ महाभद्राय नमः
ॐ माननीयाय नमः	ॐ दयाकराय नमः	ॐ मानदाय नमः
ॐ पर्वणाय नमः	ॐ क्रूराय नमः	ॐ तापपापविवर्जिताय नमः
ॐ सुप्रदीपाय नमः	ॐ सुताम्राक्षाय नमः	ॐ सुब्रह्मण्याय नमः

ॐ सुखप्रदाय नमः	ॐ वक्रस्थम्भादिगमनाय नमः	ॐ वरेण्याय नमः
ॐ वरदाय नमः	ॐ सुखिने नमः	ॐ वीरभद्राय नमः
ॐ विरूपाक्षाय नमः	ॐ विदूरस्थाय नमः	ॐ विभावसवे नमः
ॐ नक्षत्रचक्रसञ्चारिणे नमः	ॐ क्षत्रपाय नमः	ॐ क्षात्रवर्जिताय नमः
ॐ क्षयवृद्धिविनिर्मुक्ताय नमः	ॐ क्षयायुक्ताय नमः	ॐ विचक्षणाय नमः
ॐ अक्षीणफलदाय नमः	ॐ चतुर्गोचराय नमः	ॐ वीतरागाय नमः
ॐ वीतभयाय नमः	ॐ विज्वराय नमः	ॐ विश्वकारणाय नमः
ॐ नक्षत्रासिसञ्चाराय नमः	ॐ नानाभयनिकृन्तनाय नमः	ॐ कमनीयाय नमः
ॐ दयासाराय नमः	ॐ कनत्कनकभूषणाय नमः	ॐ भयघ्नाय नमः
ॐ भव्यफलदाय नमः	ॐ भक्ताभयवरप्रदाय नमः	ॐ शत्रुहन्त्रे नमः
ॐ शमोपेताय नमः	ॐ शरणागतपोषणाय नमः	ॐ साहसाय नमः
ॐ सद्गुणाध्यक्षाय नमः	ॐ साधवे नमः	ॐ समरदुरर्जयाय नमः
ॐ दुष्टदूराय नमः	ॐ शिष्टपूज्याय नमः	ॐ सर्वकष्टनिवारकाय नमः
ॐ दुष्चेष्टवारकाय नमः	ॐ दुःखभञ्जनाय नमः	ॐ दुर्धराय नमः
ॐ हरये नमः	ॐ दुःस्वप्नहन्त्रे नमः	ॐ दुर्धर्षाय नमः
ॐ दुष्टगर्वविमोचकाय नमः	ॐ भरद्वाजकुलोद्भूताय नमः	ॐ भूसुदाय नमः
ॐ भव्यभूषणाय नमः	ॐ रक्ताम्बराय नमः	ॐ रक्तपुषे नमः
ॐ भक्तपालनतत्पराय नमः	ॐ चतुर्भुजाय नमः	ॐ गदाधारिणे नमः
ॐ मेषवाहनाय नमः	ॐ मिताषनाय नमः	ॐ शक्तिशूलधराय नमः
ॐ शान्ताय नमः	ॐ शस्त्रविद्याविशारदाय नमः	ॐ तार्किकाय नमः
ॐ तामसाधाराय नमः	ॐ तपस्विने नमः	ॐ ताम्रलोचनाय नमः
ॐ तप्तकाञ्चनसङ्काशाय नमः	ॐ रक्तकिञ्जल्कसन्निभाय नमः	ॐ गोत्राधिदेवताय नमः
ॐ गोमध्यचराय नमः	ॐ गुणविभूषणाय नमः	ॐ असृजे नमः
ॐ अङ्गारकाय नमः	ॐ अवन्तीदेशाधीशाय नमः	ॐ जनार्दनाय नमः
ॐ सूर्याम्यप्रदेशस्थाय नमः	ॐ यौवनाय नमः	ॐ याम्यदिङ्मुखाय नमः
ॐ त्रिकोणमण्डलगताय नमः	ॐ त्रिदशाधिपाय नमः	ॐ शुचये नमः
ॐ शुचिकराय नमः	ॐ शूराय नमः	ॐ शुचिवर्षाय नमः
ॐ शुभावहाय नमः	ॐ मेषवृष्टिकराशीशाय नमः	ॐ मेधाविने नमः
ॐ मिथभाषिणे नमः	ॐ सुखप्रदाय नमः	ॐ सुरूपाक्षाय नमः
ॐ सर्वाभीष्टफलप्रदाय नमः	ॐ सन्नुताय नमः	ॐ वश्याय नमः (१०८)

-----००००-----

(७) अथ शुक्र अष्टोत्तर शतनामानि

ॐ जटिलं चाक्षसूत्रं च वरदण्डकमण्डलं । श्वेतवस्त्रा वृतं शुक्रं ध्यायेद्दानवपूजितम् ॥

ॐ शुक्राय नमः (१)	ॐ शुचये नमः (२)	ॐ शुभगुणाय नमः (३)
ॐ शुभदाय नमः	ॐ शुभलक्षणाय नमः	ॐ शोभनाक्षाय नमः
ॐ शुभरूपाय नमः	ॐ शुद्धस्पटिकभास्वराय नमः	ॐ दीनार्तिहराय नमः
ॐ दैत्यगुरवे नमः	ॐ देवाभिवन्तिताय नमः	ॐ काव्यासक्ताय नमः
ॐ कामपालाय नमः	ॐ कवये नमः	ॐ कल्याणदायकाय नमः
ॐ भद्रमूर्तये नमः	ॐ भद्रगुणाय नमः	ॐ भार्गवाय नमः
ॐ भक्तपालनाय नमः	ॐ भोगदाय नमः	ॐ भुवनाध्यक्षाय नमः
ॐ भुक्तिमुक्तिफलप्रदाय नमः	ॐ चारुशीलाय नमः	ॐ चारुरूपाय नमः
ॐ चारुचन्द्रनिभाननाय नमः	ॐ निधये नमः	ॐ निखिलशास्त्रज्ञाय नमः
ॐ नीतिविद्याधुरंधराय नमः	ॐ सर्वलक्षणसंपन्नाय नमः	ॐ सर्वापद्रववर्जिताय नमः
ॐ समानाधिकनिर्मुक्ताय नमः	ॐ सकालगमपारगाय नमः	ॐ भृगवे नमः
ॐ भोगकराय नमः	ॐ भूमिसुरपालनतत्पराय नमः	ॐ मनस्विने नमः
ॐ मानदाय नमः	ॐ मान्याय नमः	ॐ मायातीताय नमः
ॐ महाशयाय नमः	ॐ बलिप्रसन्नाय नमः	ॐ अभयदाय नमः
ॐ बलिने नमः	ॐ बलपराक्रमाय नमः	ॐ भवपाशपरित्यागाय नमः
ॐ बलिबन्धविमोचनाय नमः	ॐ घनाशयाय नमः	ॐ घनाध्यक्षाय नमः
ॐ कम्बुग्रीवाय नमः	ॐ कळाधराय नमः	ॐ कारुण्यरससम्पूर्णाय नमः
ॐ कल्याणगुणवर्धनाय नमः	ॐ श्वेताम्बराय नमः	ॐ श्वेतवपुशे नमः
ॐ चतुर्भुजसमन्विताय नमः	ॐ अक्षमालाधराय नमः	ॐ अचिन्त्याय नमः
ॐ अक्षीणगुणभासुराय नमः	ॐ नक्षत्रगणसन्चाराय नमः	ॐ नयदाय नमः
ॐ नीतिमार्गदाय नमः	ॐ वर्षप्रदाय नमः	ॐ हृषीकेशाय नमः
ॐ क्लेशनाशकाय नमः	ॐ कवये नमः	ॐ चिन्तितार्थप्रदाय नमः
ॐ शान्तमतये नमः	ॐ चित्तसमाधिकृते नमः	ॐ आधिव्याधिहराय नमः
ॐ भूरिविक्रमाय नमः	ॐ पुण्यदायकाय नमः	ॐ पुराणपुरुषाय नमः
ॐ पूज्याय नमः	ॐ पुरुहूतादिसन्नुताय नमः	ॐ अजयाय नमः
ॐ विजितारातये नमः	ॐ विविधाभरणोज्ज्वलाय नमः	ॐ कुन्दपुष्पप्रतीकाशाय नमः
ॐ मन्दहासाय नमः	ॐ महामतये नमः	ॐ मुक्ताफलसमानाभाय नमः
ॐ मुक्तिदाय नमः	ॐ मुनिसन्नुताय नमः	ॐ रक्तसिंहासनारूढाय नमः

ॐ रथस्थाय नमः	ॐ रजतप्रभाय नमः	ॐ सूर्यप्रभादेशसंचाराय नमः
ॐ सुरशत्रुसुहृदे नमः	ॐ कवये नमः	ॐ तुलावृषभराशीशाय नमः
ॐ दुर्धराय नमः	ॐ धर्मपालनाय नमः	ॐ भाग्यदाय नमः
ॐ भव्यचारित्राय नमः	ॐ भवपाशविमोचनाय नमः	ॐ गौडदेशेश्वराय नमः
ॐ गोप्ते नमः	ॐ गुणिने नमः	ॐ गुणविभूषणाय नमः
ॐ ज्येष्ठानक्षत्रसम्भूताय नमः	ॐ ज्येष्ठाय नमः	ॐ श्रेष्ठाय नमः
ॐ शुचिस्मिताय नमः	ॐ अपवर्गप्रदाय नमः	ॐ अनन्ताय नमः
ॐ सन्तानफलदायकाय नमः	ॐ सर्वैश्वर्यप्रदाय नमः	ॐ सर्वगीर्वाणगणसन्नुताय नमः(२०८)

-----००००-----

(८) अथ सोमन् अष्टोत्तर शतनामानि

श्वेतांबरान्वितवपुङ्गवरशुभ्रवर्णम् श्वेताश्वयुक्तरथगम् सुरसेविताङ्घ्रीम् ।

दोर्भ्याम् धृताभयकरम् वरदम् सुदाम्शुं श्रीवत्स मौक्तिकधरम् प्रणमामि चन्द्रं ।।

ॐ श्रीमते नमः	ॐ शशधराय नमः	ॐ चन्द्राय नमः
ॐ ताराधीशाय नमः	ॐ निशाकराय नमः	ॐ सुधानिधये नमः
ॐ सुखनिधये नमः	ॐ सदाराध्याय नमः	ॐ सत्पतये नमः
ॐ साधुपूजिताय नमः	ॐ जितेन्द्रियाय नमः	ॐ जयोद्योगाय नमः
ॐ ज्योतिष्चक्रप्रवर्तकाय नमः	ॐ विकर्तनानुजाय नमः	ॐ वीराय नमः
ॐ विश्वेशाय नमः	ॐ विदुषाम्पतये नमः	ॐ दोषाकराय नमः
ॐ दुष्टदूराय नमः	ॐ पुष्टिमते नमः	ॐ शिष्टपालकाय नमः
ॐ अष्टमूर्तिप्रियाय नमः	ॐ अनन्ताय नमः	ॐ अष्टदारुकुटारकाय नमः
ॐ स्वप्रकाशाय नमः	ॐ प्रकाशात्मने नमः	ॐ द्युचराय नमः
ॐ देवभोजनाय नमः	ॐ कळाधराय नमः	ॐ कालहेदवे नमः
ॐ कामकृते नमः	ॐ कामदाय नमः	ॐ मृत्युसमहारकाय नमः
ॐ अमर्त्याय नमः	ॐ नित्यानुष्ठानदायकाय नमः	ॐ क्षपाकराय नमः
ॐ क्षीणपापाय नमः	ॐ क्षयवृद्धिसमन्विताय नमः	ॐ जैवातृकाय नमः
ॐ शुचये नमः	ॐ शुभ्राय नमः	ॐ जयिने नमः
ॐ जयफलप्रदाय नमः	ॐ सुधामयाय नमः	ॐ सूरस्वामिणे नमः
ॐ भक्तानामिष्टदायकाय नमः	ॐ भुक्तिदाय नमः	ॐ मुक्तिदाय नमः
ॐ भद्राय नमः	ॐ भक्तदारिद्र्यभञ्जनाय नमः	ॐ सामगानप्रियाय नमः
ॐ सर्वरक्षकाय नमः	ॐ सागरोद्भवाय नमः	ॐ भयानकृते नमः

ॐ भक्तिगम्याय नमः	ॐ भवबन्धविमोचकाय नमः	ॐ जगद्प्रकाशकिरणाय नमः
ॐ जगदानन्दकारणाय नमः	ॐ निस्सपत्नाय नमः	ॐ निराहाराय नमः
ॐ निर्विकाराय नमः	ॐ निरामयाय नमः	ॐ भूच्छायाच्छादिताय नमः
ॐ भव्याय नमः	ॐ भुवनप्रतिपालकाय नमः	ॐ सकलार्तिहराय नमः
ॐ सौम्यभञ्जनाय नमः	ॐ साधुवन्दिताय नमः	ॐ सर्वागमज्ञाय नमः
ॐ सनकादिमुनिस्तुत्याय नमः	ॐ सितच्छत्रध्वजोपेताय नमः	ॐ सदाङ्गाय नमः
ॐ सिद्धभूषणाय नमः	ॐ श्वेतमाल्याम्बरधराय नमः	ॐ श्वेतगन्धानुलेपनाय नमः
ॐ दशाश्वरथसमूहाय नमः	ॐ दण्डपाणये नमः	ॐ धनुर्धराय नमः
ॐ कुन्दपुष्पोज्ज्वलाकाराय नमः	ॐ नयनाब्जसमुद्भवाय नमः	ॐ आत्रेयगोत्रजाय नमः
ॐ अत्यन्तविनयाय नमः	ॐ प्रियनायकाय नमः	ॐ करुणारससम्पूर्णाय नमः
ॐ अर्कटप्रभवे नमः	ॐ अव्ययाय नमः	ॐ चतुरश्रासनारुडाय नमः
ॐ चतुराय नमः	ॐ दिव्यवाहनाय नमः	ॐ विवश्वण्मण्डलज्ञेयवासाय नमः
ॐ वसुसमृद्धिदाय नमः	ॐ महेश्वरप्रियाय नमः	ॐ दान्ताय नमः
ॐ मेरुगोत्रप्रदक्षिणाय नमः	ॐ ग्रहमण्डलमध्यस्थाय नमः	ॐ ग्रसितार्काय नमः
ॐ ग्रहाधिपाय नमः	ॐ द्विजराजाय नमः	ॐ द्युतिकलाय नमः
ॐ द्विपुजाय नमः	ॐ द्विजपूजिताय नमः	ॐ औदुम्बरनगावासाय नमः
ॐ उदाराय नमः	ॐ रोहिणीपतये नमः	ॐ नित्योदयाय नमः
ॐ मुनिस्तुत्याय नमः	ॐ नित्यानन्दफलप्रदाय नमः	ॐ सकलाह्लादनकराय नमः
ॐ फलाशसमिधप्रिया नमः (१०९)	-----००००-----	

(९) अथ बुधन् अष्टोत्तर शतनामानि

बुधश्चतुर्भिर्वरदाभयासि गदावहन्तंवरदंप्रशान्तं । पीदप्रभंचन्द्रसुतंसुरेध्यं सिम्हे निषण्णं बुधमाश्रयामि ॥

ॐ बुधाय नमः (१)	ॐ बुधार्चिताय नमः (२)	ॐ सौम्याय नमः (३)
ॐ सौम्यचित्ताय नमः	ॐ शुभप्रदाय नमः	ॐ दृढव्रताय नमः
ॐ दृढफलाय नमः	ॐ श्रुतिजालप्रबोधाय नमः	ॐ सत्यवासाय नमः
ॐ सत्यवचसे नमः	ॐ श्रेयसाम्पतये नमः	ॐ अव्ययाय नमः
ॐ सोमजाय नमः	ॐ सुखदाय नमः	ॐ श्रीमते नमः
ॐ सोमवम्शप्रदीपाय नमः	ॐ वेदविदे नमः	ॐ वेदतत्त्वज्ञाय नमः
ॐ वेदान्तज्ञानभास्वराय नमः	ॐ विद्याविचक्षणाय नमः	ॐ विभवे नमः
ॐ विद्वद्प्रीदिकराय नमः	ॐ ऋजवे नमः	ॐ विश्वानुकूलसन्चारिणे नमः
ॐ विषेशविनयान्विताय नमः	ॐ विविधागमसारज्ञाय नमः	ॐ वीर्यवते नमः

ॐ विगतज्वराय नमः	ॐ त्रिवर्गफलदाय नमः	ॐ अनन्ताय नमः
ॐ त्रिदशाधिपपूजिताय नमः	ॐ बुद्धिमते नमः	ॐ बहुशास्त्रज्ञाय नमः
ॐ बलिने नमः	ॐ बन्धविमोचनाय नमः	ॐ वक्रातिवक्रगमनाय नमः
ॐ वासवाय नमः	ॐ वसुधाधिपाय नमः	ॐ प्रसादवदनाय नमः
ॐ वन्द्याय नमः	ॐ वरेण्याय नमः	ॐ वाग्विलक्षणाय नमः
ॐ सत्यवते नमः	ॐ सत्यसङ्कल्पाय नमः	ॐ सत्यसन्धाय नमः
ॐ सदादराय नमः	ॐ सर्वरोगप्रशमनाय नमः	ॐ सर्वमृत्युनिवारकाय नमः
ॐ वाणिज्यनिपुणाय नमः	ॐ वश्याय नमः	ॐ वाताङ्गिने नमः
ॐ वातरोगहृते नमः	ॐ स्थूलाय नमः	ॐ स्थैर्यगुणाध्यक्षाय नमः
ॐ स्थूलसूक्ष्मादिकारणाय नमः	ॐ अप्रकाशाय नमः	ॐ प्रकाशात्मने नमः
ॐ घनाय नमः	ॐ गगनभूषणाय नमः	ॐ विधिस्तुत्याय नमः
ॐ विसालाक्षाय नमः	ॐ विद्वज्जनमनोहराय नमः	ॐ चारुशीलाय नमः
ॐ स्वप्रकाशाय नमः	ॐ चफलाय नमः	ॐ जितेन्द्रियाय नमः
ॐ उदङ्मुखाय नमः	ॐ मुखासक्ताय नमः	ॐ मगधाधिपतये नमः
ॐ हरये नमः	ॐ सौम्यवत्सरसञ्जाताय नमः	ॐ सोमप्रियचराय नमः
ॐ सुखिने नमः	ॐ सिन्हाधिरुडाय नमः	ॐ सर्वज्ञाय नमः
ॐ शिखिवर्णाय नमः	ॐ शिवङ्कराय नमः	ॐ पीताम्बराय नमः
ॐ पीतवपुषे नमः	ॐ पीतच्छत्रध्वजाङ्किताय नमः	ॐ खड्गचर्मधराय नमः
ॐ कार्यकर्त्रे नमः	ॐ कलुषहराय नमः	ॐ आत्रेयगोत्रजाय नमः
ॐ अत्यन्तविनयाय नमः	ॐ विश्वपावनाय नमः	ॐ चाम्पेयपुष्पसङ्काशाय नमः
ॐ चारणाय नमः	ॐ चारुभूषणाय नमः	ॐ वीतरागाय नमः
ॐ वीतभयाय नमः	ॐ विशुद्धकनकप्रदाय नमः	ॐ बन्धुप्रियाय नमः
ॐ बन्धुमुक्ताय नमः	ॐ बाणमण्डलसम्श्रिताय नमः	ॐ अर्केशानप्रतिवासस्थाय नमः
ॐ तर्कशास्त्रविशारदाय नमः	ॐ प्रशान्ताय नमः	ॐ प्रीतिसम्युक्ताय नमः
ॐ प्रियकृते नमः	ॐ प्रियभूषणाय नमः	ॐ मेधाविने नमः
ॐ माधवासक्ताय नमः	ॐ मिथुनाधिपतये नमः	ॐ सुधिये नमः
ॐ अण्याराशिप्रियाय नमः	ॐ कामप्रदाय नमः	ॐ घनफलाशयाय नमः
ॐ बुधग्रहाय नमः (१०९)		

-----००००-----

(१०) अथ गुरु अष्टोत्तर शतनामानि

वरात्वमाला दण्डचक्रमण्डलु धरम् विभुम् । पुष्परागाङ्कितम् पीतम् वरदम् भावयेदुरुम् ।।

ॐ गुरवे नमः (१)	ॐ गुणकराय नमः (२)	ॐ गोप्ते नमः (३)
ॐ गोचराय नमः	ॐ गोपतिप्रियाय नमः	ॐ गुणिने नमः
ॐ गुणवताम्श्रेष्ठाय नमः	ॐ गुरुणां गुरवे नमः	ॐ अव्ययाय नमः
ॐ जेत्रे नमः	ॐ जयन्ताय नमः	ॐ जयदाय नमः
ॐ जीवाय नमः	ॐ अनन्ताय नमः	ॐ जयावहाय नमः
ॐ आङ्गीरसाय नमः	ॐ अध्वरासक्ताय नमः	ॐ विविक्ताय नमः
ॐ अध्वरकृत्पराय नमः	ॐ वाचस्पतये नमः	ॐ वशिने नमः
ॐ वश्याय नमः	ॐ वरिष्ठाय नमः	ॐ वाग्विचक्षणाय नमः
ॐ चित्तशुद्धिकराय नमः	ॐ श्रीमते नमः	ॐ चैत्राय नमः
ॐ चित्रशिखण्डिजाय नमः	ॐ बृहद्रथाय नमः	ॐ बृहद्भानवे नमः
ॐ बृहस्पतये नमः	ॐ अभीष्टदाय नमः	ॐ सुराचार्याय नमः
ॐ सुराराध्याय नमः	ॐ सुरकार्यहितङ्कराय नमः	ॐ गीर्वाणपोषकाय नमः
ॐ धन्याय नमः	ॐ गीष्पतये नमः	ॐ गिरिशाय नमः
ॐ अनघाय नमः	ॐ धीवराय नमः	ॐ धिशणाय नमः
ॐ दिव्यभूषणाय नमः	ॐ देवपूजिताय नमः	ॐ धनुर्धराय नमः
ॐ दैत्यहन्त्रे नमः	ॐ दयासाराय नमः	ॐ दयाकराय नमः
ॐ दारिद्र्यनाशकाय नमः	ॐ धन्याय नमः	ॐ दक्षिणायनसम्भवाय नमः
ॐ धनुर्मीनादिपाय नमः	ॐ देवाय नमः	ॐ धनुर्बाणधराय नमः
ॐ हरये नमः	ॐ आङ्गीरसाब्दसञ्ज्ञाताय नमः	ॐ आङ्गीरसकुलोद्भवाय नमः
ॐ सिन्धुदेशाधिपाय नमः	ॐ धीमते नमः	ॐ स्वर्णकाय नमः
ॐ चतुर्भुजाय नमः	ॐ हेमाङ्गदाय नमः	ॐ हैमवपुषे नमः
ॐ हेमभूषणभूषिताय नमः	ॐ पुष्पनाथाय नमः	ॐ पुष्परागमणिमण्डनाय नमः
ॐ काशपुष्पसमानाभाय नमः	ॐ कलिदोषनिवारकाय नमः	ॐ इन्द्रादिदेवदेवेशाय नमः
ॐ देवताभीष्टदायकाय नमः	ॐ असमानबलाय नमः	ॐ सत्त्वगुणसम्पद्विभावसवे नमः
ॐ भूसुराभीष्टदाय नमः	ॐ भूरियशसे नमः	ॐ धनाध्यक्षाय नमः
ॐ धनदाय नमः	ॐ धर्मपालनाय नमः	ॐ सर्ववेदार्थतत्त्वज्ञाय नमः
ॐ सर्वापद्विनिवारकाय नमः	ॐ सर्वपापप्रशमनाय नमः	ॐ स्वमतानुगतावराय नमः
ॐ ऋग्वेदपारगाय नमः	ॐ ऋक्षराशिमार्गप्रचारकाय नमः	ॐ सदानन्दाय नमः

ॐ सत्यसन्धाय नमः	ॐ सत्यसङ्कल्पमानसाय नमः	ॐ सर्वागमज्ञाय नमः
ॐ सर्वज्ञाय नमः	ॐ सर्ववेदान्तविदुषे नमः	ॐ ब्रह्मपुत्राय नमः
ॐ ब्राह्मणेषाय नमः	ॐ ब्रह्मविद्याविशादराय नमः	ॐ समानाधिकनिर्मुक्ताय नमः
ॐ सर्वलोकवशंवदाय नमः	ॐ सुरासुरगन्धर्ववन्दिताय नमः	ॐ सत्यभाषणाय नमः
ॐ ब्रह्मस्पतये नमः	ॐ सुराचार्याय नमः	ॐ दयावते नमः
ॐ शुभलक्षणाय नमः	ॐ लोकत्रयगुरवे नमः	ॐ श्रीमते नमः
ॐ सर्वगाय नमः	ॐ सर्वतोविभवे नमः	ॐ सर्वेशाय नमः
ॐ सर्वदातुष्टाय नमः	ॐ सर्वगाय नमः	ॐ सर्वपूजिताय नमः

-----००००-----

(११) अथ शनैश्चर अष्टोत्तर शतनामानि

नीलाम्बरो नीलवपुःकिरीटीगृध्रस्थि तस्त्रासकरो धनुष्मान् ।

चतुर्भुजस्सूर्यसुतःप्रशान्तः सदास्तु मह्यम् वरदःप्रसन्नः ।।

ॐ शनैश्चराय नमः (१)	ॐ शान्ताय नमः (२)	ॐ सर्वाभीष्टप्रदायिने नमः (३)
ॐ शरण्याय नमः	ॐ वरेण्याय नमः	ॐ सर्वेशाय नमः
ॐ सौम्याय नमः	ॐ सुरवन्द्याय नमः	ॐ सुरलोकविहारिणे नमः
ॐ सुखासनोपविष्टाय नमः	ॐ सुन्दराय नमः	ॐ घनाय नमः
ॐ घनरूपाय नमः	ॐ घनाभरणधारिणे नमः	ॐ घनसारविलेपनाय नमः
ॐ खद्योताय नमः	ॐ मन्दाय नमः	ॐ मन्दचेष्टाय नमः
ॐ महनीयगुणात्मने नमः	ॐ मर्त्यपावनपादाय नमः	ॐ महेशाय नमः
ॐ छायपुत्राय नमः	ॐ सर्वाय नमः	ॐ शततूणीरधारिणे नमः
ॐ चरस्विरस्वभावाय नमः	ॐ चंचलाय नमः	ॐ नीलवर्णाय नमः
ॐ नित्याय नमः	ॐ नीलाञ्जननिभाय नमः	ॐ नीलाम्बरविभूषाय नमः
ॐ निश्चलाय नमः	ॐ वेद्याय नमः	ॐ विधिरूपाय नमः
ॐ विरोधाधारभूमये नमः	ॐ वेदास्पदस्वभावाय नमः	ॐ वज्रदेहाय नमः
ॐ वैराग्यधाय नमः	ॐ वीराय नमः	ॐ वीतरोगभयाय नमः
ॐ विपत्परम्परेशाय नमः	ॐ विश्ववन्द्याय नमः	ॐ गृध्रवाहनाय नमः
ॐ गूडाय नमः	ॐ कूर्माङ्गाय नमः	ॐ कुरूपिणे नमः
ॐ कुत्सिताय नमः	ॐ गुणाड्याय नमः	ॐ गोचराय नमः
ॐ अविद्यामूलनाशनाय नमः	ॐ विद्याविद्यास्वरूपिणे नमः	ॐ आयुष्यकारणाय नमः
ॐ आपदुद्धर्त्रे नमः	ॐ विष्णुभक्ताय नमः	ॐ वशिने नमः

ॐ विविधागमवेदिने नमः	ॐ विधिस्तुत्याय नमः	ॐ वन्द्याय नमः
ॐ विरूपाक्षाय नमः	ॐ वरिष्ठाय नमः	ॐ गरिष्ठाय नमः
ॐ वज्राङ्कुशधराय नमः	ॐ वरदाय नमः	ॐ अभयहस्ताय नमः
ॐ वामनाय नमः	ॐ ज्येष्ठापत्नीसमेताय नमः	ॐ श्रेष्ठाय नमः
ॐ मितभाषिणे नमः	ॐ कष्टौघनाशनाय नमः	ॐ आर्यपुष्टिताय नमः
ॐ स्तुत्याय नमः	ॐ स्तोत्रगम्याय नमः	ॐ भक्तिवश्याय नमः
ॐ भानवे नमः	ॐ भानुपुत्राय नमः	ॐ भव्याय नमः
ॐ पावनाय नमः	ॐ धनुर्मण्डलसम्स्थाय नमः	ॐ धनधाय नमः
ॐ धनुष्मते नमः	ॐ तनुप्रकाशदेहाय नमः	ॐ तामसाय नमः
ॐ अशेषजनवन्द्याय नमः	ॐ विशेषफलदायिने नमः	ॐ वशीकृतजनेशाय नमः
ॐ पशूनांपतये नमः	ॐ खेचराय नमः	ॐ घननीलाम्बराय नमः
ॐ काठिन्यमनसाय नमः	ॐ आर्यगणस्तुत्याय नमः	ॐ नीलछत्राय नमः
ॐ नित्याय नमः	ॐ निर्गुणाय नमः	ॐ गुणात्मने नमः
ॐ निरामयाय नमः	ॐ निन्द्याय नमः	ॐ वन्दनीयाय नमः
ॐ धीराय नमः	ॐ दिव्यदेहाय नमः	ॐ दीनार्तिहरणाय नमः
ॐ दैन्यनाशकराय नमः	ॐ आर्यजनगण्याय नमः	ॐ क्रूराय नमः
ॐ क्रूरचेष्टाय नमः	ॐ कामक्रोधकराय नमः	ॐ कलत्रपुत्रशत्रुत्वकारणाय नमः
ॐ परिपोषितभक्ताय नमः	ॐ परभीतिहराय नमः	ॐ भक्तसङ्घमनोऽभीष्टफलदाय नमः

-----००००-----

(१२) अथ राहु अष्टोत्तर शतनामानि

कराळवदनं खड्ग चर्मशूल वरान्वितम् । नीलसिंहासस्थं च द्यायेद्राहुम् प्रशान्तये ॥

ॐ राहवे नमः (१)	ॐ सैम्हिकेयाय नमः (२)	ॐ विधुस्तुदाय नमः (३)
ॐ सुरशत्रवे नमः	ॐ तमसे नमः	ॐ प्रणयिने नमः
ॐ गार्ग्याननाय नमः	ॐ सुरागवे नमः	ॐ नीलजीमूतसङ्काशाय नमः
ॐ चतुर्भुजाय नमः	ॐ खड्गखेटकधारिणे नमः	ॐ वरदायकहस्तकाय नमः
ॐ शूलायुधाय नमः	ॐ मेघवर्णाय नमः	ॐ कृष्णध्वजपताकवते नमः
ॐ दक्षिणाशामुखरथाय नमः	ॐ तीक्ष्णदंष्ट्राकराय नमः	ॐ शूर्पाकारासनस्थाय नमः
ॐ गोमेधाभरणप्रियाय नमः	ॐ माषप्रियाय नमः	ॐ काश्यपर्षिनन्दनाय नमः
ॐ भुजगेश्वराय नमः	ॐ उल्कापातयित्रे नमः	ॐ शूलनिधिपाय नमः
ॐ कृष्णसर्पराजे नमः	ॐ वृषत्फालावृतास्य नमः	ॐ अर्धशरीराय नमः

ॐ जाटवप्रदाय नमः	ॐ रवीन्दुभीकराय नमः	ॐ छायास्वरूपिणे नमः
ॐ कटिनाङ्गकाय नमः	ॐ द्विषश्चक्रछेदकाय नमः	ॐ कराळास्याय नमः
ॐ भयङ्कराय नमः	ॐ क्रूरकर्मणे नमः	ॐ तमोरूपाय नमः
ॐ श्यामात्मने नमः	ॐ नीललोहिताय नमः	ॐ किरीटिने नमः
ॐ नीलवसनाय नमः	ॐ शनिसामन्तवर्त्मगाय नमः	ॐ चण्डालवर्णाय नमः
ॐ अश्व्यर्क्षभवाय नमः	ॐ मेषभवाय नमः	ॐ शनिवत्फलाय नमः
ॐ शूलाय नमः	ॐ अपसव्यगतये नमः	ॐ उपरागगराय नमः
ॐ सूर्यादुच्चविह्लादकारकाय नमः	ॐ नीलपुष्पविहाराय नमः	ॐ ग्रहश्रेष्ठाय नमः
ॐ अष्टमग्रहाय नमः	ॐ कबन्धमात्रदेहाय नमः	ॐ यातुधानकुलोत्भवाय नमः
ॐ गोविन्दवरपात्राय नमः	ॐ देवजातिप्रविष्टकाय नमः	ॐ क्रूराय नमः
ॐ घोराय नमः	ॐ शनेर्मित्राय नमः	ॐ शुक्रमित्राय नमः
ॐ अगोचराय नमः	ॐ मानेगङ्गास्नानदात्रे नमः	ॐ स्वर्गहृत्प्रबलाड्यकाय नमः
ॐ सदृहेन्यबलधृते नमः	ॐ चतुर्थेमात्रुनाशकाय नमः	ॐ चन्द्रयुतेचण्डालजन्मसूचकाय नमः
ॐ जन्मसिंहाय नमः	ॐ राज्यदात्रे नमः	ॐ महाकायाय नमः
ॐ जन्मकर्त्रे नमः	ॐ विधुरिपवे नमः	ॐ मत्तकाज्ञानदाय नमः
ॐ जन्मेखन्याराज्यदात्रे नमः	ॐ जन्महानिदाय नमः	ॐ नवमेपितृनाशाय नमः
ॐ पञ्चमेशोकदायकाय नमः	ॐ द्यूनेकळत्रहन्त्रे नमः	ॐ सप्तमेकलहप्रदाय नमः
ॐ षष्ठेवित्तदात्रे नमः	ॐ चतुर्थेवैरदायकाय नमः	ॐ नवमेपापदात्रे नमः
ॐ दशमेशोकदायकाय नमः	ॐ आदौयशःप्रादात्रे नमः	ॐ अन्तेवैरप्रदायकाय नमः
ॐ कालात्मने नमः	ॐ गोचराचराय नमः	ॐ दनेककुत्प्रदाय नमः
ॐ पञ्चमेदृषणाशृङ्गदाय नमः	ॐ स्वर्भानवे नमः	ॐ बलिने नमः
ॐ महासौख्यप्रदायिने नमः	ॐ चन्द्रवैरिणे नमः	ॐ शाश्वताय नमः
ॐ सूरशत्रवे नमः	ॐ पापग्रहाय नमः	ॐ शाम्भवाय नमः
ॐ पूज्यकाय नमः	ॐ राटीरपूरणाय नमः	ॐ वैटीनसकुलोद्भवाय नमः
ॐ भक्तरक्षाय नमः	ॐ राहुमूर्तये नमः	ॐ सर्वाभीष्टफलप्रदाय नमः
ॐ दीर्घाय नमः	ॐ कृष्णाय नमः	ॐ अशिरसे नमः
ॐ विष्णुनेत्रारये नमः	ॐ देवाय नमः	ॐ दानवाय नमः (१०८)

-----००००-----

(१३) अथ केतु अष्टोत्तर शतनामानि

धूम्रवर्णं द्विबाहुम्य केतुम्य विकृताननं । गृध्राचनस्थितं नित्यं ध्यायेत्सर्व फलाप्तये ॥

ॐ केतवे नमः (१)	ॐ स्थूलशिरसे नमः (२)	ॐ शिरोमात्राय नमः (३)
ॐ ध्वजाकृतये नमः	ॐ नवग्रहयुताय नमः	ॐ सिम्हिकासूरिगर्भसम्भवाय नमः
ॐ महाभीतिकराय नमः	ॐ चित्रवरुणाय नमः	ॐ पिङ्गळाक्षाय नमः
ॐ फलधूम्रसङ्काशाय नमः	ॐ तीक्ष्णदंष्ट्राय नमः	ॐ महोरगाय नमः
ॐ रक्तनेत्राय नमः	ॐ चित्रकारिणे नमः	ॐ तीव्रकोपाय नमः
ॐ महासुराय नमः	ॐ पापकण्ठकाय नमः	ॐ क्रोधनिधये नमः
ॐ छायग्रहविशेषकाय नमः	ॐ अन्त्यग्रहाय नमः	ॐ महाशीर्षाय नमः
ॐ सूर्यारये नमः	ॐ पुष्पवद्ग्रहिणे नमः	ॐ वरहस्ताय नमः
ॐ गदापाणये नमः	ॐ चित्रशुभ्रधराय नमः	ॐ चित्रध्वजपताकाय नमः
ॐ घोराय नमः	ॐ चित्ररथाय नमः	ॐ शिखिने नमः
ॐ कुलुत्थभक्षकाय नमः	ॐ वैडूर्याभरणाय नमः	ॐ उत्पातजनकाय नमः
ॐ शुक्रमित्राय नमः	ॐ मन्तसखाय नमः	ॐ शिखिने नमः
ॐ व्यापकाय नमः	ॐ अन्तर्वेदिने नमः	ॐ ईश्वराय नमः
ॐ जैमिनिगोत्रजाय नमः	ॐ चित्रगुप्तात्मने नमः	ॐ दक्षिणामुखाय नमः
ॐ मुकुन्दवरपात्राय नमः	ॐ महासुरकुलोद्भवाय नमः	ॐ घनवर्णाय नमः
ॐ लम्बदेवाय नमः	ॐ मृत्युपुत्राय नमः	ॐ उत्पातरूपधराय नमः
ॐ अदृश्याय नमः	ॐ कालाग्निसन्निभाय नमः	ॐ नरपीठाकाय नमः
ॐ ग्रहकारिणे नमः	ॐ सर्वोपद्रवकारकाय नमः	ॐ चित्रप्रसूताय नमः
ॐ अनलाय नमः	ॐ सर्वव्याधिनाशकाय नमः	ॐ अपसव्यप्रचारिणे नमः
ॐ नवमेपापदाय नमः	ॐ पञ्चमेशोकदाय नमः	ॐ उपरागगोचराय नमः
ॐ पूरुषकर्मणे नमः	ॐ तुरीयेसुखप्रदाय नमः	ॐ तृतीयेवैरदाय नमः
ॐ पापग्रहाय नमः	ॐ स्फोटकारकाय नमः	ॐ प्राणनाथाय नमः
ॐ पञ्चमेश्रमकारकाय नमः	ॐ द्वितीयेस्फुटवाग्दात्रे नमः	ॐ विशाकुलितवक्त्रकाय नमः
ॐ कामरूपिणे नमः	ॐ सिम्हदन्ताय नमः	ॐ सत्येप्यनृतवते नमः
ॐ चतुर्थेमात्रुनाशाय नमः	ॐ नवमेपित्रुनाशकाय नमः	ॐ अन्त्येवैरप्रदाय नमः
ॐ सुतानन्दनबन्धकाय नमः	ॐ सर्पाक्षिजाताय नमः	ॐ अनङ्गाय नमः
ॐ कर्मराश्याद्भवाय नमः	ॐ उपान्तेकीर्तिदाय नमः	ॐ सप्तमेकलहप्रदाय नमः
ॐ अष्टमेव्याधिकर्त्रे नमः	ॐ धनेबहुसुखप्रदाय नमः	ॐ जननेरोगदाय नमः

ॐ ऊर्ध्वमूर्धजाय नमः	ॐ ग्रहनायकाय नमः	ॐ पापदृष्टये नमः
ॐ खेचराय नमः	ॐ शाम्भवाय नमः	ॐ कशेषपूजिताय नमः
ॐ शाश्वताय नमः	ॐ नटाय नमः	ॐ शुभाशुभफलप्रदाय नमः
ॐ धूम्राय नमः	ॐ सुधापायिने नमः	ॐ अजिताय नमः
ॐ भक्तवत्सलाय नमः	ॐ सिंहासनाय नमः	ॐ केतुमूर्तये नमः
ॐ रवीन्दुद्युतिनाशकाय नमः	ॐ अमराय नमः	ॐ पीटकाय नमः
ॐ अमर्त्याय नमः	ॐ विष्णुद्रष्ट्रे नमः	ॐ असुरेश्वराय नमः
ॐ भक्तरक्षाय नमः	ॐ चित्रकपोलाय नमः	ॐ स्यन्दनाय नमः
ॐ विचित्रफलदायिने नमः	ॐ भक्ताभीष्टफलप्रदाय नमः (११०)	

-----००००-----

(१४) अथ नन्दिकेश्वर अष्टोत्तर शतनामानि

बिभ्राणंपरशुमृगंकरथलैरीशप्रणामाञ्जलिंभस्मोद्धूळनपाण्डुरंशशिकलागङ्गाकपर्दोज्ज्वलं ।
पर्यायमत्रिपुरान्तकंप्रमथपश्रेष्ठंगणंदैवतंब्रह्मेन्द्राच्युतपूजितांग्रिकमलंश्रीनन्दिकेशम्भजे ॥

ॐ नन्दिकेशाय नमः (१)	ॐ ब्रह्मरूपिणे नमः (२)	ॐ शिवध्यानपरायनाय नमः (३)
ॐ तीक्ष्णशृङ्गाय नमः	ॐ वेदपादाय नमः	ॐ विरूपाय नमः
ॐ वृषभाय नमः	ॐ तुङ्गशैलाय नमः	ॐ देवदेवाय नमः
ॐ शिवप्रियाय नमः	ॐ विराजमानाय नमः	ॐ नटनाय नमः
ॐ अग्निरूपाय नमः	ॐ धनप्रियाय नमः	ॐ सितचामरधारिणे नमः
ॐ वेदाङ्गाय नमः	ॐ कनकप्रियाय नमः	ॐ कैलासवासिने नमः
ॐ देवाय नमः	ॐ स्थितपादाय नमः	ॐ श्रुतिप्रियाय नमः
ॐ श्वेतोपवीतिने नमः	ॐ नाट्यनन्दकाय नमः	ॐ किंकिणीधराय नमः
ॐ मत्तशृङ्गिणे नमः	ॐ हाटकेशाय नमः	ॐ हेमभूषणाय नमः
ॐ विष्णुरूपिणे नमः	ॐ पृथ्वीरूपिणे नमः	ॐ निधीशाय नमः
ॐ शिववाहनाय नमः	ॐ गुळप्रियाय नमः	ॐ चारुहासाय नमः
ॐ श्रृङ्गिणे नमः	ॐ नवतृणप्रियाय नमः	ॐ वेदसाराय नमः
ॐ मन्त्रसाराय नमः	ॐ प्रत्यक्षाय नमः	ॐ करुणाकराय नमः
ॐ शीघ्राय नमः	ॐ ललामकलिकाय नमः	ॐ शिवयोगिने नमः
ॐ जलाधिपाय नमः	ॐ चारुरूपाय नमः	ॐ वृषेशाय नमः
ॐ सोमसूर्याग्निलोचनाय नमः	ॐ सुन्दराय नमः	ॐ सोमभूषाय नमः

ॐ सुवक्त्राय नमः	ॐ कलिनाशनाय नमः	ॐ सुप्रकाशाय नमः
ॐ महावीर्याय नमः	ॐ हम्साय नमः	ॐ अग्रिमयाय नमः
ॐ प्रभवे नमः	ॐ वरदाय नमः	ॐ रुद्ररूपाय नमः
ॐ मधुराय नमः	ॐ कामिकप्रियाय नमः	ॐ विशिष्टाय नमः
ॐ दिव्यरूपाय नमः	ॐ उज्ज्वलिने नमः	ॐ ज्वालनेत्राय नमः
ॐ संवर्ताय नमः	ॐ कालाय नमः	ॐ केशवाय नमः
ॐ सर्वदैवताय नमः	ॐ श्वेतवर्णाय नमः	ॐ शिवासीनाय नमः
ॐ चिन्मयाय नमः	ॐ श्रृङ्गपट्टाय नमः	ॐ श्वेतचामरभूषाय नमः
ॐ देवराजाय नमः	ॐ प्रभानन्दिने नमः	ॐ पण्डिताय नमः
ॐ परमेश्वराय नमः	ॐ विरूपाय नमः	ॐ निराकाराय नमः
ॐ छिन्नदैत्याय नमः	ॐ नासासूत्रिणे नमः	ॐ अनन्तेशाय नमः
ॐ तिलतण्डुलभक्षणाय नमः	ॐ वारनन्दिने नमः	ॐ सरसाय नमः
ॐ विमलाय नमः	ॐ पट्टसूत्राय नमः	ॐ कालकण्ठाय नमः
ॐ शैलादिने नमः	ॐ शिलातनसुनन्दनाय नमः	ॐ कारणाय नमः
ॐ श्रुतिभक्ताय नमः	ॐ वीरघण्टाधराय नमः	ॐ धन्याय नमः
ॐ विष्णुनन्दिने नमः	ॐ शिवज्वालाग्राहिणे नमः	ॐ भद्राय नमः
ॐ अनघाय नमः	ॐ वीराय नमः	ॐ ध्रुवाय नमः
ॐ धात्रे नमः	ॐ शाश्वताय नमः	ॐ प्रदोषप्रियरूपिणे नमः
ॐ वृषाय नमः	ॐ कुण्डलधृते नमः	ॐ भीमाय नमः
ॐ सितवर्णस्वरूपिने नमः	ॐ सर्वात्मने नमः	ॐ सर्वविख्याताय नमः (१०८)

-----००००-----

(१५) अथ शिव चण्डेश्वर अष्टोत्तर शत नामानि

शिवाञ्जलि कृतं चण्डम् शिवध्यान परायणम् । शिवार्चाफलदातारम् शिवचण्डेश्वरम् भजे ।।

ॐ चण्डेश्वराय नमः (१)	ॐ महाचण्डाय नमः (२)	ॐ प्रचण्डाय नमः (३)
ॐ ध्यानमानसाय नमः	ॐ ब्राह्मणाय नमः	ॐ वरदाय नमः
ॐ विद्रवे नमः	ॐ कृतचण्डाय नमः	ॐ शिवप्रियाय नमः
ॐ ज्ञानदाय नमः	ॐ ज्ञाननेत्रसम्भूताय नमः	ॐ सर्पभूषणाय नमः
ॐ भस्मनोदूळिताय नमः	ॐ शिवभस्मप्रियाय नमः	ॐ शिवभक्ताय नमः
ॐ भव्याय नमः	ॐ भवाय नमः	ॐ करुणाकराय नमः
ॐ शीलाय नमः	ॐ वैतनिकाय नमः	ॐ सेनाय नमः

ॐ शान्तमानसाय नमः
ॐ जठाधराय नमः
ॐ विषिष्टाय नमः
ॐ विश्वदर्शनाय नमः
ॐ वेदविदे नमः
ॐ शुभकराय नमः
ॐ इङ्कहस्ताय नमः
ॐ अक्षरप्रीताय नमः
ॐ शुभङ्कराय नमः
ॐ सान्निध्याय नमः
ॐ शङ्करप्रियाय नमः
ॐ सामान्याय नमः
ॐ साम्प्रदायकाय नमः
ॐ दिव्यसुन्दराय नमः
ॐ निष्कलङ्काय नमः
ॐ निरञ्जनाय नमः
ॐ शिवपूजाप्रियाय नमः
ॐ सूक्ष्माय नमः
ॐ दण्डहस्ताय नमः
ॐ भस्मधृते नमः
ॐ वसवे नमः
ॐ रुपिणीप्रियाय नमः
ॐ कुसुमप्रियाय नमः
ॐ नित्याय नमः
ॐ निरातङ्काय नमः
ॐ ध्यानरूपाय नमः
ॐ मोक्षज्ञानप्रदाय नमः
ॐ शिवनिर्माल्यभोक्त्रे नमः
ॐ शिवभक्तिधुरन्धराय नमः

ॐ फनिमालाधराय नमः
ॐ जगत्सेनाय नमः
ॐ विप्रशान्ताय नमः
ॐ मूर्तिमते नमः
ॐ सुन्दराय नमः
ॐ शङ्करप्रियाय नमः
ॐ अञ्जलिहस्ताय नमः
ॐ जयिने नमः
ॐ मन्त्रमूर्तये नमः
ॐ शर्वाय नमः
ॐ शरत्रिकाय नमः
ॐ प्रशान्तमानसाय नमः
ॐ द्विनेत्राय नमः
ॐ देवप्रियाय नमः
ॐ निराकाराय नमः
ॐ निरञ्जनाय नमः
ॐ ईशानाय नमः
ॐ सूक्ष्मदेहाय नमः
ॐ शिवकलायायिने नमः
ॐ परिचराय नमः
ॐ शिवपाद्यप्रियाय नमः
ॐ कलिचण्डाय नमः
ॐ निर्मलाय नमः
ॐ निरामयाय नमः
ॐ नियमप्रियाय नमः
ॐ नित्यचण्डाय नमः
ॐ वज्रकेशाय नमः
ॐ शिवनिर्माल्यधारणाय नमः
ॐ चण्डेशाय नमः

ॐ फनिकङ्कणधारणाय नमः
ॐ विप्रप्रियाय नमः
ॐ विश्वद्रष्ट्रे नमः
ॐ व्यवस्थारहिताय नमः
ॐ विद्युत्प्रभाय नमः
ॐ शङ्खप्रीताय नमः
ॐ उमाभक्ताय नमः
ॐ एकाग्रचिन्तनाय नमः
ॐ मानसार्चापराय नमः
ॐ शान्ताय नमः
ॐ साम्बस्मरणाय नमः
ॐ केतशरण्याय नमः
ॐ दिव्यज्ञानिने नमः
ॐ दैवचिन्ताय नमः
ॐ ईश्वरैक्याय नमः
ॐ भोगरत्नाय नमः
ॐ शम्भुपार्श्वस्थिताय नमः
ॐ हरप्रियाय नमः
ॐ भस्मनिथये नमः
ॐ परिव्राजे नमः
ॐ वश्याय नमः
ॐ कालिकाय नमः
ॐ नियताय नमः
ॐ निद्राज्ञानाय नमः
ॐ ध्येयाय नमः
ॐ निष्कलङ्काय नमः
ॐ ध्वनिज्ञानिने नमः
ॐ शिवार्चाफलदात्रे नमः
ॐ शिवचण्डेश्वराय नमः

-----००००-----

(१६) अथ शिव अष्टोत्तर शतनामानि

ध्यायेन्नित्यं महेशं रजतगिरिनिभं चारुचन्द्रावतम्सं रत्नाकल्पोज्ज्वलाङ्गं परशुमृगवराभीतिहस्तं प्रसन्नम् ।
पद्मासीनं च साम्बं स्तुतममरगणैर्व्याघ्रकृत्तिवसानं विश्वाद्यं विश्ववन्द्यं निखिलभयहरं पञ्चवक्त्रं त्रिणेत्रं ॥

ॐ शिवाय नमः (१)	ॐ महेश्वराय नमः (२)	ॐ शम्भवे नमः (३)
ॐ पिनाकिने नमः	ॐ शशिशेखराय नमः	ॐ वामदेवाय नमः
ॐ विरूपाक्षाय नमः	ॐ कपर्दिने नमः	ॐ नीललोहिताय नमः
ॐ शङ्कराय नमः	ॐ शूलपाणिने नमः	ॐ खट्वाङ्गिने नमः
ॐ विष्णुवल्लभाय नमः	ॐ शिपिविष्टाय नमः	ॐ अम्बिकानाथाय नमः
ॐ श्रीकण्ठाय नमः	ॐ भक्तवत्सलाय नमः	ॐ भवाय नमः
ॐ शर्वाय नमः	ॐ त्रिलोकेशाय नमः	ॐ शितिकण्ठाय नमः
ॐ शिवाप्रियाय नमः	ॐ उग्राय नमः	ॐ कपर्दिने नमः
ॐ कामारये नमः	ॐ अन्धकासुरसूदनाय नमः	ॐ गङ्गाधराय नमः
ॐ ललाटाक्षाय नमः	ॐ कालकालाय नमः	ॐ कृपानिधये नमः
ॐ भीमाय नमः (३१)	ॐ परशुहस्ताय नमः	ॐ मृगपाणिने नमः
ॐ जटाधराय नमः	ॐ कैलासवासिने नमः	ॐ कवचिने नमः
ॐ कठोराय नमः	ॐ त्रिपुरान्तकाय नमः	ॐ वृषाङ्गाय नमः
ॐ वृषभारूढाय नमः	ॐ भस्मोद्धूलितविग्रहाय नमः	ॐ सामप्रियाय नमः
ॐ स्वरमयाय नमः	ॐ त्रयीमूर्तये नमः	ॐ अनीश्वराय नमः
ॐ सर्वज्ञाय नमः	ॐ परमात्मने नमः	ॐ सोमसूर्याग्निलोचनाय नमः
ॐ हविषे नमः	ॐ यज्ञमयाय नमः	ॐ सोमाय नमः
ॐ पञ्चवक्त्राय नमः	ॐ सदाशिवाय नमः	ॐ विश्वेश्वराय नमः
ॐ वीरभद्राय नमः	ॐ गणनाथाय नमः	ॐ प्रजापतये नमः
ॐ हिरण्यरेतसे नमः	ॐ दुर्धर्षाय नमः	ॐ गिरीशाय नमः
ॐ गिरिशाय नमः	ॐ अनघाय नमः	ॐ भुजङ्गभूषणाय नमः
ॐ भर्गाय नमः	ॐ गिरिधन्विने नमः	ॐ गिरिप्रियाय नमः
ॐ कृत्तिवाससे नमः	ॐ पुरारातये नमः	ॐ भगवते नमः
ॐ प्रमथाधिपाय नमः	ॐ मृत्युञ्जयाय नमः	ॐ सूक्ष्मतनवे नमः
ॐ जगद्ध्यापिने नमः	ॐ जगद्गुरवे नमः	ॐ व्योमकेशाय नमः
ॐ महासेनजनकाय नमः	ॐ चारुविक्रमाय नमः	ॐ रुद्राय नमः
ॐ भूतपतये नमः	ॐ स्थाणवे नमः	ॐ अहिर्बुध्न्याय नमः

ॐ दिगम्बराय नमः	ॐ अष्टमूर्तये नमः	ॐ अनेकात्मने नमः
ॐ सात्विकाय नमः	ॐ शुद्धविग्रहाय नमः	ॐ शाश्वताय नमः
ॐ खण्डपरशवे नमः	ॐ अजाय नमः	ॐ पापविमोचनाय नमः
ॐ मृडाय नमः	ॐ पशुपतये नमः	ॐ देवाय नमः
ॐ महादेवाय नमः	ॐ अव्ययाय नमः	ॐ हरये नमः
ॐ पूषदन्तभिदे नमः	ॐ अव्यग्राय नमः	ॐ दक्षाध्वरहराय नमः
ॐ हराय नमः	ॐ भगनेत्रभिदे नमः	ॐ अव्यक्ताय नमः
ॐ सहस्राक्षाय नमः	ॐ सहस्रपदे नमः	ॐ अपवर्गप्रदाय नमः
ॐ अनन्ताय नमः	ॐ तारकाय नमः	ॐ परमेश्वराय नमः (१०८)

-----००००-----

(१७) अथ अर्धनारीश्वर अष्टोत्तर शतनामानि

सव्येस्यात्विद्रुमाकारं वामेश्यामनिभांशिवां । करण्डमकुटांगौरीजटामकुटमण्डितं । ललाटेचार्धनयनंसव्येचैव
भुजद्वयं । डङ्कञ्चदक्षिणे पार्श्वे न्यसेदन्योक्षमस्तके । वामेनीलोत्पलञ्चैव स्तनमेकञ्चवामतः । गजचर्मधरं
दक्षेदुकुलंवामभागके । पद्मपीठोपरिस्थञ्चपृष्ठपार्श्वेवृषंतथा । एवत्वंअर्धनारीश्वरंध्यात्वा अर्चयेसाधकोत्तमः

ॐ श्रीमत्सिंहासनस्थायै नमः (१)	ॐ श्रीमत्कैलासवासिने नमः (२)	ॐ शङ्करार्धशरीरिण्यै नमः (३)
ॐ गिरिजार्धशरीरिणे नमः	ॐ नीलेन्दीवरदामाङ्ग्यै नमः	ॐ कर्पूरवरवर्चसे नमः
ॐ स्फुरत्किरीटभूषायै नमः	ॐ जटामण्डलधारिणे नमः	ॐ सुपुष्पयुथकेशायै नमः
ॐ सुधाम्शुयुतमौलिने नमः	ॐ लसत्कस्तूरिफालायै नमः	ॐ तिर्यक्पुण्ड्रललाडिने नमः
ॐ कर्णान्तदीर्घनेत्रायै नमः	ॐ रविचन्द्राग्निचक्षुसे नमः	ॐ स्वर्णतादङ्कवर्णायै नमः
ॐ स्वर्णकुण्डलधारिणे नमः	ॐ दरस्मितमुखाब्जायै नमः	ॐ लसत्सौभाग्यकर्णायै नमः
ॐ श्रीभासितगणायते नमः	ॐ उन्नतस्तनयुग्मायै नमः	ॐ कठिनोतुङ्गवक्षसे नमः
ॐ इक्षुकार्मुकहस्तायै नमः	ॐ पिनाकवरपाणिने नमः	ॐ पाशाङ्कुशकराब्जायै नमः
ॐ त्रिशूलमृगधारिणे नमः	ॐ पुष्पबाणकराब्जायै नमः	ॐ दिव्यबाणासिपाणिने नमः
ॐ मनोभवप्राणदायै नमः	ॐ मनोभवलदारिणे नमः	ॐ दिव्यहाटकचेलायै नमः
ॐ करटीकृत्तिवाससे नमः	ॐ दिव्यगन्धचिलिप्ताङ्ग्यै नमः	ॐ भस्मसन्नद्धदेहिने नमः
ॐ सदासम्पूर्णकामायै नमः	ॐ सदासम्पत्प्रदायिने नमः	ॐ हीमाचलेन्द्रकन्यायै नमः
ॐ हिमाद्रिविनुताङ्घ्रये नमः	ॐ आद्यन्तशिवरूपाय नमः	ॐ कल्याणपुरुषायते नमः
ॐ श्रीचक्रपुरवासायै नमः	ॐ श्रीचक्रोत्पत्तिकारिणे नमः	ॐ पद्मारण्यनिवासायै नमः
ॐ बिल्वारण्यनिवासिने नमः	ॐ आदितत्वप्रकाशायै नमः	ॐ बीजबिन्दुकलात्मने नमः
ॐ महामायास्वरूपायै नमः	ॐ मायाविरहितायै नमः	ॐ दिव्यभूषणभूषात्मने नमः

ॐ दिव्यभूषाविराजिन्यै नमः	ॐ रत्नमन्दिरवासायै नमः	ॐ रत्नमण्डपवर्तिने नमः
ॐ चिन्तामणिगृहस्थायै नमः	ॐ चिन्ताशोकविनाशिने नमः	ॐ तापत्रयविभेदिन्यै नमः
ॐ पुरत्रयनिवारिणे नमः	ॐ लोकत्रयगृहस्थायै नमः	ॐ नेत्रत्रयविभासिने नमः
ॐ चतुर्वेदान्तवेद्यायै नमः	ॐ चतुर्वक्त्रामरार्चिषे नमः	ॐ शिवपादाब्जचिन्तायै नमः
ॐ शिवाभीष्टप्रदायिने नमः	ॐ शिवलोकनिवासायै नमः	ॐ शिवलोकप्रदायिने नमः
ॐ शिवाग्निभक्तपालायै नमः	ॐ गिरिजाभक्तपालिने नमः	ॐ सौकुमार्यशरीरायै नमः
ॐ सौन्दर्यघनमूर्तये नमः	ॐ श्रीविद्यामन्त्ररूपायै नमः	ॐ श्रीपञ्चाक्षरीमयायते नमः
ॐ श्यामलापीठवासायै नमः	ॐ महालिङ्गस्वरूपिणे नमः	ॐ कमलाराध्यपादायै नमः
ॐ कमलाक्षनुताङ्घ्रये नमः	ॐ शारदार्चितदिव्याङ्घ्रये नमः	ॐ पुरत्रयमुखार्चिषे नमः
ॐ मल्लिकादामभूषायै नमः	ॐ पद्मकैरवामालिने नमः	ॐ मन्दाकिनीस्वरूपायै नमः
ॐ मन्दाकिनीधरायते नमः	ॐ मौक्तिकाफलहारायै नमः	ॐ मुक्तारुद्राक्षधारिणे नमः
ॐ शिववामाङ्गसंस्थायै नमः	ॐ उमानिङ्गनमोदिने नमः	ॐ सर्वलोकशरण्यायै नमः
ॐ सर्वलोकविधायते नमः	ॐ गजाननस्कन्दमात्रे नमः	ॐ गजास्यगुहपालिने नमः
ॐ वन्दारुजनसेव्यायै नमः	ॐ अनन्तानन्दनन्दिने नमः	ॐ नन्दीशसैन्यपालायै नमः
ॐ सिद्धमार्गनिदर्शिने नमः	ॐ संसाररोगनाशायै नमः	ॐ हम्साक्रोपास्यमूर्तये नमः
ॐ वीणागानप्रवीणायै नमः	ॐ वीणारार्जितपाणिने नमः	ॐ कोणत्रयनिविष्टायै नमः
ॐ बाणार्चितपतायते नमः	ॐ अप्राकृतपुरस्थायै नमः	ॐ मूलप्रकृतिरूपिणे नमः
ॐ मूलमन्त्रस्वरूपायै नमः	ॐ मूर्तित्रयनियोगिने नमः	ॐ चिदग्निभूतदेहायै नमः
ॐ सञ्चिदानन्दमूर्तये नमः	ॐ शिवशक्त्यैकवेष्टायै नमः	ॐ अपर्णाश्लिष्टमूर्तये नमः
ॐ शाश्वतैश्वर्ययुक्तायै नमः	ॐ सर्वज्ञानमोस्तुते नमः	ॐ श्रीअर्धाद्रिशिखरावासायै नमः
ॐ श्रीर्धनारीश्वरमूर्तये नमः (१०९)		

-----००००-----

(१८) अथ लिङ्ग अष्टोत्तर शतनामानि

त्रिणेत्रं पञ्चवक्त्रं च भुजधशभिरुज्ज्वलं । दक्षिणेभीतिपरशुं शूलखट्वाङ्गडिण्डिमं ।

वरदानलघण्टाचपाशत्रेगञ्जवामके । चन्द्रशम्यार्कगङ्गाभिविराजितन्तुजटाधरं । नीलग्रीवमुदाराङ्गं
नागयज्ञोपवीतिनं । व्याघ्रचर्माम्बरधरं सर्वाभरणभूषितं । एवं सदाशिवं ध्यात्वा लिङ्गरूपं विभावयेत् ।।

ॐ शिवलिङ्गाय नमः (१)	ॐ अब्हुतलिङ्गाय नमः (२)	ॐ अनुगतलिङ्गाय नमः (३)
ॐ अव्यक्तलिङ्गाय नमः	ॐ अर्थलिङ्गाय नमः	ॐ अच्युतलिङ्गाय नमः
ॐ अनागतलिङ्गाय नमः	ॐ अनन्तलिङ्गाय नमः	ॐ अखिलेशलिङ्गाय नमः

ॐ अन्धकनाशलिङ्गाय नमः	ॐ अनन्तकसम्हारलिङ्गाय नमः	ॐ अगणितगुणलिङ्गाय नमः
ॐ अथर्वलिङ्गाय नमः	ॐ अष्टदिगीश्वरपूजितलिङ्गाय नमः	ॐ अनादिलिङ्गाय नमः
ॐ अघोरलिङ्गाय नमः	ॐ अप्लिङ्गाय नमः	ॐ अमृतलिङ्गाय नमः
ॐ आदिलिङ्गाय नमः	ॐ आनन्दलिङ्गाय नमः	ॐ आश्रितरक्षकलिङ्गाय नमः
ॐ आर्जितपापविनाशलिङ्गाय नमः	ॐ आगमलिङ्गाय नमः	ॐ आत्मलिङ्गाय नमः
ॐ आकाशलिङ्गाय नमः	ॐ इन्दुकलाधरलिङ्गाय नमः	ॐ इन्द्रशापविमोचनलिङ्गाय नमः
ॐ ईशलिङ्गाय नमः	ॐ ईशानलिङ्गाय नमः	ॐ उरगविभूषणलिङ्गाय नमः
ॐ ऊर्ध्वलिङ्गाय नमः	ॐ ऋग्वेदश्रुतिलिङ्गाय नमः	ॐ ऋवन्द्यलिङ्गाय नमः
ॐ लूतभवपाशप्रभञ्जनलिङ्गाय नमः	ॐ एकलिङ्गाय नमः	ॐ ऐश्वर्यलिङ्गाय नमः
ॐ ॐकाराधिपलिङ्गाय नमः	ॐ औरसलाळितलिङ्गाय नमः	ॐ अम्बुजासनस्तुतलिङ्गाय नमः
ॐ अःक्षीणतेजोलिङ्गाय नमः	ॐ कनकलिङ्गाय नमः	ॐ करुणालयलिङ्गाय नमः
ॐ काशिलिङ्गाय नमः	ॐ कान्तिमतिप्रियलिङ्गाय नमः	ॐ केदारलिङ्गाय नमः
ॐ खण्डपरशुमृगडङ्गधनुर्धरलिङ्गाय नमः	ॐ गङ्गाधरलिङ्गाय नमः	ॐ गणलिङ्गाय नमः
ॐ गिरीशलिङ्गाय नमः	ॐ गुणहितलिङ्गाय नमः	ॐ घनलिङ्गाय नमः
ॐ घण्टानादप्रियलिङ्गाय नमः	ॐ डःप्रियलिङ्गाय नमः	ॐ चन्दनलेपनलिङ्गाय नमः
ॐ चिदम्बरलिङ्गाय नमः	ॐ चिन्मयलिङ्गाय नमः	ॐ छत्रीकृतयशोलिङ्गाय नमः
ॐ छिन्नपापकृतलिङ्गाय नमः	ॐ जललिङ्गाय नमः	ॐ झरिताशेषपातकलिङ्गाय नमः
ॐ ज्ञानलिङ्गाय नमः	ॐ ज्ञानाज्ञातविनाशलिङ्गाय नमः	ॐ टज्जिताखिललोकलिङ्गाय नमः
ॐ ठस्वरूपलिङ्गाय नमः	ॐ डमरुकप्रियलिङ्गाय नमः	ॐ ढक्कानादप्रीतलिङ्गाय नमः
ॐ णदलिङ्गाय नमः	ॐ णगम्यलिङ्गाय नमः	ॐ तत्त्वरूपलिङ्गाय नमः
ॐ तापनिवारणलिङ्गाय नमः	ॐ तेजोमयलिङ्गाय नमः	ॐ त्रयंबकलिङ्गाय नमः
ॐ थरूपलिङ्गाय नमः	ॐ दमस्वरूपलिङ्गाय नमः	ॐ दानवनाशकलिङ्गाय नमः
ॐ धनदार्चितलिङ्गाय नमः	ॐ धनञ्जयलिङ्गाय नमः	ॐ नन्दिवाहनलिङ्गाय नमः
ॐ नाथलिङ्गाय नमः	ॐ नागेशलिङ्गाय नमः	ॐ नियमार्चितलिङ्गाय नमः
ॐ निर्मललिङ्गाय नमः	ॐ परेशलिङ्गाय नमः	ॐ पाताळलिङ्गाय नमः
ॐ पूर्णलिङ्गाय नमः	ॐ प्रथिविलिङ्गाय नमः	ॐ फालविलोचनलिङ्गाय नमः
ॐ बन्धविमोचनलिङ्गाय नमः	ॐ बाणलिङ्गाय नमः	ॐ भस्मविलेपनलिङ्गाय नमः
ॐ भीमशङ्करलिङ्गाय नमः	ॐ भुवनव्यापकलिङ्गाय नमः	ॐ भैरवलिङ्गाय नमः
ॐ मङ्गळप्रदलिङ्गाय नमः	ॐ महाबललिङ्गाय नमः	ॐ महाकाळलिङ्गाय नमः
ॐ मूर्तिलिङ्गाय नमः	ॐ यज्ञाङ्गलिङ्गाय नमः	ॐ यतिसेवितलिङ्गाय नमः
ॐ रमणीयलिङ्गाय नमः	ॐ रामेशलिङ्गाय नमः	ॐ रहस्यलिङ्गाय नमः

ॐ रुद्रलिङ्गाय नमः	ॐ लङ्गेशलिङ्गाय नमः	ॐ लावण्यलिङ्गाय नमः
ॐ वह्निलिङ्गाय नमः	ॐ वायुभूतकाळहस्तीशलिङ्गाय नमः	ॐ विभिषणलिङ्गाय नमः
ॐ वेदलिङ्गाय नमः	ॐ शङ्करलिङ्गाय नमः	ॐ श्रीशैललिङ्गाय नमः
ॐ षाट्गुण्यातीतलिङ्गाय नमः	ॐ संसारार्णवतारणलिङ्गाय नमः	ॐ सर्वपापनाशकलिङ्गाय नमः
ॐ साक्षिलिङ्गाय नमः	ॐ सोमेशलिङ्गाय नमः	ॐ हररूपलिङ्गाय नमः
ॐ इकुबीशलिङ्गाय नमः	ॐ क्षमाक्षेत्रलिङ्गाय नमः (११०)	

-----००००-----

(११) अथ शङ्करनारायण अष्टोत्तर शतनामानि

दक्षाङ्गं विद्रुमाभंशशिधरजटिलं पद्मरुद्राक्षभूषं वामाङ्गंश्यामळाभंमणिमकुठयुतं पीतवैयाघ्रवासं
दक्षांशेऽभीकिमुद्रांशितसुपरशुंचादधानं कराभ्यांवन्देऽन्येशङ्खविद्युत्पादकरकमलं शङ्करम्वेशवार्धम् ।।

ॐ श्रीहरार्धहरिरूपाय नमः (१)	ॐ पार्वतीकमलाप्रियाय नमः (२)
ॐ शङ्खपद्मार्चितशर्वमाधवार्धकळेबराय नमः	ॐ तमस्सत्त्वगुणात्मने नमः
ॐ शैववैष्णवपूजिताय नमः	ॐ चर्मक्षौमांबरधराय नमः
ॐ ताडङ्कमकरकुण्डलाय नमः	ॐ हरविष्णोर्भेदनाशाय नमः
ॐ सर्वसंहाररक्षकाय नमः	ॐ सितार्कवकुळस्रग्विणे नमः
ॐ पञ्चपालनकृत्यकृते नमः	ॐ गोपिस्थनेत्रतिलकाय नमः
ॐ भस्मचन्दनलेपनाय नमः	ॐ पश्वर्धलसत्कम्बुपाणिने नमः
ॐ भवकेशवाय नमः	ॐ जठार्धरत्नमकुठाय नमः
ॐ गानतुम्बुरुनारदाय नमः	ॐ क्षिप्रदीर्घप्रसादिने नमः
ॐ सितासितमहातनवे नमः	ॐ अभीतिसिन्हाश्रवणमुद्राङ्कितकराम्बुजाय नमः
ॐ भुजङ्गकौस्तुभधराय नमः	ॐ गरश्रीवत्सलाञ्जनाय नमः
ॐ भस्मशेषसुतल्पाय नमः	ॐ श्यालजामातृरूपवते नमः
ॐ शुभ्रनीलाभरसनाय नमः	ॐ गजास्यपिमतृतुलाय नमः
ॐ कङ्काळरत्नहाराड्याय नमः	ॐ तुलसीबिल्वपूजिताय नमः
ॐ कैलासदुग्धजलाधिवासाय नमः	ॐ विमलनीलकाय नमः
ॐ कैटभान्तकहारिणे नमः	ॐ वृषपक्षीन्द्रवाहनाय नमः
ॐ गौरीरमावल्लभाय नमः	ॐ गिर्यब्धिश्वशुरार्चिताय नमः
ॐ उमालक्ष्मीस्वभार्याय नमः	ॐ शिवनरायणाह्वाय नमः
ॐ नारदागस्त्यसेव्याय नमः	ॐ नामाष्टद्वादशान्विताय नमः

ॐ मध्वंधकासुरद्वेषिणे नमः
 ॐ मुरभस्मासुरञ्चेदिने नमः
 ॐ पिनाकशार्ङ्गधन्वने नमः
 ॐ सुब्रह्मण्यब्रह्मताताय नमः
 ॐ मोक्षभोगप्रदाय नमः
 ॐ भीमवामनरूपाय नमः
 ॐ वामोरुस्थरमापर्णाय नमः
 ॐ मुक्तेन्द्रनीलवर्णाय नमः
 ॐ कपालशङ्खहस्ताब्जाय नमः
 ॐ श्मशानद्वारकावासिने नमः
 ॐ चन्द्रखण्डशिखण्डोद्यजटामणिकिरीटभृते नमः
 ॐ भस्मत्रिपुण्ड्रकस्तूरीतिलकाळिकमण्डलाय नमः
 ॐ सुब्रह्मण्यमनोजातजनकाय नमः
 ॐ भक्तपत्नीस्वरूपाय नमः
 ॐ दारुबृन्दावनचराय नमः
 ॐ नाककुण्डलमाणिक्यकुण्डलश्रवणोज्ज्वलाय नमः
 ॐ उष्णार्धशीतळार्धाङ्गाय नमः
 ॐ विराड्विक्रमरूपाय नमः
 ॐ पशुपालपतये नमः
 ॐ व्रशताक्ष्यध्वजोपेताय नमः
 ॐ पूज्यपूजकभावाय नमः
 ॐ यज्ञेशयज्ञपुरुषाय नमः
 ॐ किरातगोपवेषाय नमः
 ॐ मोहमोहिनीरूपाड्याय नमः
 ॐ मृगचकूलसत्पाणिने नमः
 ॐ जगत्बीजाचलायिताय नमः
 ॐ प्रळयाग्निशिखापद्मधारकाय नमः
 ॐ आनन्दानन्दबोधाय नमः
 ॐ पित्रुमात्रस्वरूपाय नमः
 ॐ परेशजीवरूपाय नमः

ॐ मल्लशार्दूलभञ्जनाय नमः
 ॐ विरूपाब्जविलोचनाय नमः
 ॐ बलिदक्षमाखान्तकृते नमः
 ॐ रुद्रविष्णुमनुस्तुताय नमः
 ॐ ज्ञानकर्मफलप्रदाय नमः
 ॐ दामरुद्राक्षमौक्तिकाय नमः
 ॐ रुद्रमाधवविग्रहाय नमः
 ॐ लिङ्गविग्रहरूपभृते नमः
 ॐ कृत्तिपीताम्शुकावृताय नमः
 ॐ भ्राह्मणक्षत्रियात्मकाय नमः
 ॐ शरचन्द्रनिभार्धाङ्गकालमेघनिभाकृतये नमः
 ॐ शिलादपुत्रसेनेशविष्वक्सेननिषेविताय नमः
 ॐ वेणूशूलभृते नमः
 ॐ पर्वताब्धिसुताधिपाय नमः
 ॐ गिरिदुग्धाब्धिवासकाय नमः
 ॐ सर्पभोगमनिप्रमोद्यन्मेखलाकटिशोभिताय नमः
 ॐ गजसिक्खणरक्षणाय नमः
 ॐ तीक्ष्णशीताम्शुसुप्रभाय नमः
 ॐ त्रिपुरत्रितलातिगाय नमः
 ॐ गुरुशिष्यस्वभावकाय नमः
 ॐ वन्द्यवन्दनतत्पराय नमः
 ॐ मूखमारिचभञ्जनाय नमः
 ॐ पिष्टदुग्धरसोत्सुखाय नमः
 ॐ शास्त्रतातमहाप्रसुवे नमः
 ॐ अनाद्यादिसमुद्भवाय नमः
 ॐ कङ्कणायितनागाधिपासुक्व्यातल्पशेषकाय नमः
 ॐ द्वित्रिलोचनाय नमः
 ॐ नित्यानित्यावतारकाय नमः
 ॐ नित्यस्थान्तदिनावधये नमः
 ॐ जगद्कारणकार्यकाय नमः

ॐ उद्यन्मुखेकपञ्चास्याय नमः

ॐ ब्रह्मशीर्षहरोत्पत्तिस्थानाय नमः

ॐ प्रथिवीतनुभोक्ताय नमः

ॐ विश्वेशविश्वरूपाय नमः

ॐ मुक्तिकाम्यफलप्रदाय नमः

ॐ विश्वातिरूपभागवे नमः

ॐ पार्थाभीष्टदसारये नमः

ॐ मोक्षभोगफलप्रदाय नमः

ॐ श्रीशङ्करनारायणस्वामिने नमः (१०७)

-----००००-----

(२०) अथ सोमास्कन्द अष्टोत्तर शतनामानि

दक्षालम्बित वामनिद्रितपतं कृष्णामृगञ्चाभयम् डङ्कञ्चादयितंवरञ्चकटकंविभ्राणकंवामके ।
वामालम्बित निद्रितान्यपतयादेव्यायुतामध्यके स्कन्देनाब्जकरद्वयेनसहितं सोमास्कन्दगुहेशंभजे ।।

ॐ सोमास्कन्दाय नमः (१)

ॐ कल्याणवेषाय नमः

ॐ कल्हारमालिकाय नमः

ॐ राजराजप्रियाय नमः

ॐ रम्याय नमः

ॐ नटनायकनायकाय नमः

ॐ वरखड्गविलासनाय नमः

ॐ सौम्याय नमः

ॐ कृष्णगन्धानुलेपनाय नमः

ॐ देवतीर्थप्रियाय नमः

ॐ दिव्याय नमः

ॐ आनन्दरूपिणे नमः

ॐ वेदान्तविमलाय नमः

ॐ गुहदाताय नमः

ॐ गुणवर्जिताय नमः

ॐ निरहाकृतये नमः

ॐ सम्हारवटाय नमः

ॐ तृणेत्राय नमः

ॐ कृतज्ञाय नमः

ॐ महाप्रभवे नमः

ॐ त्रिजगत्पुरवे नमः

ॐ जगन्नाथाय नमः (२)

ॐ कारुण्यमूर्तये नमः

ॐ कुसुमप्रियाय नमः

ॐ राज्यदायिने नमः

ॐ रत्नप्रियाय नमः

ॐ कन्दर्पनटनाय नमः

ॐ ताटङ्गसुन्दराय नमः

ॐ सर्वसौभाग्यवर्धनाय नमः

ॐ वल्मीकमूलनिलयाय नमः

ॐ देवाय नमः

ॐ देवार्चिताय नमः

ॐ आनन्ददायिने नमः

ॐ विद्यावारकाय नमः

ॐ गुरुश्रेष्ठाय नमः

ॐ सत्यज्ञानमयाय नमः

ॐ शान्ताय नमः

ॐ कळङ्करहिताय नमः

ॐ कम्बुकण्ठाय नमः

ॐ नीतिशास्त्रज्ञाय नमः

ॐ सदानन्दाय नमः

ॐ शूलपाणये नमः

ॐ कमलापुरनायकाय नमः (३)

ॐ कनकपुष्कलाय नमः

ॐ रत्नसिंहासनारुडाय नमः

ॐ राज्यशिखामणये नमः

ॐ रक्षणचतुराय नमः

ॐ शंभवे नमः

ॐ रथसुन्दराय नमः

ॐ सान्द्रकर्पूरदवलाय नमः

ॐ पराशक्तिपरिग्रहाय नमः

ॐ आढकक्षेत्ररहिताय नमः

ॐ देवसिद्धगन्धर्वसेविताय नमः

ॐ सर्वनिषेविताय नमः

ॐ पार्वतीसुताय नमः

ॐ गुणपाय नमः

ॐ निर्मलाय नमः

ॐ सर्वगताय नमः

ॐ काव्याय नमः

ॐ कळाधाराय नमः

ॐ निराकराय नमः

ॐ सदाध्येयाय नमः

ॐ शुभाकराय नमः

ॐ शुद्धाय नमः	ॐ सुन्दरपूजिताय नमः	ॐ त्रिप्राय नमः
ॐ तरुणरूपाय नमः	ॐ कमलायतलोचनाय नमः	ॐ वीधिविटङ्गाय नमः
ॐ विषधाय नमः	ॐ विपुलाम्साय नमः	ॐ विषारदाय नमः
ॐ विश्वार्थदाय नमः	ॐ विरूपाक्षाय नमः	ॐ विश्वगोप्ते नमः
ॐ विभावसवे नमः	ॐ सदापूज्याय नमः	ॐ सदास्तोतव्याय नमः
ॐ ईश्वराय नमः	ॐ ईशानाय नमः	ॐ जगदीशाय नमः
ॐ जन्मार्क्षकविनाशनाय नमः	ॐ कालान्तकाय नमः	ॐ कामरहिणे नमः
ॐ त्रिपुरहारिणे नमः	ॐ त्रिलोचनाय नमः	ॐ मखध्वम्सिने नमः
ॐ महायोगिने नमः	ॐ मत्तगर्वनिशाकाराय नमः	ॐ ज्ञानदाय नमः
ॐ मोक्षदायिने नमः	ॐ दुष्टदूराय नमः	ॐ दिवाकराय नमः
ॐ अष्टमूर्तये नमः	ॐ अनन्ताय नमः	ॐ प्रभामण्डलमध्यकाय नमः
ॐ मन्दस्मितमुखाय नमः	ॐ मान्द्याय नमः	ॐ मङ्गळाङ्गाय नमः
ॐ महातनवे नमः	ॐ पीताम्बरधराय नमः	ॐ महत्सूक्ष्माय नमः
ॐ सत्यसन्धाय नमः	ॐ सनातनाय नमः	ॐ त्यागराजाय नमः
ॐ महाराजाय नमः	ॐ विष्णुपाद्याय नमः	ॐ विरन्मयाय नमः
	ॐ सोमास्कन्दमूर्तये नमः (१०७)	

---००००---

(२१) अथ मृत्युञ्जय अष्टोत्तर शतनामानि

चन्द्रार्काग्निलोचनं स्मितमुखं पद्मासनेसंस्थितम् मुद्रापाशमृगाक्षसूत्रविलसत्पाणिहिमांशुप्रभ्रं ।
कोटीरेन्दुगळत्सुधाप्लुतेतनुंहारादिभूषोज्ज्वलं कान्त्याविश्वविमोहनं पशुपतिमृत्युञ्जयम् भावयेत् ॥

ॐ शान्ताय नमः (१)	ॐ भर्गाय नमः (२)	ॐ कैवल्यजनकाय नमः (३)
ॐ पुरुषोत्तमाय नमः	ॐ आत्मरम्याय नमः	ॐ निरालम्बाय नमः
ॐ पूर्वजाय नमः	ॐ शम्भवे नमः	ॐ निरवन्द्याय नमः
ॐ धर्मिष्ठाय नमः	ॐ आद्याय नमः	ॐ कात्यायनीप्रियाय नमः
ॐ त्रयंबकाय नमः	ॐ सर्वज्ञाय नमः	ॐ वेद्याय नमः
ॐ गायत्रीवल्लभाय नमः	ॐ हरिकेशाय नमः	ॐ विभवे नमः
ॐ तेजसे नमः	ॐ त्रिणेत्राय नमः	ॐ विदुत्तमाय नमः
ॐ सद्योजाताय नमः	ॐ सुवेषाड्याय नमः	ॐ कालकूडविषाशनाय नमः
ॐ अन्धकासुरसंहर्त्रे नमः	ॐ कालकालाय नमः	ॐ मृत्युञ्जयाय नमः
ॐ परमप्रसिद्धाय नमः	ॐ परमेश्वराय नमः	ॐ मृकण्डसूनुनेत्रे नमः

ॐ जाह्नवीधारनाय नमः	ॐ प्रभवे नमः	ॐ अनाथनाथाय नमः
ॐ तरुणाय नमः	ॐ शिवाय नमः	ॐ सिद्धाय नमः
ॐ धनुर्धराय नमः	ॐ अन्त्यकालाधिपाय नमः	ॐ सौम्याय नमः
ॐ बालाय नमः	ॐ त्रिविष्टपाय नमः	ॐ अनादिनिधनाय नमः
ॐ नागहस्ताय नमः	ॐ खट्वाङ्गधारकाय नमः	ॐ वरदाभयहस्ताय नमः
ॐ एकाकिने नमः	ॐ निर्मलाय नमः	ॐ महते नमः
ॐ शरण्याय नमः	ॐ वरेण्याय नमः	ॐ सुबाहवे नमः
ॐ महाबलपराक्रमाय नमः	ॐ बिल्वकेशाय नमः	ॐ व्यक्तवेदाय नमः
ॐ स्थूलरूपिणे नमः	ॐ वाङ्मयाय नमः	ॐ शुद्धाय नमः
ॐ शेषाय नमः	ॐ लोकैकाध्यक्षकाय नमः	ॐ जकत्पतये नमः
ॐ अभयाय नमः	ॐ अमृतेशाय नमः	ॐ करवीरप्रियाय नमः
ॐ पद्मगर्भाय नमः	ॐ परञ्जोतिषे नमः	ॐ नीरपाय नमः
ॐ बुद्धिमते नमः	ॐ आदिदेवाय नमः	ॐ भव्याय नमः
ॐ दक्षयज्ञविधातनाय नमः	ॐ मुनिप्रियाय नमः	ॐ भीजाय नमः
ॐ मृत्युसंहारकारकाय नमः	ॐ भुवनेशाय नमः	ॐ यज्ञगोप्त्रे नमः
ॐ विरागवते नमः	ॐ मृगहस्ताय नमः	ॐ हराय नमः
ॐ कूटस्थाय नमः	ॐ मोक्षदायकाय नमः	ॐ आनन्दभरिताय नमः
ॐ पीताय नमः	ॐ देवाय नमः	ॐ सत्यप्रियाय नमः
ॐ चित्रमायिने नमः	ॐ निष्कलङ्काय नमः	ॐ वर्णिने नमः
ॐ अम्बिकापतये नमः	ॐ कालपाशनिधाताय नमः	ॐ कीर्तिस्तम्भाय नमः
ॐ जटाधराय नमः	ॐ शूलपाणिने नमः	ॐ आगमाय नमः
ॐ अभयप्रदाय नमः	ॐ मृत्युसङ्घातकाय नमः	ॐ श्रीदाय नमः
ॐ प्राणसम्प्रक्षणाय नमः	ॐ गङ्गाधराय नमः	ॐ सुशीताय नमः
ॐ फालनेत्राय नमः	ॐ कृपाकराय नमः	ॐ नीलकण्ठाय नमः
ॐ गौरीशाय नमः	ॐ भस्मोद्धूलितविग्रहाय नमः	ॐ पुरन्दराय नमः
ॐ शिष्टाय नमः	ॐ वेदान्ताय नमः	ॐ जुम्समूलकाय नमः (१०८)

---००००---

(२२) अथ शिवकामसुन्दरी अष्टोत्तर शतनामानि

शक्तिम्बुद्धिभुजाञ्च लम्बितकरां नीलोत्पलंधारिणीं श्यामाङ्गाञ्च द्विनेत्र चारुवदनां त्रिभङ्गीम्बु चारुस्तनीं ।
नानाभूषण हेमरत्न मकुटांनीलाळकाशोभितां देवींताण्डव वामभागसहितां ध्यायेत्सभानायकीं ।।

ॐ शिवप्रियायै नमः (१)

ॐ शिवेष्टायै नमः

ॐ शिवोत्सवायै नमः

ॐ शिवदिव्यशिखामणये नमः

ॐ शिवघनायै नमः

ॐ शिववल्लभायै नमः

ॐ शिवार्धाङ्गायै नमः

ॐ शिवङ्कर्यै नमः

ॐ शिवासत्तायै नमः

ॐ शिवायै नमः

ॐ शिवकल्याण्यै नमः

ॐ शिवयोगिन्यै नमः

ॐ शिवाज्ञायै नमः

ॐ शिवसिध्यै नमः

ॐ शिवदायै नमः

ॐ शिवाधीशायै नमः

ॐ शिवान्तस्थायै नमः

ॐ शिवलीलायै नमः

ॐ शिवकान्तायै नमः

ॐ शिवकामायै नमः

ॐ शिवधाम्नायै नमः

ॐ शिवलिङ्गार्चनपरायै नमः

ॐ शिवालोकनसन्तुष्टायै नमः

ॐ शिवकैलासनगरस्वामिन्यै नमः

ॐ शिवस्याहोपुरुषिकायै नमः

ॐ शिवसुन्दरसर्वाङ्गायै नमः

ॐ शिवशब्दैकनिरतायै नमः

ॐ शिवाराध्यायै नमः (२)

ॐ शिवकोमलायै नमः

ॐ शिवरसायै नमः

ॐ शिवपूज्यायै नमः

ॐ शिवस्थायै नमः

ॐ शिवाभिन्नायै नमः

ॐ शिवश्रीदायै नमः

ॐ शिवकात्मिकायै नमः

ॐ शिवकामेश्वर्यै नमः

ॐ शिवश्रियै नमः

ॐ शिवात्मायै नमः

ॐ शिवयोगीशनाथायै नमः

ॐ शिवासुन्दर्यै नमः

ॐ शिवनिध्यै नमः

ॐ शिवमङ्गलायै नमः

ॐ शिवाध्यक्षायै नमः

ॐ शिवाश्रयायै नमः

ॐ शिवकलायै नमः

ॐ शिवाङ्कुरायै नमः

ॐ शिवश्यामायै नमः

ॐ शिवोत्तमायै नमः

ॐ शिवालिङ्गनतत्परायै नमः

ॐ शिवलोकनिवासिन्यै नमः

ॐ शिवरञ्जिन्यै नमः

ॐ शिवसङ्कल्पपूरकायै नमः

ॐ शिवसुन्दरभामिन्यै नमः

ॐ शिवध्यानपरायणायै नमः

ॐ शिवभक्त्यैक्यसुलभायै नमः
 ॐ शिवकल्याणसम्पूर्णायै नमः
 ॐ शिवप्रकाशसम्पूर्णायै नमः
 ॐ शिवस्यपङ्कजभवायै नमः
 ॐ शिवकामेशमहिष्यै नमः
 ॐ शिवजैवात्रकलतायै नमः
 ॐ शिवसौभाग्यनिलयायै नमः
 ॐ शिवविज्ञानसम्पूर्णायै नमः
 ॐ शिवसम्मोहनकर्यै नमः
 ॐ शिवदिव्यब्रह्मविद्यायै नमः
 ॐ शिवैश्वर्यकसर्वस्वायै नमः
 ॐ शिवात्मगायै नमः
 ॐ शिवशास्त्रप्रवर्तकायै नमः
 ॐ शिवेच्छाश्रितकामिन्यै नमः
 ॐ शिवस्याङ्गेक्षणिकारूपिण्यै नमः
 ॐ शिवनामैकवल्लयै नमः
 ॐ शिवलाळितलाक्षार्द्रचरणाम्बुजकोमलायै नमः
 ॐ शिवाभीष्टप्रदानश्रीकल्पवल्लीकराम्बुजायै नमः
 ॐ शिवश्रीकरुणाकरायै नमः
 ॐ शिवज्योतिषे नमः
 ॐ शिवचिन्तामणिपरायै नमः
 ॐ शिवसम्पूर्णविमलज्ञानदुग्धाब्धिचन्द्रकायै नमः
 ॐ शिवानन्दरसाधारायै नमः
 ॐ शिवकामकलायै नमः
 ॐ शिवशक्त्यैक्यलळितायै नमः
 ॐ शिवासक्तपरानन्दप्रकाशाप्रदचिद्धनायै नमः
 ॐ शिवसौन्दर्यमोहिन्यै नमः

ॐ शिवभक्तजनप्रियायै नमः
 ॐ शिवानन्दरसार्णवायै नमः
 ॐ शिवशैलकुमारिकायै नमः
 ॐ शिवशम्भुविमोहिन्यै नमः
 ॐ शिवान्तःपुरवासिन्यै नमः
 ॐ शिवपुण्यपरम्परायै नमः
 ॐ शिवनित्यमनोहराय नमः
 ॐ शिवदिव्यविलासिन्यै नमः
 ॐ शिवसाम्राज्यदायिन्यै नमः
 ॐ शिवताण्डवसाक्षिण्यै नमः
 ॐ शिवसत्यायै नमः
 ॐ शिवकार्यैकचतुरायै नमः
 ॐ शिवप्रसादसम्पन्नायै नमः
 ॐ शिवलक्ष्मै नमः
 ॐ शिवातिमोहनकर्यै नमः
 ॐ शिवप्रेममहारत्तकाटिन्यकलशस्तन्यै नमः
 ॐ शिवचित्तैकशरणव्यामोहघनवेणिकायै नमः
 ॐ शिवाक्षिकुमुदज्योत्स्नायै नमः
 ॐ शिववामायै नमः
 ॐ शिवैकहृदयास्पतायै नमः
 ॐ शिवैकनयनामृतायै नमः
 ॐ शिवेतरमहादावनिर्मलामृतवर्षिण्यै नमः
 ॐ शिवभाग्याब्धिचन्द्रिकायै नमः
 ॐ शिवकल्याणदायिन्यै नमः
 ॐ शिवक्रीडारसोज्ज्वलायै नमः
 ॐ शिवघोयै नमः
 ॐ शिवभोगदायै नमः (१०८)

-----०००००-----

(२३) अथ दक्षिणामूर्ति अष्टोत्तर शतनामानि

स्फटिकरजतवर्णं मौक्तिकीमक्षमालां अमृतकलशविद्यां ज्ञानमुद्रांकराब्जैः ।

दधतमुरगकक्षं चन्द्रचूडं त्रिणेत्रं विविधमुरगभूषंदक्षिणामूर्तिमीडे ।।

ॐ विद्यारूपिणे नमः (१)	ॐ महायोगिने नमः (२)	ॐ शुद्धज्ञानिने नमः (३)
ॐ पिनाकधृते नमः	ॐ रत्नालङ्कृतसर्वाङ्गाय नमः	ॐ रत्नमालाजटाधराय नमः
ॐ गङ्गाधराय नमः	ॐ अचलावासिने नमः	ॐ महाज्ञानिने नमः
ॐ समाधिधृते नमः	ॐ अप्रमेयाय नमः	ॐ योगनिधये नमः
ॐ तारकाय नमः	ॐ भक्तवत्सलाय नमः	ॐ ब्रह्मरूपिणे नमः
ॐ जगद्ध्यापिने नमः	ॐ विष्णुमूर्तये नमः	ॐ पुरान्तकाय नमः
ॐ दक्षवाहाय नमः	ॐ चर्मवासाय नमः	ॐ पीताम्बरविभूषणाय नमः
ॐ मोक्षदायिने नमः	ॐ मोक्षनिधये नमः	ॐ दैन्याधीशाय नमः
ॐ जगत्पतये नमः	ॐ विद्याधारिणे नमः	ॐ शुक्लतनवे नमः
ॐ विद्यादायिने नमः	ॐ गणाधिपाय नमः	ॐ पदापस्मारसम्हर्त्रे नमः
ॐ शशिमौलिने नमः	ॐ महास्वनाय नमः	ॐ सामप्रियाय नमः
ॐ अव्याय नमः	ॐ साधवे नमः	ॐ सर्वदेवैरलङ्कृताय नमः
ॐ हस्तवह्निधराय नमः	ॐ श्रीमते नमः	ॐ मृगधारिणे नमः
ॐ शङ्कराय नमः	ॐ यज्ञनाथाय नमः	ॐ क्रतुध्वम्सिने नमः
ॐ यज्ञभोक्त्रे नमः	ॐ यमान्तकाय नमः	ॐ भक्तानुग्रहमूर्तये नमः
ॐ भक्तसेव्याय नमः	ॐ वृषध्वजाय नमः	ॐ भस्मोद्धूलितसर्वाङ्गाय नमः
ॐ अक्षमालाधराय नमः	ॐ हराय नमः	ॐ त्रयीमूर्तये नमः
ॐ परब्रह्मणे नमः	ॐ नागराजैरलङ्कृताय नमः	ॐ शान्तरूपिणे नमः
ॐ महारूपिणे नमः	ॐ सर्वलोकविभूषणाय नमः	ॐ अर्धनारीश्वराय नमः
ॐ देवाय नमः	ॐ मुनिसेव्याय नमः	ॐ सुरोत्तमाय नमः
ॐ व्याख्यानदेवाय नमः	ॐ भगवते नमः	ॐ अग्निचन्द्रार्कलोचनाय नमः
ॐ जगत्सृष्ट्रे नमः	ॐ जगद्गोप्त्रे नमः	ॐ जगध्वंसिने नमः
ॐ त्रिलोचनाय नमः	ॐ जगद्गुरवे नमः	ॐ महादेवाय नमः
ॐ महानन्दपरायणाय नमः	ॐ जठाधारिणे नमः	ॐ महावीराय नमः
ॐ ज्ञानदीपैरलङ्कृताय नमः	ॐ व्योमगङ्गाजलस्नाताय नमः	ॐ सिद्धसङ्घसमर्चिताय नमः
ॐ तत्त्वमूर्तये नमः	ॐ महाभोगिने नमः	ॐ महासारस्वतप्रदाय नमः

ॐ व्योममूर्तये नमः	ॐ भक्तानामिष्टकाम्यफलप्रदाय नमः	ॐ परमूर्तये नमः
ॐ चित्स्वरूपिणे नमः	ॐ तेजोमूर्तये नमः	ॐ अनामयाय नमः
ॐ वेदवेदान्ततत्त्वार्थाय नमः	ॐ चतुष्पष्टिकलानिधये नमः	ॐ भवरोगभयध्वंसिने नमः
ॐ भक्तानामभयप्रदाय नमः	ॐ नीलग्रीवाय नमः	ॐ ललाटाक्षाय नमः
ॐ गजचर्मिणे नमः	ॐ ज्ञानदाय नमः	ॐ अरोगिणे नमः
ॐ कामदहनाय नमः	ॐ तपस्विने नमः	ॐ विष्णुवल्लभाय नमः
ॐ ब्रह्मचारिणे नमः	ॐ सन्यासासिने नमः	ॐ ग्रहस्थाश्रमकारणाय नमः
ॐ दान्ताश्रमवतांश्रेष्ठाय नमः	ॐ सत्त्वरूपाय नमः	ॐ दयानिधये नमः
ॐ योगपट्टाभिरामाय नमः	ॐ वीणाधारिणे नमः	ॐ विचेनताय नमः
ॐ मतिप्रज्ञासुधाधारमुद्रापुस्तकधारणाय नमः		ॐ राजयक्ष्मादिरोगानांविनिहन्त्रे नमः
ॐ सुरेश्वराय नमः (१०८)		

-----००००-----

(२४) अथ नटेश अष्टोत्तर शतनामानि

ध्यायेत्कोटिरविप्रभं त्रिणयनं शीताम्शु गङ्गाधरं दक्षाग्निस्थितवामकुञ्चितपदंशार्दूल चर्मोद्धृतं ।
वह्निडोलमधाभयं डमरुकंवामेस्थितांश्यामलां कल्हाराञ्जपसृक्शुकांकटिकरां देवीं सभेशीं सदा ॥

ॐ चिदम्बरेश्वराय नमः (१)	ॐ हेमसभेशाय नमः (२)	ॐ चित्सभेश्वराय नमः (३)
ॐ चिदम्बरसभानाथाय नमः	ॐ चिदम्बरसभापतये नमः	ॐ चिदम्बरपुराधीशाय नमः
ॐ चिदम्बरस्थानटाय नमः	ॐ सभेश्वराय नमः	ॐ सभामूर्तये नमः
ॐ स-संम्राजे नमः	ॐ सदसस्पतये नमः	ॐ चिद्रूपाय नमः
ॐ नटेशाय नमः	ॐ नटनायकाय नमः	ॐ सभामणये नमः
ॐ सभादीप्ताय नमः	ॐ नटराजे नमः	ॐ ताण्डवेश्वराय नमः
ॐ पुण्डरीकपुराधीशाय नमः	ॐ पुण्डरीकपुरेश्वराय नमः	ॐ पुण्डरीकरुचये नमः
ॐ वन्द्याय नमः	ॐ पुण्डरीकाक्षसेविताय नमः	ॐ तिल्वरुद्राय नमः
ॐ महारुद्राय नमः	ॐ नृत्ताङ्गाय नमः	ॐ नृत्तसुन्दराय नमः
ॐ पञ्चाक्षराय नमः	ॐ परंज्योतिषे नमः	ॐ सुन्दरानन्दताण्डवाय नमः
ॐ आनन्दनटनादीशाय नमः	ॐ सञ्चिदानन्दविग्रहाय नमः	ॐ व्योमव्योम्ने नमः
ॐ योमकेशाय नमः	ॐ चिन्महाव्योमताण्डवाय नमः	ॐ अम्बराधीश्वराय नमः
ॐ हम्साय नमः	ॐ कुञ्चिताङ्घ्रये नमः	ॐ चिदम्बराय नमः
ॐ तिल्ववासाय नमः	ॐ चिदीशाय नमः	ॐ विराजे नमः
ॐ तिल्ववनाधिपाय नमः	ॐ त्रैलोक्यसुन्दराय नमः	ॐ तिल्ववनाय नमः

ॐ तिल्वपुरीश्वराय नमः	ॐ व्याघ्रचर्मधराय नमः	ॐ व्याघ्रपुरेशाय नमः
ॐ व्याघ्रपादप्रियाय नमः	ॐ कृपानिधये नमः	ॐ महाकाळाय नमः
ॐ व्याघ्रपादप्रपूजिताय नमः	ॐ मन्त्रविग्रहाय नमः	ॐ ओंकाराय नमः
ॐ सिम्हवर्मप्रपूजिताय नमः	ॐ जटाधराय नमः	ॐ ललाटाक्षाय नमः
ॐ पतञ्जलिवरप्रदाय नमः	ॐ अपस्मारहराय नमः	ॐ सर्पभूषणाय नमः
ॐ फणिराट्प्रियाय नमः	ॐ महाकामेश्वराय नमः	ॐ वज्रेश्वराय नमः
ॐ प्रसादविग्रहाय नमः	ॐ आनन्दताण्डवाय नमः	ॐ रत्नपादाय नमः
ॐ सुन्दरताण्डवाय नमः	ॐ हरिप्रियाय नमः	ॐ हराय नमः
ॐ शम्भवे नमः	ॐ ईश्वराय नमः	ॐ जैमिनिप्रियाय नमः
ॐ मणिनूपुरपादाय नमः	ॐ श्रीचक्रवासाय नमः	ॐ उमापतये नमः
ॐ त्रिलोचनाय नमः	ॐ शूलपाणिने नमः	ॐ भूतेशाय नमः
ॐ वृषभध्वजाय नमः	ॐ श्रीचक्रप्रियाय नमः	ॐ उग्राङ्गाय नमः
ॐ त्रिपुराय नमः	ॐ त्रिपुरेश्वराय नमः	ॐ मन्त्रमूर्तये नमः
ॐ सभाचक्राय नमः	ॐ मन्त्रराजे नमः	ॐ चक्रविग्रहाय नमः
ॐ परप्रकाशाय नमः	ॐ शिवकामिसुन्दराय नमः	ॐ परात्पराय नमः
ॐ परमेशाय नमः	ॐ सर्वेशाय नमः	ॐ श्रीमदभ्रसभेश्वराय नमः
ॐ महेश्वराय नमः	ॐ महादेवाय नमः	ॐ शङ्कराय नमः
ॐ चन्द्रशेखराय नमः	ॐ ईशानाय नमः	ॐ तत्पुरुषाय नमः
ॐ अघोराय नमः	ॐ वामदेवाय नमः	ॐ सद्योजाताय नमः
ॐ सदाशिवाय नमः	ॐ भुवनेशाय नमः	ॐ विश्वनाथाय नमः
ॐ शिवाय नमः	ॐ त्रिपुरारये नमः	ॐ सुन्दराय नमः (१०८)

-----००००-----

(२५) अथ चिदम्बरशिवताण्डवसम्मेलन अष्टोत्तर शतनामानि

शय्याऽभस्मारवृष्टेस्थितपतविलसत्वाममुध्रुत्यपातं ज्वालामालास्सुमध्यानटनमहिवशार्धूलपादादिसेव्यं ।
भस्मोद्धूळनंअङ्गमाल्यविलसत्वामेउमासेवितं वन्हिंडोळकराभयञ्चडमरुं ध्यात्वाताण्डवमूर्तिभजे ॥

ॐ सदाशिवताण्डवाय नमः (१)
ॐ रौद्रताण्डवाय नमः
ॐ सञ्चिदानन्दताण्डवाय नमः
ॐ अनवरतताण्डवाय नमः
ॐ सन्ध्याताण्डवाय नमः

ॐ महेश्वरताण्डवाय नमः (२)
ॐ चिन्महाव्योमताण्डवाय नमः
ॐ दहराकाशताण्डवाय नमः
ॐ आनन्दताण्डवाय नमः
ॐ गौरीताण्डवाय नमः

ॐ त्रिपुरताण्डवाय नमः
ॐ हम्सताण्डवाय नमः
ॐ उन्मत्तताण्डवाय नमः
ॐ वीचीताण्डवाय नमः
ॐ भृङ्गिताण्डवाय नमः
ॐ हम्सपादताण्डवाय नमः
ॐ बृन्हताण्डवाय नमः
ॐ हालास्यताण्डवाय नमः
ॐ मूर्तिताण्डवाय नमः
ॐ निश्चलताण्डवाय नमः
ॐ कैवल्यताण्डवाय नमः
ॐ चित्थनानन्दताण्डवाय नमः
ॐ ज्ञानस्वरूताण्डवाय नमः
ॐ जगन्मोहनताण्डवाय नमः
ॐ सर्पताण्डवाय नमः
ॐ सप्तलोकैकताण्डवाय नमः
ॐ आदिचिदम्बरताण्डवाय नमः
ॐ चित्सभाताण्डवाय नमः
ॐ तिल्लारण्यताण्डवाय नमः
ॐ पुण्डरीकपुरताण्डवाय नमः
ॐ व्याघ्रपुरताण्डवाय नमः
ॐ विश्वरूपताण्डवाय नमः
ॐ विजयताण्डवाय नमः
ॐ महाप्रलयताण्डवाय नमः
ॐ भैरवानन्दताण्डवाय नमः
ॐ महाहम्कारताण्डवाय नमः
ॐ महायुगान्तताण्डवाय नमः
ॐ महामन्वन्तरताण्डवाय नमः
ॐ महाप्रचण्डताण्डवाय नमः
ॐ कनकसभाताण्डवाय नमः

ॐ काळीताण्डवाय नमः
ॐ अजपाताण्डवाय नमः
ॐ पारावारतरङ्गताण्डवाय नमः
ॐ कुक्कुटताण्डवाय नमः
ॐ कमलताण्डवाय नमः
ॐ ज्ञानसुन्दरताण्डवाय नमः
ॐ अभयप्रदताण्डवाय नमः
ॐ स्वरूपताण्डवाय नमः
ॐ शास्वतताण्डवाय नमः
ॐ निरामयताण्डवाय नमः
ॐ मोक्षताण्डवाय नमः
ॐ वागगोचरताण्डवाय नमः
ॐ अखण्डाकारताण्डवाय नमः
ॐ हेलोकलितताण्डवाय नमः
ॐ दक्षध्वंसताण्डवाय नमः
ॐ गजसम्हारताण्डवाय नमः
ॐ अष्टहस्तताण्डवाय नमः
ॐ अपस्मारहरताण्डवाय नमः
ॐ त्रैलोक्यसुन्दरताण्डवाय नमः
ॐ कुञ्जितपादताण्डवाय नमः
ॐ अघोरताण्डवाय नमः
ॐ हुंकारताण्डवाय नमः
ॐ भीमताण्डवाय नमः
ॐ भद्रताण्डवाय नमः
ॐ महादृहासताण्डवाय नमः
ॐ महोग्रताण्डवाय नमः
ॐ महाकल्पान्तताण्डवाय नमः
ॐ महाचण्डोपताण्डवाय नमः
ॐ रत्नसभाताण्डवाय नमः
ॐ रजतसभाताण्डवाय नमः

ॐ ताम्रसभाताण्डवाय नमः
 ॐ कामदहनताण्डवाय नमः
 ॐ नन्दिमहलताण्डवाय नमः
 ॐ निशानिश्चलताण्डवाय नमः
 ॐ उदण्डताण्डवाय नमः
 ॐ सव्यताण्डवाय नमः
 ॐ कराब्जधृतकालताण्डवाय नमः
 ॐ ऊर्ध्वताण्डवाय नमः
 ॐ पतञ्जल्यनुग्रहताण्डवाय नमः
 ॐ वृषशृङ्गमध्यताण्डवाय नमः
 ॐ प्रौढताण्डवाय नमः
 ॐ बिन्दुमध्यताण्डवाय नमः
 ॐ विराटरूपताण्डवाय नमः
 ॐ भुजङ्गलालितताण्डवाय नमः
 ॐ तत्त्वताण्डवाय नमः
 ॐ मनोज्ञयताण्डवाय नमः
 ॐ काळकूटधरताण्डवाय नमः
 ॐ परिपूर्णताण्डवाय नमः
 ॐ अब्जदताण्डवाय नमः

ॐ चित्रसभाताण्डवाय नमः
 ॐ महादोर्दण्डताण्डवाय नमः
 ॐ शक्तिताण्डवाय नमः
 ॐ परिभ्रमणताण्डवाय नमः
 ॐ भ्रमरायितताण्डवाय नमः
 ॐ ऊर्जितताण्डवाय नमः
 ॐ पञ्चकृत्यताण्डवाय नमः
 ॐ कङ्काळताण्डवाय नमः
 ॐ प्रदोषताण्डवाय नमः
 ॐ मृत्युमथनताण्डवाय नमः
 ॐ विनोदताण्डवाय नमः
 ॐ कलारूपताण्डवाय नमः
 ॐ मुनिताण्डवाय नमः
 ॐ भिक्षाटनताण्डवाय नमः
 ॐ कल्याणताण्डवाय नमः
 ॐ आरभटीताण्डवाय नमः
 ॐ अचलताण्डवाय नमः
 ॐ पञ्चाक्षरताण्डवाय नमः
 ॐ शिवकामसुन्दर्यम्बिकासमेतश्रीचित्सभेशाय नमः

-----००००-----

(२६) अथ भैरव अष्टोत्तर शतनामानि

रक्तज्वालजटाधरस्सुविमलं रक्ताङ्गतेजोमयं धृत्वाशूलकपालपाशडमरुन्लोकस्यरक्षाकरं ।
 निर्वानंशुनवाहनं त्रिनयनं आनन्दकोलाहलं वन्देभूतपिशाचनाथवटुकक्षेत्रस्यपालंशिवं ॥

ॐ भैरवाय नमः (१)	ॐ भूतनाथाय नमः (२)	ॐ भूतात्मने नमः (३)
ॐ भूतभावनाय नमः	ॐ क्षेत्रज्ञाय नमः	ॐ क्षेत्रपालाय नमः
ॐ क्षेत्रदाय नमः	ॐ क्षत्रियाय नमः	ॐ कवये नमः
ॐ स्मशानवासिने नमः	ॐ सिद्धाय नमः	ॐ सिद्धियाय नमः
ॐ सिद्धसेविताय नमः	ॐ कङ्काळरूपाय नमः	ॐ कालाय नमः
ॐ काष्ठाय नमः	ॐ पिङ्गलोचनाय नमः	ॐ बहुनेत्राय नमः
ॐ रक्तपात्राय नमः	ॐ खर्वाय नमः	ॐ स्मरान्तकाय नमः
ॐ विराजाय नमः	ॐ पावनाय नमः	ॐ माम्सभोजनाय नमः

ॐ त्रिणेत्रकाय नमः
ॐ खड्गपाणिने नमः
ॐ शूलपाणिने नमः
ॐ नागहाराय नमः
ॐ कपालभृते नमः
ॐ कमनीयाय नमः
ॐ धान्यपतये नमः
ॐ भूतपाय नमः
ॐ त्रिलोकपालाय नमः
ॐ त्रिशिखाय नमः
ॐ शान्तजनप्रियाय नमः
ॐ प्रभवे नमः
ॐ भिक्षुकाय नमः
ॐ हरिणाय नमः
ॐ शान्तिदाय नमः
ॐ शङ्करप्रियाय नमः
ॐ नागयज्ञोपवीतिने नमः
ॐ कनीशाय नमः
ॐ ज्ञानमयाय नमः
ॐ दैत्यहारिणे नमः
ॐ शुद्धाय नमः
ॐ सर्वोपद्रवनाशनाय नमः
ॐ दुःखादुःखनिवारणाय नमः
ॐ भस्माङ्गाय नमः
ॐ भीमाय नमः
ॐ कामचारिणे नमः
ॐ सुरेश्वराय नमः
ॐ रक्तलोचनाय नमः

ॐ कालकालाय नमः
ॐ दिगम्बराय नमः
ॐ अभीरवे नमः
ॐ नागपाशाय नमः
ॐ कपालमालिने नमः
ॐ कलानिधये नमः
ॐ योगिनीपतये नमः
ॐ योगाय नमः
ॐ डम्भाय नमः
ॐ वटुकवेषाय नमः
ॐ खट्वाङ्गधारिणे नमः
ॐ पशुपतये नमः
ॐ परिपालकाय नमः
ॐ पाण्डुलोचनाय नमः
ॐ शुद्धाय नमः
ॐ बान्धवाय नमः
ॐ अष्टाधाराय नमः
ॐ ज्ञानचक्षुषे नमः
ॐ भूतराजाय नमः
ॐ मुन्दिने नमः
ॐ पराक्रमाय नमः
ॐ सर्वसिद्धिप्रदाय नमः
ॐ भूतघ्ने नमः
ॐ प्रेतभाहवे नमः
ॐ सर्पभूषणाय नमः
ॐ घर्गाय नमः
ॐ दण्डधारिणे नमः
ॐ भक्तानुग्रहकारिणे नमः

ॐ तनवे नमः
ॐ ईशपुत्राय नमः
ॐ धूम्रलोचनाय नमः
ॐ व्योमकेशाय नमः
ॐ कामाय नमः
ॐ प्रतिभानवे नमः
ॐ धनदाय नमः
ॐ ज्वलन्नेत्राय नमः
ॐ त्रिणेत्रतनयाय नमः
ॐ कान्ताय नमः
ॐ धूर्ताय नमः
ॐ भूताध्यक्षाय नमः
ॐ पटुकाय नमः
ॐ शान्ताय नमः
ॐ प्रशान्ताय नमः
ॐ अष्टमूर्तये नमः
ॐ षडाधाराय नमः
ॐ तपोमयाय नमः
ॐ भूधराय नमः
ॐ सर्वशक्तिशिवाय नमः
ॐ वश्याय नमः
ॐ वैद्याय नमः
ॐ सारमेयाय नमः
ॐ अनादिभूताय नमः
ॐ शक्तिहस्ताय नमः
ॐ पापौघनाशनाय नमः
ॐ खेचराय नमः
ॐ भक्तरक्षणाय नमः

-----००००-----

(२७) अथ वीरभद्र अष्टोत्तर शतनामानि

मरकतमणिनीलं किङ्किणीयुक्तपादं प्रकटितमुखमीशंभानुसोमाग्निनेत्रं ।
हरिधरमणिखेटं त्रक्षमालाग्रहस्तं विधुधरमहिभूषं वीरभद्रं नमामि ।।

१) सप्तविंशति नामानि

ॐ वीरभद्रेश्वराय नमः (१)	ॐ वीरनाथाय नमः (२)	ॐ वीरप्रभावकाय नमः (३)
ॐ उग्राय नमः	ॐ रथवाहाय नमः	ॐ त्रिणेत्राय नमः
ॐ त्रैलोक्यवासकाय नमः	ॐ देवदेवाय नमः	ॐ देवरक्षित्रे नमः
ॐ योगभद्राय नमः	ॐ पार्वतीप्रियपुत्राय नमः	ॐ पङ्कजप्रियाय नमः
ॐ रौद्ररूपाय नमः	ॐ भक्तरक्षकाय नमः	ॐ शरभाय नमः
ॐ शङ्खचक्रधराय नमः	ॐ धनुर्भृते नमः	ॐ खड्गहस्ताय नमः
ॐ सर्वेश्वराय नमः	ॐ सर्पाभरणाय नमः	ॐ रक्तकेशाय नमः
ॐ यागहन्त्रे नमः	ॐ वीणानाथाय नमः	ॐ सिंहासनाय नमः
ॐ नन्दिगणाय नमः	ॐ नारसिंहसम्हाराय नमः	ॐ वीरभद्राय नमः (२७)

-----००००-----

२) अष्टोत्तर नामानि

ॐ अघोरभद्राय नमः (१)	ॐ अतिकूराय नमः (२)	ॐ रुद्रकोपसमुद्भवाय नमः (३)
ॐ सर्पराजनिवीताय नमः	ॐ ज्वलन्नेत्राय नमः	ॐ प्रमीताभरणाय नमः
ॐ त्रिशूलायुधधारणाय नमः	ॐ शत्रुप्रदापनिधनाय नमः	ॐ शशिशेखराय नमः
ॐ हरिकेशाय नमः	ॐ जटाधारिणे नमः	ॐ दक्षयज्ञविनाशनाय नमः
ॐ ऊर्जसलाय नमः	ॐ तीलशिखिने नमः	ॐ नटाकाराय नमः
ॐ निजजलोद्भवाय नमः	ॐ धन्विने नमः	ॐ ज्येष्ठाय नमः
ॐ मखघ्नाय नमः	ॐ अरिदर्पघ्नाय नमः	ॐ आत्मयोनये नमः
ॐ कालभक्ष्याय नमः	ॐ गंभीराय नमः	ॐ कळङ्गरहिताय नमः
ॐ जल्पिने नमः	ॐ शरभाय नमः	ॐ काळकण्ठाय नमः
ॐ भूतरूपधृते नमः	ॐ परोक्षवरदाय नमः	ॐ कलिसम्हारकृते नमः
ॐ आदिभीमाय नमः	ॐ गणपतये नमः	ॐ भोगाय नमः
ॐ भोग्याय नमः	ॐ खड्गधारिणे नमः	ॐ खेटधारिणे नमः
ॐ विजयिने नमः	ॐ जयप्रदाय नमः	ॐ भीमरूपाय नमः
ॐ नीलकण्ठाय नमः	ॐ निरामयाय नमः	ॐ भुजङ्गभूषणाय नमः

ॐ गहनाय नमः	ॐ दामभूषणाय नमः	ॐ पाणदाय नमः
ॐ टङ्कहस्ताय नमः	ॐ शरचापधराय नमः	ॐ मृगासनाय नमः
ॐ महावश्याय नमः	ॐ महासत्याय नमः	ॐ महाक्षमाय नमः
ॐ शालाय नमः	ॐ मोहाय नमः	ॐ ऋम्भहारिणे नमः
ॐ दिविवासिने नमः	ॐ रुद्ररूपाय नमः	ॐ सारसनाय नमः
ॐ दुःस्वप्ननाशनाय नमः	ॐ वज्रदंष्ट्राय नमः	ॐ वक्रदन्ताय नमः
ॐ सुदान्ताय नमः	ॐ जयन्धराय नमः	ॐ कलानिधये नमः
ॐ सौम्याय नमः	ॐ भूतपावनाय नमः	ॐ दरदात्रे नमः
ॐ सुरकुलनाशनाय नमः	ॐ मारग्रे नमः	ॐ कैलासवासिने नमः
ॐ क्षेमक्षेत्राय नमः	ॐ बिन्दूत्तमाय नमः	ॐ हरदत्तकपालाय नमः
ॐ बृहल्लोचनाय नमः	ॐ भस्मधृते नमः	ॐ पार्वतीप्रियपुत्राय नमः
ॐ वीराय नमः	ॐ विषहराय नमः	ॐ ईशानपुत्राय नमः
ॐ भस्मोद्धूलिने नमः	ॐ कारणमूर्तिमते नमः	ॐ महद्भूताय नमः
ॐ महाडम्भाय नमः	ॐ रुद्राय नमः	ॐ उन्मत्ताय नमः
ॐ त्रेतासाराय नमः	ॐ हुटकाराय नमः	ॐ अचिन्त्याय नमः
ॐ परब्रह्मणे नमः	ॐ किङ्किणीधृते नमः	ॐ घातुकाय नमः
ॐ वीणापञ्चमनिस्वनाय नमः	ॐ नीलवेणिने नमः	ॐ श्यामनिभाय नमः
ॐ चण्डाय नमः	ॐ मार्ताण्डाय नमः	ॐ कुञ्जिताङ्घ्रये नमः
ॐ कृतमुखाय नमः	ॐ कुतुकाय नमः	ॐ अट्टहासाय नमः
ॐ बृहत्सेनावृताय नमः	ॐ रक्तवर्णाधराय नमः	ॐ किरीटिने नमः
ॐ उग्राय नमः	ॐ सिम्हहन्त्रे नमः	ॐ अङ्गदधृते नमः
ॐ अनाताय नमः	ॐ शत्रुमथनाय नमः	ॐ वीरभद्रेश्वराय नमः

-----००००-----

(२८) अथ नागराज अष्टोत्तर शतनामानि

चतुर्भुजं त्रिणेत्रं च जटामकुटमण्डितं । त्रिशूलं टङ्कपद्मं च वरदं शुक्लवर्णकं ।। वामपादन्तुशयनं
दक्षिणेलंबितं पदं । व्याळासनोपरिस्थञ्च पृष्ठपार्श्वोत्तोरणिं । ज्वलत्पञ्चफणोपेतं मकुटोपरिर्मूर्ध्नि च ।।

ॐ अनन्ताय नमः (१)	ॐ वासुदेवाख्याय नमः (२)	ॐ तक्षकाय नमः (३)
ॐ विश्वतोमुखाय नमः	ॐ कार्कोटकाय नमः	ॐ महापद्माय नमः
ॐ पद्माय नमः	ॐ शङ्खाय नमः	ॐ शिवप्रियाय नमः
ॐ धृतराष्ट्राय नमः	ॐ शङ्खपालाय नमः	ॐ गुळिकाय नमः

ॐ सर्पनायकाय नमः
ॐ पुराणाय नमः
ॐ विश्वरूपाय नमः
ॐ शुरार्चितये नमः
ॐ दक्षाय नमः
ॐ गणाधिपाय नमः
ॐ आदिशेषाय नमः
ॐ विश्वधारिणे नमः
ॐ पुण्यरूपाय नमः
ॐ परमेष्ठिने नमः
ॐ बलप्रदाय नमः
ॐ दयारूपाय नमः
ॐ महामायिने नमः
ॐ भुजगेशाय नमः
ॐ भयापहृते नमः
ॐ शोकहारिणे नमः
ॐ सर्पेशाय नमः
ॐ लक्ष्मीकराय नमः
ॐ लक्ष्मणाकृतये नमः
ॐ दैत्यहन्त्रे नमः
ॐ रामभक्ताय नमः
ॐ सौमित्रये नमः
ॐ सताप्रियाय नमः
ॐ किरीटिने नमः
ॐ पराय नमः
ॐ बाहुलेयाय नमः
ॐ भवप्रियाय नमः
ॐ नानारूपाय नमः
ॐ काम्यरूपाय नमः
ॐ हतासुराय नमः

ॐ इष्टदायिने नमः
ॐ पुरुषाय नमः
ॐ महीधारिणे नमः
ॐ कुन्दप्रभाय नमः
ॐ दामोदराय नमः
ॐ महासेनाय नमः
ॐ वरप्रदाय नमः
ॐ विहङ्गमाय नमः
ॐ पन्नगेशाय नमः
ॐ पशुपतये नमः
ॐ सहस्रफणाय नमः
ॐ धनप्रदाय नमः
ॐ मधुवैरिणे नमः
ॐ भीमरूपाय नमः
ॐ शुक्ररूपाय नमः
ॐ शुभप्रदाय नमः
ॐ सर्पदायिने नमः
ॐ लाभदायिने नमः
ॐ दयाराशये नमः
ॐ दमाश्रयाय नमः
ॐ रणधीराय नमः
ॐ सोमसङ्काशाय नमः
ॐ कर्बूराय नमः
ॐ किन्नरार्चिताय नमः
ॐ परमाय नमः
ॐ भक्तनिधये नमः
ॐ नारायणाय नमः
ॐ नतप्रियाय नमः
ॐ कल्याणाय नमः
ॐ कलिहीनाय नमः

ॐ नागराजाय नमः
ॐ अनघाय नमः
ॐ कामदायिने नमः
ॐ बहुशिरसे नमः
ॐ अक्षराय नमः
ॐ पुण्यमूर्तये नमः
ॐ वायुभक्षाय नमः
ॐ पुत्रप्रदाय नमः
ॐ बिलेशाय नमः
ॐ भवनाशिने नमः
ॐ दैत्यहन्त्रे नमः
ॐ मतिदायिने नमः
ॐ महोरगाय नमः
ॐ भीमकायाय नमः
ॐ शुद्धदेहाय नमः
ॐ सन्तानदायिने नमः
ॐ सरीसृपाय नमः
ॐ ललिताय नमः
ॐ दाशरथये नमः
ॐ रम्यरूपाय नमः
ॐ रतिप्रदाय नमः
ॐ सर्पराजाय नमः
ॐ काम्यफलदाय नमः
ॐ पाताळवासिने नमः
ॐ फणामण्डलमण्डिताय नमः
ॐ भूमिधारिणे नमः
ॐ नागेन्द्राय नमः
ॐ काकोदराय नमः
ॐ कामिदार्थदाय नमः
ॐ हर्षदाय नमः

ॐ हरभूषाणाय नमः
ॐ जातिशून्याय नमः
ॐ वरपुत्रफलप्रदाय नमः

ॐ जगदादये नमः
ॐ जगन्मयाय नमः
ॐ श्रीनागराजाय नमः

ॐ जराहीनाय नमः
ॐ वन्ध्यात्वदोषशमनाय नमः

-----००००-----

(२९) अथ देवी अष्टोत्तर शतनामानि

नीलरत्ननिभाम्पद्म जपाक्षवरदाभयान् । दधतींचन्द्रमकुटां ध्यायेद्देवींमनोन्मनीं ।।

ॐ गौर्यै नमः (१)	ॐ गणेशजनन्यै नमः (२)	ॐ गिरिराजतनूद्भवायै नमः (३)
ॐ गुहाम्बिकायै नमः	ॐ जगन्मात्रे नमः	ॐ गङ्गाधरकुटुम्बिन्यै नमः
ॐ वीरभद्रप्रसुवे नमः	ॐ विश्वव्यापिन्यै नमः	ॐ विश्वरूपिण्यै नमः
ॐ अष्टमूर्त्यात्मिकायै नमः	ॐ अष्टदारिद्रियशमन्यै नमः	ॐ शिवायै नमः
ॐ शाम्भव्यै नमः	ॐ शङ्कर्यै नमः	ॐ बालायै नमः
ॐ भवान्यै नमः	ॐ भद्रदायिन्यै नमः	ॐ माङ्गळ्यदायिन्यै नमः
ॐ सर्वमङ्गलायै नमः	ॐ मञ्जुभाषिण्यै नमः	ॐ महेश्वर्यै नमः
ॐ महामायायै नमः	ॐ मन्त्राराध्यायै नमः	ॐ महाबलायै नमः
ॐ हिमाद्रिजायै नमः	ॐ हैमवत्यै नमः	ॐ पार्वत्यै नमः
ॐ पापनाशिन्यै नमः	ॐ नारायणाश्रयायै नमः	ॐ नित्यायै नमः
ॐ निरीशायै नमः	ॐ निर्मलायै नमः	ॐ अम्बिकायै नमः
ॐ मृडान्यै नमः	ॐ मुनिसम्प्रेष्यायै नमः	ॐ मानिन्यै नमः
ॐ मेनकात्मजायै नमः	ॐ कुमार्यै नमः	ॐ कन्यकायै नमः
ॐ दुर्गायै नमः	ॐ कलिदोषनिषूदिन्यै नमः	ॐ कात्यायन्यै नमः
ॐ कृपापूर्णायै नमः	ॐ कल्याण्यै नमः	ॐ कमलार्चितायै नमः
ॐ सत्यै नमः	ॐ सत्त्वमय्यै नमः	ॐ सत्यायै नमः
ॐ सौभाग्यांभायै नमः	ॐ सरस्वत्यै नमः	ॐ अमलायै नमः
ॐ अमरसम्प्रेष्यायै नमः	ॐ अन्नपूर्णायै नमः	ॐ अमृतेश्वर्यै नमः
ॐ अखिलागमसम्स्तुतायै नमः	ॐ सुखसञ्चित्सुधारसायै नमः	ॐ बाल्याराधितभूतेशायै नमः
ॐ भानुकोटिसमद्युतये नमः	ॐ हिरण्मय्यै नमः	ॐ परायै नमः
ॐ सूक्ष्मायै नमः	ॐ सीताम्शुकृतशेखरायै नमः	ॐ हरिद्राकुङ्कुमाराध्यायै नमः
ॐ सर्वकालसुमङ्गल्यै नमः	ॐ सर्वभोगप्रदायै नमः	ॐ सामशिखायै नमः
ॐ वेदान्तलक्षणायै नमः	ॐ कर्मब्रह्ममय्यै नमः	ॐ कामकलनायै नमः

ॐ काङ्क्षितार्थदायै नमः	ॐ चन्द्रार्कायितताटङ्गायै नमः	ॐ चिदम्बरशरीरिण्यै
ॐ श्रीचक्रवासिन्यै नमः	ॐ देव्यै नमः	ॐ कामेश्वरसत्यै नमः
ॐ कलायै नमः	ॐ मारारातिप्रियार्थाङ्गायै नमः	ॐ मार्कण्डेयवरप्रदायै नमः
ॐ पुत्रपौत्रप्रदायै नमः	ॐ पुण्यायै नमः	ॐ पुराषार्थप्रदायिन्यै नमः
ॐ सत्यधर्मरथायै नमः	ॐ सर्वसाक्षिण्यै नमः	ॐ शान्तिरूपिण्यै नमः
ॐ श्यामलायै नमः	ॐ बगळायै नमः	ॐ चण्ड्यै नमः
ॐ मातृकायै नमः	ॐ भगमालिन्यै नमः	ॐ शूलिन्यै नमः
ॐ विरजायै नमः	ॐ स्वाहास्वधायै नमः	ॐ प्रत्यङ्गिराम्बिकायै नमः
ॐ आर्यायै नमः	ॐ दाक्षायिण्यै नमः	ॐ दीक्षायै नमः
ॐ सर्ववस्तुत्तमोत्तमायै नमः	ॐ शिवाभिधानायै नमः	ॐ श्रीविद्यायै नमः
ॐ प्रणवार्थस्वरूपिण्यै नमः	ॐ ह्रींकार्यै नमः	ॐ नादरूपायै नमः
ॐ त्रिपुरायै नमः	ॐ त्रिगुणांबिकायै नमः	ॐ सुन्दर्यै नमः
ॐ स्वर्णगौर्यै नमः	ॐ श्रीषोडशाक्षरदेवतायै नमः	॥ (१०७)

-----००००-----

(३०) अथ दुर्गा अष्टोत्तर शतनामानि

मातर्मेमधुकैटभघ्निमहिषप्रणापहारोद्यमे हेलानिर्मितधूम्रलोचनवधेहे चण्डमुण्डार्दिनि ।
निशेषीकृतरक्तबीजदनुजे नित्येनिसुम्भावहे शुम्भध्वंसिनिसम्हरातिदुरितं दुर्गेनमस्तेम्बिके ॥

ॐ श्रियै नमः (१)	ॐ उमायै नमः (२)	ॐ भारत्यै नमः (३)
ॐ भद्रायै नमः	ॐ सर्वाण्यै नमः	ॐ विजयायै नमः
ॐ जयायै नमः	ॐ वाण्यै नमः	ॐ सर्वगतायै नमः
ॐ गौर्यै नमः	ॐ वाराह्यै नमः	ॐ कमलप्रियायै नमः
ॐ सरस्वत्यै नमः	ॐ कलायै नमः	ॐ मायायै नमः
ॐ मातङ्गायै नमः	ॐ अपरायै नमः	ॐ अजायै नमः
ॐ शातम्भर्यै नमः	ॐ शिवायै नमः	ॐ चण्ड्यै नमः
ॐ कुण्डल्यै नमः	ॐ वैष्णव्यै नमः	ॐ क्रियायै नमः
ॐ श्रियायै नमः	ॐ एन्द्र्यै नमः	ॐ मधुमत्यै नमः
ॐ गिरिजायै नमः	ॐ सुभगायै नमः	ॐ अम्बिकायै नमः
ॐ तारायै नमः	ॐ पद्मावत्यै नमः	ॐ हम्सायै नमः
ॐ पद्मनाभसहोदर्यै नमः	ॐ अपर्णायै नमः	ॐ लळितायै नमः

ॐ धात्र्यै नमः	ॐ कुमार्यै नमः	ॐ शिखिवाहिन्यै नमः
ॐ शाम्भाव्यै नमः	ॐ सुमुख्यै नमः	ॐ मैत्र्यै नमः
ॐ त्रिणेत्र्यै नमः	ॐ विश्वरूपिण्यै नमः	ॐ आर्यायै नमः
ॐ मृडान्यै नमः	ॐ हीम्कार्यै नमः	ॐ क्रोधिन्त्यै नमः
ॐ सुदिनायै नमः	ॐ अचलायै नमः	ॐ सूक्ष्मायै नमः
ॐ परात्परायै नमः	ॐ शोभायै नमः	ॐ सर्ववर्णायै नमः
ॐ हरप्रियायै नमः	ॐ महालक्ष्म्यै नमः	ॐ महासिध्यै नमः
ॐ स्वधायै नमः	ॐ स्वाहायै नमः	ॐ मनोन्मन्यै नमः
ॐ त्रिलोकपालिन्यै नमः	ॐ उद्भूतायै नमः	ॐ त्रिसन्ध्यायै नमः
ॐ त्रिपुरान्तक्यै नमः	ॐ त्रिशक्त्यै नमः	ॐ त्रिपदायै नमः
ॐ दुर्गायै नमः	ॐ ब्राह्म्यै नमः	ॐ त्रैलोक्यवासिन्यै नमः
ॐ पुष्करायै नमः	ॐ अत्रिसुतायै नमः	ॐ गूडायै नमः
ॐ त्रिवर्णायै नमः	ॐ त्रिस्वरायै नमः	ॐ त्रिगुणायै नमः
ॐ निर्गुणायै नमः	ॐ सत्यायै नमः	ॐ निर्विकल्पायै नमः
ॐ निरञ्जिन्यै नमः	ॐ ज्वालिन्यै नमः	ॐ मालिन्यै नमः
ॐ चर्चायै नमः	ॐ क्रव्यादोपनिबर्हिण्यै नमः	ॐ कामाक्ष्यै नमः
ॐ कामिन्यै नमः	ॐ कान्त्यै नमः	ॐ कामदायै नमः
ॐ कलहम्सिन्यै नमः	ॐ सलज्जायै नमः	ॐ कुलजायै नमः
ॐ प्राज्ञायै नमः	ॐ प्रभायै नमः	ॐ मदनसुन्दर्यै नमः
ॐ वागीश्वर्यै नमः	ॐ विशालाक्ष्यै नमः	ॐ सर्वविद्यायै नमः
ॐ सुमङ्गलायै नमः	ॐ काळ्यै नमः	ॐ महेश्वर्यै नमः
ॐ चण्ड्यै नमः	ॐ भैरव्यै नमः	ॐ भुवनेश्वर्यै नमः
ॐ नित्यायै नमः	ॐ सानन्दविभवायै नमः	ॐ सत्यज्ञानायै नमः
ॐ तपोपहायै नमः	ॐ महेश्वरप्रियङ्कर्यै नमः	ॐ महात्रिपुरसुन्दर्यै नमः (१०८)

-----००००-----

(३१) अथ लक्ष्मी अष्टोत्तर शतनामानि

यासापद्मासनस्थाविपुलकटितटीपद्मपत्रायताक्षी गम्भीरावर्तनाभिस्तनभरानमिताशुभ्रवस्त्रोत्तरीया ।
लक्ष्मीर्दिव्यैर्गजेन्द्रियैर्मणिगणखचितैस्त्रापिताहेमकुम्भैर्नित्यंसापत्महस्तामवसतुगृहेसर्माङ्गलयुक्ता ।।

ॐ प्रकृत्यै नमः (१)	ॐ विकृत्यै नमः (२)	ॐ विद्यायै नमः (३)
ॐ सर्वभूतहितप्रदायै नमः	ॐ श्रद्धायै नमः	ॐ विभूतयै नमः

ॐ सुरभ्यै नमः
 ॐ पद्मालयै नमः
 ॐ स्वाहायै नमः
 ॐ धन्यायै नमः
 ॐ नित्यपुष्टायै नमः
 ॐ दित्यै नमः
 ॐ कमलायै नमः
 ॐ क्रोधसम्भवायै नमः
 ॐ अनघायै नमः
 ॐ अमृतास्यायै नमः
 ॐ धर्मनिलयायै नमः
 ॐ पद्मप्रियायै नमः
 ॐ पद्मसुन्दर्यै नमः
 ॐ पद्मनाभप्रियायै नमः
 ॐ देव्यै नमः
 ॐ पुण्यगन्धायै नमः
 ॐ प्रभायै नमः
 ॐ चन्द्रसहोदर्यै नमः
 ॐ इन्दिरायै नमः
 ॐ पुष्ट्यै नमः
 ॐ सत्यै नमः
 ॐ पुष्ट्यै नमः
 ॐ शान्तायै नमः
 ॐ भास्कर्यै नमः
 ॐ यशस्विन्यै नमः
 ॐ हरिण्यै नमः
 ॐ सिद्धये नमः
 ॐ नृपवेश्मगतानन्दायै नमः
 ॐ शुभायै नमः
 ॐ जयायै नमः

ॐ परमात्मिकायै नमः
 ॐ पद्मायै नमः
 ॐ स्वधायै नमः
 ॐ हिरिण्यै नमः
 ॐ विभावर्यै नमः
 ॐ दीप्तायै नमः
 ॐ कान्तायै नमः
 ॐ अनुग्रहप्रदायै नमः
 ॐ हरिवल्लभायै नमः
 ॐ दीप्तायै नमः
 ॐ करुणायै नमः
 ॐ पद्महस्तायै नमः
 ॐ पद्मोद्भवायै नमः
 ॐ रमायै नमः
 ॐ पद्मिन्यै नमः
 ॐ सुप्रसन्नायै नमः
 ॐ चन्द्रवदनायै नमः
 ॐ चतुर्भुजायै नमः
 ॐ इन्दुशीतलायै नमः
 ॐ शिवायै नमः
 ॐ विमलायै नमः
 ॐ दारिद्र्यनाशिन्यै नमः
 ॐ शुक्लमाल्यांबरायै नमः
 ॐ बिल्वनिलयायै नमः
 ॐ वसुन्धरायै नमः
 ॐ हेममालिन्यै नमः
 ॐ स्त्रैणसौम्यायै नमः
 ॐ वरलक्ष्म्यै नमः
 ॐ हिरण्यप्राकारायै नमः
 ॐ मङ्गलायै नमः

ॐ वाचे नमः
 ॐ शुचये नमः
 ॐ सुधायै नमः
 ॐ लक्ष्म्यै नमः
 ॐ अदित्यै नमः
 ॐ वसुधारिण्यै नमः
 ॐ कामाक्ष्यै नमः
 ॐ भुद्धये नमः
 ॐ अशोकायै नमः
 ॐ लोकशोकविनाशिन्यै नमः
 ॐ लोकमात्रे नमः
 ॐ पद्माक्ष्यै नमः
 ॐ पद्ममुख्यै नमः
 ॐ पद्ममालाधरायै नमः
 ॐ पद्मगन्धिन्यै नमः
 ॐ प्रसादाभिमुख्यै नमः
 ॐ चन्द्रायै नमः
 ॐ चन्द्ररूपायै नमः
 ॐ आह्लादजनन्यै नमः
 ॐ शिवङ्कर्यै नमः
 ॐ विश्वजनन्यै नमः
 ॐ प्रीतिपुष्करिण्यै नमः
 ॐ श्रीयै नमः
 ॐ वारारोहायै नमः
 ॐ उदाराङ्गायै नमः
 ॐ धनधान्यकर्यै नमः
 ॐ शुभप्रदायै नमः
 ॐ वसुप्रदायै नमः
 ॐ समुद्रतनयायै नमः
 ॐ देव्यै नमः

ॐ विष्णुवक्षस्स्थलस्थितायै नमः ॐ विष्णुपत्न्यै नमः ॐ प्रसन्नाक्ष्यै नमः
 ॐ नारायणसमाश्रितायै नमः ॐ दारिद्र्यध्वंसिन्यै नमः ॐ देव्यै नमः
 ॐ सर्वोपद्रववारिण्यै नमः ॐ नवदुर्गायै नमः ॐ महाकाळ्यै नमः
 ॐ ब्रह्मविष्णुशिवात्मिकायै नमः ॐ त्रिकालज्ञानसम्पन्नायै नमः ॐ भुवनेश्वर्यै नमः (१०८)

-----००००-----

(३२) अथ सरस्वती अष्टोत्तर शतनामानि

श्रीमच्चन्दनचर्चितोज्ज्वलवपुश्शुक्लांबरामल्लिकामालालितकुन्तलाप्रविलसन्मुक्तावलीशोभना ।

सर्वज्ञाननिधानपुस्तकधरारुद्राक्षमालांकितावाग्देवीवदनां भुजेवसतुमेतैलोक्यमाताशुभा ॥

ॐ सरस्वत्यै नमः (१)	ॐ महाभद्रायै नमः (२)	ॐ महामायायै नमः (३)
ॐ वरप्रदायै नमः	ॐ श्रीप्रदायै नमः	ॐ पद्मनिलयायै नमः
ॐ पदमाक्ष्यै नमः	ॐ पद्मवक्त्रायै नमः	ॐ शिवानुजायै नमः
ॐ पुस्तकहस्तायै नमः	ॐ ज्ञानमुद्रायै नमः	ॐ रमायै नमः
ॐ कामरूपिण्यै नमः	ॐ महाविद्यायै नमः	ॐ महापातकनाशिन्यै नमः
ॐ महाश्रयायै नमः	ॐ मालिन्यै नमः	ॐ महाभोगायै नमः
ॐ महाभुजायै नमः	ॐ महाभागायै नमः	ॐ महोत्साहायै नमः
ॐ दिव्याङ्गायै नमः	ॐ सुरवन्दितायै नमः	ॐ महाकाळ्यै नमः
ॐ महापाशायै नमः	ॐ महाकारायै नमः	ॐ महाङ्कुशायै नमः
ॐ पीतायै नमः	ॐ विमालायै नमः	ॐ विश्वायै नमः
ॐ विद्युन्मालायै नमः	ॐ वैष्णव्यै नमः	ॐ चन्द्रिकायै नमः
ॐ चन्द्रिसद्रुशायै नमः	ॐ चन्द्रिलेखाविभूषितायै नमः	ॐ सावित्र्यै नमः
ॐ सुरसायै नमः	ॐ देव्यै नमः	ॐ दिव्यालङ्कारभूषितायै नमः
ॐ वाग्देव्यै नमः	ॐ वसुदायै नमः	ॐ तीव्रायै नमः
ॐ महाभाषायै नमः	ॐ महाबलायै नमः	ॐ भोगदायै नमः
ॐ भारत्यै नमः	ॐ भामायै नमः	ॐ गोविन्दायै नमः
ॐ गोमत्यै नमः	ॐ जटिलायै नमः	ॐ विन्द्यवासायै नमः
ॐ विन्द्याचलविराजितायै नमः	ॐ चण्डिकायै नमः	ॐ ब्राह्म्यै नमः
ॐ ब्रह्मज्ञान्यै नमः	ॐ ब्रह्मज्ञानैकसाधनायै नमः	ॐ सौदामिन्यै नमः
ॐ सुधामूर्त्यै नमः	ॐ सुभद्रायै नमः	ॐ सुशीलायै नमः
ॐ सुरपूजितायै नमः	ॐ सुवासिन्यै नमः	ॐ सुनासायै नमः
ॐ विनिद्रायै नमः	ॐ पद्मलोचनायै नमः	ॐ विद्यारूपायै नमः

ॐ विशालाक्ष्यै नमः	ॐ ब्रह्मजायायै नमः	ॐ महाफलायै नमः
ॐ त्रयीमूर्त्यै नमः	ॐ त्रिकालज्ञायै नमः	ॐ त्रिगुणायै नमः
ॐ शास्त्ररूपिण्यै नमः	ॐ शुम्भासुरप्रमथिन्यै नमः	ॐ शुभदायै नमः
ॐ स्वरात्मिकायै नमः	ॐ रक्तबीजनिकन्त्रियै नमः	ॐ चामुण्डायै नमः
ॐ अम्बिकायै नमः	ॐ मुण्डकायप्रहरणायै नमः	ॐ दूम्रलोचनमर्दिन्यै नमः
ॐ सर्वदेवस्तुतायै नमः	ॐ सौम्यायै नमः	ॐ सुरासुरनमस्कृतायै नमः
ॐ काळरात्र्यै नमः	ॐ कलाधारायै नमः	ॐ कालरूपिण्यै नमः
ॐ रूपसौभाग्यदायिन्यै नमः	ॐ वरारोहायै नमः	ॐ वाराह्यै नमः
ॐ वारिजासनायै नमः	ॐ चित्राम्बरायै नमः	ॐ चित्रगन्धायै नमः
ॐ चित्रमालाविभूषितायै नमः	ॐ कान्तायै नमः	ॐ कामप्रदायै नमः
ॐ वन्द्यायै नमः	ॐ विद्याधरसुपूजितायै नमः	ॐ श्वेताननायै नमः
ॐ नीलभुजायै नमः	ॐ श्वेतस्तनायै नमः	ॐ रक्तमद्यायै नमः
ॐ नीलजङ्घायै नमः	ॐ निरुपायै नमः	ॐ निरञ्जनायै नमः
ॐ चतुराननसाम्राज्यायै नमः	ॐ चतुर्वर्गफलप्रदायै नमः	ॐ हम्सासनायै नमः
ॐ ब्रह्मविष्णुशिवात्मिकायै नमः	ॐ वागीशायै नमः	ॐ भारत्यै नमः (१०८)

-----००००-----

(३३) अथ शारदा अष्टोत्तर शतनामानि

ॐ स्मितोद्धतराकानिषानकायै कपोलप्रभानिर्जितादर्शकायै ।
स्वनेत्रावधूताङ्गजातध्वजायै सरोजोथ सत्यै नमःशारदायै ॥

ॐ श्री शारदायै नमः (१)	ॐ श्रीमात्रे नमः (२)
ॐ दृढविरागिन्यै नमः	ॐ श्री अरुणाचलशिवप्रियायै नमः
ॐ लक्ष्मणकृपाप्राप्त आत्मसाक्षात्कारायै नमः	ॐ नष्टमानसायै नमः
ॐ हृदयकुहरनिवासिन्यै नमः	ॐ सञ्चिदानन्द रूपिण्यै नमः
ॐ जाग्रत्स्वप्नसुषुप्ति साक्षिभूतायै नमः	ॐ शान्त्यै नमः
ॐ कान्त्यै नमः	ॐ दयारूपिण्यै नमः
ॐ प्रेमरूपायै नमः	ॐ तेजोवत्यै नमः
ॐ सूक्ष्मरूपिण्यै नमः	ॐ अचिन्त्यरूप्यायै नमः
ॐ आत्मविद्यायै नमः	ॐ गुरुमूर्तये नमः
ॐ आत्मने नमः	ॐ ज्ञानगम्यायै नमः
ॐ महायोगिन्यै नमः	ॐ चित्तनाशकायै नमः
ॐ द्वैतवर्जितायै नमः	ॐ ब्रह्मात्मैकस्वरूप्यै नमः

ॐ सहजसमाधिस्थितायै नमः
 ॐ हृदयनटेश्वर्यै नमः
 ॐ जन्मरहितायै नमः
 ॐ परञ्जोतिशे नमः
 ॐ सर्वान्तर्यामिन्यै नमः
 ॐ निरामयायै नमः
 ॐ नित्यतृप्तायै नमः
 ॐ क्षेत्रक्षेत्रज्ञपालिन्यै नमः
 ॐ कृतज्ञायै नमः
 ॐ तत्त्वमयै नमः
 ॐ गुणातीतायै नमः
 ॐ भुक्तिमुक्तिप्रदायिन्यै नमः
 ॐ सर्वस्वरूपिण्यै नमः
 ॐ सर्वभूतात्मायै नमः
 ॐ अभयप्रदायिन्यै नमः
 ॐ सिद्धिबुद्धिप्रदायै नमः
 ॐ महापापहरायै नमः
 ॐ भक्तसौभाग्यदायिन्यै नमः
 ॐ जीवन्मुक्तायै नमः
 ॐ नित्यायै नमः
 ॐ त्रिगुणातीतायै नमः
 ॐ नित्यमुक्तायै नमः
 ॐ तुर्यातीतायै नमः
 ॐ निस्संशयायै नमः
 ॐ निश्चिन्तायै नमः
 ॐ भेदनाशिन्यै नमः
 ॐ परमायै नमः
 ॐ वर्णाश्रममतातीतायै नमः
 ॐ तत्पदलक्षार्दायै नमः
 ॐ व्यक्ताव्यक्तस्वरूपिण्यै नमः
 ॐ मनोवाचागोचराय्यै नमः
 ॐ विघ्ननाशिण्यै नमः

ॐ सर्वोपादिविनिर्मुक्तायै नमः
 ॐ मुक्तिदायै नमः
 ॐ पूज्यायै नमः
 ॐ परात्परायै नमः
 ॐ मृत्युञ्जयायै नमः
 ॐ धीरायै नमः
 ॐ वेदवेद्यायै नमः
 ॐ पशुपाशविमोचिन्यै नमः
 ॐ निर्वाणसुखदायिन्यै नमः
 ॐ विश्वमात्रे नमः
 ॐ अन्तर्मुखसमाराद्यै नमः
 ॐ कृपापूर्णायै नमः
 ॐ सर्वसंक्षिण्यै नमः
 ॐ निष्कलङ्कायै नमः
 ॐ सर्वमङ्गलमाङ्गल्यै नमः
 ॐ आद्यन्तरहितायै नमः
 ॐ भावनागम्यायै नमः
 ॐ भक्तप्रियायै नमः
 ॐ आत्मविद्याविशारदायै नमः
 ॐ नामरूपविवर्जितायै नमः
 ॐ निष्कामायै नमः
 ॐ निष्प्रपञ्चायै नमः
 ॐ निरहङ्कारायै नमः
 ॐ अचलायै नमः
 ॐ भवनाशिन्यै नमः
 ॐ सर्वज्ञे नमः
 ॐ कालिकारूपिण्यै नमः
 ॐ करुणारससागरायै नमः
 ॐ देशकालातीतायै नमः
 ॐ जगदितावतारायै नमः
 ॐ पञ्चकोशान्तरस्थितायै नमः
 ॐ वयोवस्ताविवर्जितायै नमः

ॐ चिन्मयै नमः
 ॐ दक्षिणामूर्तिरूपिण्यै नमः
 ॐ विश्वरूपायै नमः
 ॐ सत्यज्ञानानन्दरूपिण्यै नमः
 ॐ पूर्णायै नमः
 ॐ सुकृद्जनसुलभायै नमः
 ॐ विनतायै नमः
 ॐ पद्मनयनायै नमः
 ॐ बन्धमोचिण्यै नमः
 ॐ अरिषड्वर्गविजेतायै नमः

ॐ महालाक्ष्मीरूपायै नमः
 ॐ ब्रह्मण्यै नमः
 ॐ शिवज्ञानप्रदायिण्यै नमः
 ॐ अर्धनारीश्वर्यै नमः
 ॐ कार्यकारणनिर्मुक्तायै नमः
 ॐ अनुपमायै नमः
 ॐ शाश्वत्यै नमः
 ॐ मन्दस्मितायै नमः
 ॐ भक्तजनाश्रयन्तवरदायै नमः
 ॐ अमृतायै नमः ॥ (१०८)

(३४) अथ बाला अष्टोत्तर शतनामानि

अरुणकिरणजालै रञ्जितासावकाशाविधृतजपवटीकापुस्तकाभीतिहस्ता ।
 इतरतरवराड्यास्फुल्लकल्हारसम्स्था निसतुहृदिबालानित्यकल्याणशीला ॥

ॐ बालायै नमः (१)
 ॐ श्रीमत्पञ्चासनेश्वर्यै नमः
 ॐ शिवमानसहंसिन्यै नमः
 ॐ त्रिनेत्रायै नमः
 ॐ त्रिमूर्तिन्यै नमः
 ॐ त्रयम्बककुटुम्बिन्यै नमः
 ॐ नीलालकलसत्कचायै नमः
 ॐ लोलमौक्तिकनासिकायै नमः
 ॐ स्वर्णताटङ्कशोभितायै नमः
 ॐ दाडिमीबीजरदनायै नमः
 ॐ मन्दहासिन्यै नमः
 ॐ चतुर्हस्तायै नमः
 ॐ ग्रैवाङ्गदेयमाङ्गल्यसूत्रशोभितकरन्धायै नमः
 ॐ निर्मनायै नमः
 ॐ मृतावलोकिन्यै नमः
 ॐ कुसुम्बवदनोज्ज्वलायायै नमः
 ॐ हेमभूषितविग्रहायै नमः

ॐ महादेव्यै नमः (२)
 ॐ शिववामाङ्गभूतायै नमः
 ॐ त्रक्षायै नमः
 ॐ त्रिगुणायै नमः
 ॐ त्रिजन्मपापसंहन्त्रै नमः
 ॐ बालार्ककोटिसङ्काशायै नमः
 ॐ फालस्थहेमतिलकायै नमः
 ॐ पूर्णचन्द्राननायै नमः
 ॐ हरिणीनेत्रआकारकरुणापूर्णलोचनायै नमः
 ॐ बिम्बोष्ठ्यै नमः
 ॐ शङ्खग्रीवायै नमः
 ॐ कुचपङ्कजकुट्मलायै नमः
 ॐ वटपत्रोदरायै नमः
 ॐ घनमण्डितायै नमः
 ॐ मध्यायै नमः
 ॐ तप्तकाञ्चनकान्तिदायै नमः
 ॐ माणिक्यमुकुरादर्शनानुद्वयविराजितायै नमः

ॐ कामतूणीरजघनायै नमः
 ॐ रक्ताब्जपादयुगळायै नमः
 ॐ वासवादिदिशानाथपूजिताङ्घ्रिसरोरुहायै नमः
 ॐ पुस्तकधारिण्यै नमः
 ॐ सर्वाभरणभूषाड्यै नमः
 ॐ ऐङ्काररूपायै नमः
 ॐ ऐश्वर्यफलदायिन्यै नमः
 ॐ क्लीङ्कारायै नमः
 ॐ सौङ्काररूपायै नमः
 ॐ सौन्दर्यगुणसम्युतायै नमः
 ॐ बिन्दुत्रिकोणषट्कोणवृताष्टदलसम्युतायै नमः
 ॐ ओङ्घ्राणपीठनिलायै नमः
 ॐ अनङ्गपीठवासिन्यै नमः
 ॐ जालान्धरमहापीठायै नमः
 ॐ पूर्णागिरीपीठवासिन्यै नमः
 ॐ मन्त्रमूर्तिन्यै नमः
 ॐ महावेगायै नमः
 ॐ महाबुध्यै नमः
 ॐ महादेवमनोहर्यै नमः
 ॐ कीर्तिधरायै नमः
 ॐ व्याधिशैलव्यूहवज्रायै नमः
 ॐ वरमूर्तिग्रहावासायै नमः
 ॐ कृपानिधये नमः
 ॐ कृतार्थफलदायिन्यै नमः
 ॐ चतुष्पष्टिकलात्मकायै नमः
 ॐ बिन्दुनादस्वरूपिण्यै नमः
 ॐ दिविपूजायै नमः
 ॐ आगमारण्यमायूर्यायै नमः
 ॐ कादम्बवनसम्पन्नायै नमः
 ॐ सामगानप्रियायै नमः
 ॐ ज्ञानमूर्तिन्यै नमः
 ॐ ज्ञानायै नमः

ॐ कामप्रेष्टगतल्पगायै नमः
 ॐ क्णन्माणिक्यनूपुरायै नमः
 ॐ वराभयस्फटिकाक्षमालायै नमः
 ॐ स्वर्णकङ्कणजालाभकराङ्गुष्ठविराजितायै नमः
 ॐ सर्वावयवसुन्दर्यै नमः
 ॐ ऐङ्कारायै नमः
 ॐ क्लीङ्काररूपायै नमः
 ॐ क्लृप्तब्रह्माण्डमण्डलायै नमः
 ॐ सौङ्कारायै नमः
 ॐ सचामररतीन्द्राणिसव्यदक्षिणसेवितायै नमः
 ॐ रत्यादिलोकपालान्तदेव्यैरावृतसेवितायै नमः
 ॐ ओजस्तेजस्वरूपिण्यै नमः
 ॐ कामितार्थफलप्रदायै नमः
 ॐ जानकीनाथसोदर्यै नमः
 ॐ पूर्णायुस्सुप्रदायिन्यै नमः
 ॐ महायोगायै नमः
 ॐ महाबलायै नमः
 ॐ महासिध्यै नमः
 ॐ कीर्तियुतायै नमः
 ॐ कीर्तिवैभवायै नमः
 ॐ यमवृक्षकुटारकायै नमः
 ॐ परमार्थस्वरूपिण्यै नमः
 ॐ कृपापूरायै नमः
 ॐ अष्टत्रृप्शत्दमायै नमः
 ॐ चतुरङ्गफलदात्रै नमः
 ॐ दशाब्दवयसोपेतायै नमः
 ॐ शिवायै नमः
 ॐ आदिमध्यान्तवर्जितायै नमः
 ॐ सर्वदोषविनाशिन्यै नमः
 ॐ गुहायै नमः
 ॐ ज्ञानरूपायै नमः
 ॐ भयसम्हरायै नमः

ॐ तत्त्वमानसायै नमः
 ॐ तत्त्वमय्यै नमः
 ॐ ध्यानसाधिन्यै नमः
 ॐ विजयारोग्यायै नमः
 ॐ मन्दस्मितमुखाम्भोजायै नमः

ॐ तत्त्वरूपायै नमः
 ॐ मुद्रायै नमः
 ॐ दीर्घायुष्यै नमः
 ॐ पुत्रपौत्रप्रदायिन्यै नमः
 ॐ बाहुळप्रदमाङ्गल्यायै नमः (१०८)

-----००००-----

(३५) अथ त्रिपुरसुन्दरी अष्टोत्तर शतनामानि

हस्ताभ्यांपुष्पबाणं रिपुहरणमयं अङ्कुशञ्चैवभद्रां बिभ्राणांदक्षिणाभ्यां मणिमयकुठां इक्षुचापञ्चपाशं ।
 वामाभ्यांरत्नकान्तीपरिवृतजघनां रत्नकेयूरहारां दिव्यालङ्कारयुक्तां त्रिभुवनजननींदिव्यगन्धानुलिप्तां ।।
 कदम्बवनवासिनीं कनकवल्लकीधारिणीं । महार्हमणिधारिणींसुखसमुल्लसद्धारिणीं ।
 दयाविभवकारिणीं विषदलोचनींचारिणीं । त्रिलोचनकुटुम्बिनींत्रिपुरसुन्दरीमाश्रये ।।

ॐ कल्याण्यै नमः (१)
 ॐ मायायै नमः
 ॐ त्रिपुरसुन्दर्यै नमः
 ॐ सौन्दर्यै नमः
 ॐ सर्वमङ्गलायै नमः
 ॐ स्कन्दजनन्यै नमः
 ॐ पञ्चदशाक्षर्यै नमः
 ॐ सर्वाशापुरवल्लबायै नमः
 ॐ सर्वसौभाग्यदायिन्यै नमः
 ॐ सर्वरक्षाकराधिपायै नमः
 ॐ सर्वसिद्धिप्रदाधिपायै नमः
 ॐ योगिन्यै नमः
 ॐ भक्तानुग्रहरक्ताङ्ग्यै नमः
 ॐ पुष्पबाणेश्कुकोदण्डपाशाङ्कुशलसत्करायै नमः
 ॐ श्रीविद्यायै नमः
 ॐ सर्वसंक्षोभनापूर्वायै नमः
 ॐ ऐश्वर्यायायै नमः
 ॐ चक्रेश्यै नमः
 ॐ गुप्तायै नमः
 ॐ नित्यायै नमः

ॐ त्रिपुरायै नमः (२)
 ॐ बालायै नमः
 ॐ सौभाग्यवत्यै नमः
 ॐ क्लीङ्कार्यै नमः
 ॐ ऐङ्कर्यै नमः
 ॐ परायै नमः
 ॐ त्रैलोक्यमोहनाधीशायै नमः
 ॐ सर्वसंक्षोभनाधीशायै नमः
 ॐ सर्वार्थसाधकादीशायै नमः
 ॐ सर्वरोगहराधीशायै नमः
 ॐ सर्वानन्दमयाधीशायै नमः
 ॐ चक्रनायिकायै नमः
 ॐ शङ्करार्धशरीरिण्यै नमः
 ॐ सञ्चिदानन्दलहर्यै नमः
 ॐ त्रिपुरेश्वर्यै नमः
 ॐ नवमुद्रेश्वर्यै नमः
 ॐ अनङ्गकुसुमाराध्यायै नमः
 ॐ भुवनेश्वर्यै नमः
 ॐ गुप्ततरायै नमः
 ॐ नित्यक्लिन्नायै नमः

ॐ मदद्रवायै नमः
 ॐ परमानन्दायै नमः
 ॐ तरुण्यै नमः
 ॐ कलालापायै नमः
 ॐ भगवत्यै नमः
 ॐ रक्तवस्त्रायै नमः
 ॐ रक्तगन्धानुलेपनायै नमः
 ॐ मन्त्रिण्यै नमः
 ॐ तत्त्वत्रयायै नमः
 ॐ सिद्धान्तपुरवासिन्यै नमः
 ॐ महादेव्यै नमः
 ॐ परदेवतायै नमः
 ॐ वशिन्यै नमः
 ॐ सप्तमातृकायै नमः
 ॐ देवमयायै नमः
 ॐ किङ्करीभूतगीर्वाण्यै नमः
 ॐ आदरवीथिपतिकायै नमः
 ॐ मणिपूरसमासीनायै नमः
 ॐ विशुद्धपद्मनिलयायै नमः
 ॐ स्वराब्जपत्रनिलयायै नमः
 ॐ समयाचारमध्यस्थायै नमः
 ॐ योगीश्वरमनोध्येयायै नमः
 ॐ चतुर्भुजायै नमः
 ॐ पद्मरागसमप्रभायै नमः
 ॐ भूतमय्यै नमः
 ॐ षोडान्यासमहाभूषायै नमः
 ॐ दशमातृकायै नमः
 ॐ लक्ष्म्यै नमः
 ॐ रहःपूजासमालोलायै नमः
 ॐ त्रिकोणमध्यनिलयायै नमः
 ॐ वसुकोणपुराधीशायै नमः
 ॐ चतुर्दशारचक्रस्थायै नमः

ॐ मोहिन्यै नमः
 ॐ कामेश्यै नमः
 ॐ कलायै नमः
 ॐ कलावत्यै नमः
 ॐ पद्मरागकिरीटिन्यै नमः
 ॐ रत्नभूषायै नमः
 ॐ सवगन्धिकमिळद्वेण्यै नमः
 ॐ मन्त्ररूपिण्यै नमः
 ॐ तत्त्वमयायै नमः
 ॐ श्रीमत्यै नमः
 ॐ काळिन्यै नमः
 ॐ कैवल्यरेखायै नमः
 ॐ सर्वेश्यै नमः
 ॐ विष्णुरूपायै नमः
 ॐ सर्वसम्पत्प्रदायिन्यै नमः
 ॐ सुधापानविमोहिन्यै नमः
 ॐ स्वाधिष्ठानसमाश्रितायै नमः
 ॐ अनाहतनिवासिन्यै नमः
 ॐ आग्याचक्रसमाश्रितायै नमः
 ॐ अष्टत्रिगुम्शत्कलात्मिकायै नमः
 ॐ शुशुम्नाद्वारमध्यघायै नमः
 ॐ परब्रह्मस्वरूपिण्यै नमः
 ॐ चन्द्रचूडायै नमः
 ॐ भूतेश्वर्यै नमः
 ॐ पञ्चाशद्वर्णरूपिन्यै नमः
 ॐ कामाक्ष्यै नमः
 ॐ आधारशक्तिचरणायै नमः
 ॐ त्रिपुरभैरव्यै नमः
 ॐ रहोयज्ञस्वरूपिण्यै नमः
 ॐ षट्कोणपुरवासिन्यै नमः
 ॐ दशारद्वयवासिन्यै नमः
 ॐ वसुपत्रनिवासिन्यै नमः

ॐ स्वाराज्यसुखप्रदायै नमः
ॐ बिन्दुचक्रनिवासिन्यै नमः
ॐ श्रीरूपायै नमः

ॐ चतुरश्रयत्रयगतायै नमः
ॐ शिवङ्कर्यै नमः
ॐ महात्रिपुरसुन्दर्यै नमः (१०९)

-----००००-----

(३६) अथ भुवनेश्वरी अष्टोत्तर शतनामानि

पाशाङ्कुशाभयवरोज्ज्वलपद्महस्तां पीताम्बरींकनकभूषणभूषिताङ्गी ।
आशोडशाक्षरकलावृतपद्मवासां एकाक्षरीं त्रिभुवनाधिपतिं नमामि ॥

ॐ महामायायै नमः (१)
ॐ महोत्कटायै नमः
ॐ ब्रह्माण्यै नमः
ॐ योगरूपायै नमः
ॐ विजयायै नमः
ॐ हिमगुळायै नमः
ॐ ज्वालरूपिण्यै नमः
ॐ कुलमार्गप्रदायिन्यै नमः
ॐ सुकुल्यायै नमः
ॐ वामाचारायै नमः
ॐ योगिनीरूपायै नमः
ॐ पद्मावत्यै नमः
ॐ सरस्वत्यै नमः
ॐ मायायै नमः
ॐ कान्तायै नमः
ॐ सुचक्षुषे नमः
ॐ कुमार्यै नमः
ॐ पद्मरागिण्यै नमः
ॐ चण्डिकायै नमः
ॐ मूर्त्यै नमः
ॐ आकाश्यायै नमः
ॐ शर्मदायै नमः
ॐ गायत्र्यै नमः
ॐ तीर्थगामिन्यै नमः

ॐ महाविद्यायै नमः (२)
ॐ माहेश्वर्यै नमः
ॐ ब्रह्मरूपिण्यै नमः
ॐ योगिनीकोटिसेवितायै नमः
ॐ कौमार्यै नमः
ॐ विलासिन्यै नमः
ॐ ईश्वर्यै नमः
ॐ वैष्णव्यै नमः
ॐ कुलपूजितायै नमः
ॐ वामदेवप्रियायै नमः
ॐ भूतेश्यै नमः
ॐ पद्मनेत्रायै नमः
ॐ भूचर्यै नमः
ॐ मातङ्ग्यै नमः
ॐ पतिव्रतायै नमः
ॐ कुण्डवासिन्यै नमः
ॐ लोकेश्यायै नमः
ॐ इन्द्राण्यै नमः
ॐ वायुवल्लभायै नमः
ॐ जलरूपायै नमः
ॐ रणगायै नमः
ॐ मोक्षधायै नमः
ॐ सवित्र्यै नमः
ॐ अष्टम्यै नमः

ॐ महायोगायै नमः (३)
ॐ कुमार्यै नमः
ॐ वागीश्वर्यै नमः
ॐ जयायै नमः
ॐ सर्वमङ्गलायै नमः
ॐ ज्वालिन्यै नमः
ॐ क्रूरसमहार्यै नमः
ॐ सुभगाकारायै नमः
ॐ वामाङ्गायै नमः
ॐ डाकिन्यै नमः
ॐ भूतनायिकायै नमः
ॐ प्रबुद्धायै नमः
ॐ खेचर्यै नमः
ॐ भुवनेश्वर्यै नमः
ॐ साक्षिण्यै नमः
ॐ उमायै नमः
ॐ सुकेश्यायै नमः
ॐ ब्रह्मचण्डाळ्यै नमः
ॐ सर्वधातुमय्यै नमः
ॐ जलोदर्यै नमः
ॐ नृकपालविभूषणायै नमः
ॐ धर्मार्थकामदायिन्यै नमः
ॐ त्रिसन्ध्यायै नमः
ॐ नवम्यै नमः

ॐ दशम्यै नमः	ॐ एकादश्यै नमः	ॐ पौर्णमास्यै नमः
ॐ कुहूरूपायै नमः	ॐ तिथिमूर्तिस्वरूपिण्यै नमः	ॐ सुरारिनाशकर्यै नमः
ॐ उग्ररूपायै नमः	ॐ वत्सलायै नमः	ॐ अनलायै नमः
ॐ अर्धमात्रायै नमः	ॐ अरुणायै नमः	ॐ पीतलोचनायै नमः
ॐ लज्जायै नमः	ॐ सरस्वत्यै नमः	ॐ विद्यायै नमः
ॐ भवान्यै नमः	ॐ पापनाशिन्यै नमः	ॐ नागपाशधरमूर्त्यै नमः
ॐ अगाधायै नमः	ॐ धृतकुण्डलायै नमः	ॐ क्षत्ररूपायै नमः
ॐ क्षयकर्यै नमः	ॐ तेजस्विन्यै नमः	ॐ शुचिस्मितायै नमः
ॐ अव्यक्तायै नमः	ॐ शम्भुरूपायै नमः	ॐ मनस्विन्यै नमः
ॐ मातङ्ग्यै नमः	ॐ मत्तमातङ्ग्यै नमः	ॐ महादेवप्रियायै नमः
ॐ दैत्यघ्न्यै नमः	ॐ वाराह्यै नमः	ॐ सर्वशास्त्रमय्यै नमः
ॐ शुभायै नमः	ॐ भुवनेश्वर्यै नमः (१०७)	

-----००००-----

(३७) अथ मनोन्मनी अष्टोत्तर शतनामानि

श्यामनिभवेदकर वह्निनयनंस्यात् पङ्कजवराभयजपाक्षवल्युक्तं ।
अङ्गहिमभूषण विचित्रवसनंस्यात् तुङ्गमकुटोज्ज्वलमनोन्मनिस्वरूपं ॥

ॐ मनोन्मनिशक्त्यै नमः (१)	ॐ शिवशक्त्यै नमः (२)	ॐ शिवङ्कर्यै नमः (३)
ॐ इच्छाशक्त्यै नमः	ॐ ज्ञानशक्त्यै नमः	ॐ क्रियाशक्त्यै नमः
ॐ शान्त्यतीतकलायै नमः	ॐ शिवमायै नमः	ॐ शिवप्रियायै नमः
ॐ सर्वज्ञायै नमः	ॐ सुधार्यायै नमः	ॐ सौम्यायै नमः
ॐ सञ्चिदानन्दविग्रहायै नमः	ॐ परापरायै नमः	ॐ बालायै नमः
ॐ त्रिपुरायै नमः	ॐ कुण्डल्यै नमः	ॐ शिवायै नमः
ॐ रुद्राण्यै नमः	ॐ विजायै नमः	ॐ सर्वायै नमः
ॐ सर्वाण्यै नमः	ॐ भुवनेश्वर्यै नमः	ॐ कल्याण्यै नमः
ॐ शूलिन्यै नमः	ॐ कान्तायै नमः	ॐ महात्रिपुरसुन्दर्यै नमः
ॐ मालिन्यै नमः	ॐ मानिन्यै नमः	ॐ सर्वदात्र्यै नमः
ॐ मदनायै नमः	ॐ उल्लासमोहिन्यै नमः	ॐ माहेश्वर्यायै नमः
ॐ सुमाताङ्गिन्यै नमः	ॐ शिवकाम्यै नमः	ॐ चिदात्मिकायै नमः
ॐ कामाक्षिकायै नमः	ॐ कमलाक्ष्यै नमः	ॐ महादेव्यै नमः

ॐ महाकाळ्यै नमः	ॐ जनप्रियायै नमः	ॐ चित्परायै नमः
ॐ चिद्धनानन्दायै नमः	ॐ चिन्मयायै नमः	ॐ चित्स्वरूपिण्यै नमः
ॐ महासरस्वत्यै नमः	ॐ दुर्गायै नमः	ॐ ज्वलदुर्गायै नमः
ॐ अतिदुःखहरायै नमः	ॐ विपुलायै नमः	ॐ शुद्धविद्यायै नमः
ॐ शारदानन्दविग्रहायै नमः	ॐ अनन्तविग्रहायै नमः	ॐ सोमधरायै नमः
ॐ सुप्रभाजलायै नमः	ॐ इन्द्राक्ष्यै नमः	ॐ सर्पमोहिन्यै नमः
ॐ महेन्द्रजालमध्यस्थायै नमः	ॐ मायामयायै नमः	ॐ महामोहिन्यै नमः
ॐ विद्येश्वर्यै नमः	ॐ विद्याजालविनोदिन्यै नमः	ॐ मन्त्रेश्वर्यै नमः
ॐ महालक्ष्म्यै नमः	ॐ महागत्यै नमः	ॐ फलप्रदायै नमः
ॐ चतुर्वेदविषेशज्ञायै नमः	ॐ सावित्र्यै नमः	ॐ सर्वदेवतायै नमः
ॐ महेन्द्राण्यै नमः	ॐ महाभैरवमोहिन्यै नमः	ॐ चण्डमुण्डकुलान्तकायै नमः
ॐ चक्रेश्वर्यै नमः	ॐ चतुर्वेद्यै नमः	ॐ चक्रेश्वरनायिकायै नमः
ॐ षट्शास्त्रनिपुणायै नमः	ॐ नित्यानन्दायै नमः	ॐ षट्निपुणशास्त्रायै नमः
ॐ षडङ्गनिपुणायै नमः	ॐ कलातीतायै नमः	ॐ कविराजमनोहरायै नमः
ॐ शारदातिलकाकारायै नमः	ॐ धीरसुजनप्रियायै नमः	ॐ उग्रमायायै नमः
ॐ विभ्रमायायै नमः	ॐ रणप्रियायै नमः	ॐ अरूपूर्णेश्वर्यै नमः
ॐ मात्रे नमः	ॐ स्वर्णाकारतटित्प्रभायै नमः	ॐ सुरसज्जनवर्णाराध्यायै नमः
ॐ गद्यपद्यादिकरणायै नमः	ॐ पदवाक्यनिलयायै नमः	ॐ विभुनादादिकरणायै नमः
ॐ मोक्षेचमहिष्यै नमः	ॐ उमायै नमः	ॐ फलप्रदायै नमः
ॐ विज्ञानदायिन्यै नमः	ॐ प्राज्ञायै नमः	ॐ विज्ञानायै नमः
ॐ विज्ञानफलदायै नमः	ॐ अङ्गारायै नमः	ॐ कालशक्त्यै नमः
ॐ उन्मनायै नमः	ॐ श्यामायै नमः	ॐ चतुर्हस्तायै नमः
ॐ त्रिणयनायै नमः	ॐ विचित्रवसनायै नमः	ॐ श्रीमनोन्मन्यै नमः (१०८)

-----००००-----

(३८) अथ राजराजेस्वरी अष्टोत्तर शतनामानि

अरुणांकरुणातरङ्गिताक्षीं धृतपाशाङ्कुशपुष्पबाणचापां अणिमादिभिरावृतां मयूखैरहमित्येव विभावये भवानीं ।
 अम्बाशूलधनुःकुशाम्कुशधरी अर्धेन्दुबिम्बाधरी । वाराहीमधुकैटभप्रशमणी वानीरमासेविता ।
 मल्लाद्यासुरमुखदैत्यदमनी माहेश्वरी अम्बिका । चिद्रूपीपरदेवता भगवती श्रीराजराजेस्वरी ॥

ॐ महासम्मोहिन्यै नमः (१)	ॐ महादेव्यै नमः (२)	ॐ सौन्दर्यै नमः (३)
ॐ भुवनेश्वर्यै नमः	ॐ शुकाक्ष्यै नमः	ॐ महामन्त्री नमः

ॐ एकाङ्ग्यै नमः	ॐ एकनायक्यै नमः	ॐ एकरूप्यै नमः
ॐ स्थूलसूक्ष्मै नमः	ॐ नारायण्यै नमः	ॐ बिन्दुरूप्यै नमः
ॐ निरूपिण्यै नमः	ॐ सङ्ग्रामजयकारिण्यै नमः	ॐ मनोन्मन्यै नमः
ॐ पराशक्त्यै नमः	ॐ योगिन्यै नमः	ॐ पापनाशिन्यै नमः
ॐ आपत्सख्यै नमः	ॐ दयारूप्यै नमः	ॐ वैष्णव्यै नमः
ॐ भद्रकाळ्यै नमः	ॐ भक्तिप्रियायै नमः	ॐ हरिब्रह्मादिकारिण्यै नमः
ॐ शिवरूप्यै नमः	ॐ विष्णुरूप्यै नमः	ॐ क्षमारूप्यै नमः
ॐ सुखासिन्यै नमः	ॐ पुराण्यै नमः	ॐ पुण्यरूपायै नमः
ॐ सावित्र्यै नमः	ॐ पद्मधारिण्यै नमः	ॐ रुद्राण्यै नमः
ॐ पार्वत्यै नमः	ॐ इन्द्राण्यै नमः	ॐ शङ्करार्धशरीरिण्यै नमः
ॐ महालक्ष्मै नमः	ॐ सुमङ्गल्यै नमः	ॐ अकारादिक्षकारान्तायै नमः
ॐ अष्टत्रिगुणशक्तलाधारिण्यै नमः	ॐ सर्वमात्रगणनाथायै नमः	ॐ शरीरोत्पत्तिकारिण्यै नमः
ॐ महाज्ञानिन्यै नमः	ॐ दलमालायै नमः	ॐ पद्मावत्यै नमः
ॐ हृस्मिन्यै नमः	ॐ जनन्यै नमः	ॐ मृत्युनाशिन्यै नमः
ॐ सुभद्रायै नमः	ॐ तत्पुरुषायै नमः	ॐ पीतवस्त्रायै नमः
ॐ अघोरायै नमः	ॐ महारौद्र्यै नमः	ॐ नानाचलकुलेश्वर्यै नमः
ॐ सद्योजातायै नमः	ॐ कलारूप्यै नमः	ॐ सोमसूर्याग्निलोचनायै नमः
ॐ गुणत्रयायै नमः	ॐ शाम्भव्यै नमः	ॐ अमलायै नमः
ॐ हैमवत्यै नमः	ॐ शिवायै नमः	ॐ नवयौवनायै नमः
ॐ त्रिपुरभैरव्यै नमः	ॐ सिंहासिन्यै नमः	ॐ योगिन्यै नमः
ॐ पद्मारूढायै नमः	ॐ काळ्यै नमः	ॐ दुर्गाम्बायै नमः
ॐ कामरूपायै नमः	ॐ कामाक्ष्यै नमः	ॐ कारुण्यनेत्र्यै नमः
ॐ कण्यारूप्यै नमः	ॐ त्र्यम्बक्यै नमः	ॐ शक्त्यै नमः
ॐ शूलिन्यै नमः	ॐ त्रिपुरसुन्दर्यै नमः	ॐ दिगम्बर्यै नमः
ॐ जटाधार्यै नमः	ॐ चन्द्रार्धक्रदशेखरायै नमः	ॐ अभयेश्वराम्बायै नमः
ॐ लोकरक्षाकर्यै नमः	ॐ पिनाकिन्यै नमः	ॐ नागधारिण्यै नमः
ॐ वज्रशक्त्यै नमः	ॐ मृगधारिण्यै नमः	ॐ शुद्धेभांशुकधारिण्यै नमः
ॐ शूलडमरुकहस्तायै नमः	ॐ पाशाङ्कुशधारिण्यै नमः	ॐ शङ्खखड्वाङ्गधरायै नमः
ॐ चक्रखड्वाङ्गधरायै नमः	ॐ अरूप्यै नमः	ॐ बहुरूप्यै नमः
ॐ स्तिम्बिन्यै नमः	ॐ कामपञ्चत्यै नमः	ॐ कल्याण्यै नमः
ॐ चिद्रूप्यै नमः	ॐ उदुराजबिम्बवदनायै नमः	ॐ चतुर्भुजायै नमः
ॐ त्रिनेत्रायै नमः	ॐ हुल्लेखायै नमः	ॐ परमेश्वर्यै नमः

ॐ अबलायै नमः

ॐ त्रैलोक्यजनन्यै नमः

ॐ शक्तिपरत्पायै नमः

ॐ परदेवतायै नमः

ॐ देव्यै नमः

ॐ त्रिपुरसुन्दर्यै नमः

ॐ आर्यायै नमः

ॐ नमस्तेशैलनायक्यै नमः

ॐ श्रीराजराजेस्वर्यै नमः

-----००००-----

(३९) अथ काळी अष्टोत्तर शतनामानि

चतुर्भुजां त्रिणेत्रांच काळकण्ठीञ्च कर्णिकां । दंष्ट्राकराळवदनां व्याघ्रचर्मांबरावृतां ।
खेटकं शूलहस्तंच कपालं डमरुश्रृतां । किङ्किणीमालयायुक्तां भजेत्काळीवरप्रदां ॥

ॐ काळ्यै नमः (१)

ॐ कङ्काळरसनावृतायै नमः

ॐ करवीरप्रियायै नमः

ॐ नीलाञ्जनसमप्रभायै नमः

ॐ तारकघ्नै नमः

ॐ खड्गिण्यै नमः

ॐ डाकिन्यै नमः

ॐ मालिन्यै नमः

ॐ मनोन्मन्यै नमः

ॐ महाध्वन्यै नमः

ॐ मायायै नमः

ॐ शत्रुवीरनाशनायै नमः

ॐ कुमार्यै नमः

ॐ सर्वजनन्यै नमः

ॐ सर्वचारुसुपूरकायै नमः

ॐ पूर्णायै नमः

ॐ चक्रनाथायै नमः

ॐ श्यामवर्णायै नमः

ॐ वीरदेव्यै नमः

ॐ व्याघ्रासनायै नमः

ॐ गरुडासनायै नमः

ॐ भस्माक्षधारिण्यै नमः

ॐ चन्द्रचूडायै नमः

ॐ कराळ्यै नमः (१)

ॐ कपाळधारिण्यै नमः

ॐ नीलाळकायै नमः

ॐ मांसाशनायै नमः

ॐ ज्वलन्नेत्रे नमः

ॐ योगिन्यै नमः

ॐ काकिन्यै

ॐ मात्रुकासेव्यायै नमः

ॐ महागौर्यै नमः

ॐ दीप्तज्वालमुख्यै नमः

ॐ त्रिपुरसुन्दर्यै नमः

ॐ अट्टहासिन्यै नमः

ॐ परमेश्वर्यै नमः

ॐ पञ्चदशाक्षर्यै नमः

ॐ मोहिन्यै नमः

ॐ द्वेषिण्यै नमः

ॐ संविद्यायै नमः

ॐ रक्तवक्त्रायै नमः

ॐ ऊर्ध्वकेशिन्यै नमः

ॐ प्रेतासनायै नमः

ॐ गजासनायै नमः

ॐ नागाभरणभूषायै नमः

ॐ सम्भाव्यै नमः

ॐ कङ्काळ्यै नमः (३)

ॐ कल्याण्यै नमः

ॐ नीलिन्यै नमः

ॐ दीर्घजिह्वायै नमः

ॐ रक्तपाण्यै नमः

ॐ मातङ्ग्यै नमः

ॐ काळरात्रिकायै नमः

ॐ भूतभेताळसम्वृतायै नमः

ॐ महारौद्र्यै नमः

ॐ बालायै नमः

ॐ पाणाशनायै नमः

ॐ सौभाग्यदायिन्यै नमः

ॐ हुङ्कार्यै नमः

ॐ त्रैलोक्यवशङ्कर्यै नमः

ॐ स्तम्भिन्यै नमः

ॐ भुवनेश्वर्यै नमः

ॐ आनन्दलहर्यै नमः

ॐ अष्टभुजायै नमः

ॐ कमलासनायै नमः

ॐ मयूरासनायै नमः

ॐ महिषासनायै नमः

ॐ राजराजेश्वर्यै नमः

ॐ श्रीविद्यायै नमः

ॐ त्रिपुरेश्वर्यै नमः	ॐ सर्वसिद्धिप्रदायिन्यै नमः	ॐ आधारविधिपादितायायै नमः
ॐ अनाहताब्जनिलयायै नमः	ॐ मणिपूरकसुन्दरायै नमः	ॐ अमरावत्यासनायै नमः
ॐ प्रणवासनायै नमः	ॐ द्वादशादित्यशङ्काशायै नमः	ॐ उरगभूषनायै नमः
ॐ हीङ्गाररूपिण्यै नमः	ॐ शुद्धवस्त्रायै नमः	ॐ सूक्ष्मायै नमः
ॐ ज्ञानविद्यायै नमः	ॐ ज्ञानरूपायै नमः	ॐ कुन्दप्रियायै नमः
ॐ जगद्वात्रे नमः	ॐ त्रिणेत्रे नमः	ॐ आधारशक्तिरूपिण्यै नमः
ॐ महाप्रख्यायै नमः	ॐ त्रिजगद्रूपिण्यै नमः	ॐ भुवनेश्वर्यै नमः
ॐ एकाक्षर्यै नमः	ॐ धर्मिण्यै नमः	ॐ सर्वाभरणभूषितायै नमः
ॐ सिम्हवाहनायै नमः	ॐ अतिघोररूपिण्यै नमः	ॐ त्रिशूलिन्यै नमः
ॐ उग्रायै नमः	ॐ कान्तायै नमः	ॐ कृतयुगायै नमः
ॐ त्रेतायुगायै नमः	ॐ द्वापरयुगायै नमः	ॐ कलियुगायै नमः
ॐ सृष्टिविप्रायै नमः	ॐ महाकाळ्यै नमः	ॐ महिषासुरमर्दिन्यै नमः
ॐ भद्रदायिन्यै नमः	ॐ वीरदायिन्यै नमः	ॐ कालिकायै नमः

-----००००-----

(४०) अथ महामारी अष्टोत्तर शतनामानि

अरुणमणिनिभाङ्गअग्निकेशंकरण्डं डमरुककरपाशंखड्गहस्तंकपालं ।
निखिलसुरसुवन्द्यांनित्यकल्याणशीलां अखिलभुवनमाताश्यामळामारिमीडे ॥

ॐ महादेव्यै नमः (१)	ॐ भवायै नमः (२)	ॐ काळ्यै नमः (३)
ॐ माहेश्यै नमः	ॐ सर्ववल्लभायै नमः	ॐ लोकेश्यै नमः
ॐ रक्तरूप्यै नमः	ॐ लोहिताक्ष्यै नमः	ॐ भयङ्कर्यै नमः
ॐ घोररूप्यै नमः	ॐ महावक्त्रायै नमः	ॐ घोरायै नमः
ॐ वामप्रियायै नमः	ॐ शुभायै नमः	ॐ ऊर्ध्वकेश्यै नमः
ॐ जयायै नमः	ॐ भोगायै नमः	ॐ महालक्ष्म्यै नमः
ॐ वशङ्कर्यै नमः	ॐ रक्तपानप्रियायै नमः	ॐ सिद्ध्यै नमः
ॐ डाकिन्यै नमः	ॐ सर्वमोहिन्यै नमः	ॐ कूष्माण्डप्रियायै नमः
ॐ सुलभ्यै नमः	ॐ कालहन्त्र्यै नमः	ॐ चतुर्भुजायै नमः
ॐ वामायै नमः	ॐ सिद्धिप्रदायै नमः	ॐ नित्यायै नमः
ॐ कल्याण्यै नमः	ॐ पापनाशिन्यै नमः	ॐ भक्तेश्यै नमः
ॐ बलप्रमथिन्यै नमः	ॐ षड्कोणप्रियवासिन्यै नमः	ॐ त्रिकोणप्रियायै नमः
ॐ सौकर्यै नमः	ॐ त्रिशूलिन्यै नमः	ॐ मुण्डधारिण्यै नमः
ॐ मातङ्ग्यै नमः	ॐ नारसिंह्यै नमः	ॐ शाकिन्यै नमः

ॐ सिम्हवाहिन्यै नमः	ॐ शारिकायै नमः	ॐ प्रियकत्रियै नमः
ॐ ह्रीङ्कार्यै नमः	ॐ सुररक्षिण्यै नमः	ॐ रागज्ञै नमः
ॐ भागीरथ्यै नमः	ॐ दुर्गायै नमः	ॐ चामुण्डायै नमः
ॐ असुरमर्दिन्यै नमः	ॐ ऐङ्कार्यै नमः	ॐ डमरुहस्तायै नमः
ॐ भीतिरूपायै नमः	ॐ महाबलायै नमः	ॐ पाशहस्तायै नमः
ॐ हम्सगत्यै नमः	ॐ पाषण्डायै नमः	ॐ अखिलनायक्यै नमः
ॐ शुम्भघ्न्यै नमः	ॐ शुद्धरूपायै नमः	ॐ आर्यायै नमः
ॐ शालिन्यै नमः	ॐ मुनिसेवितायै नमः	ॐ रक्तपुष्पितायै नमः
ॐ नित्यायै नमः	ॐ चारुहासायै नमः	ॐ सुखङ्कार्यै नमः
ॐ मेखलाभरणायै नमः	ॐ शुभायै नमः	ॐ मेघडम्भरगर्जितायै नमः
ॐ अग्निकेश्यै नमः	ॐ कौमार्यै नमः	ॐ राक्षसघ्न्यै नमः
ॐ रतिप्रियायै नमः	ॐ करण्डमकुटायै नमः	ॐ दक्षायै नमः
ॐ हारकेयूरभूषणायै नमः	ॐ शिवङ्कार्यै नमः	ॐ शिवानन्दायै नमः
ॐ करुणारससागरायै नमः	ॐ निर्गुणायै नमः	ॐ नित्यपुष्ट्यै नमः
ॐ निर्मलायायै नमः	ॐ लोभनाशिन्यै नमः	ॐ महामन्त्रायै नमः
ॐ दुःखशमन्यै नमः	ॐ मान्त्रे नमः	ॐ नन्दिन्यै नमः
ॐ मालिन्यै नमः	ॐ दैत्यहन्त्र्यै नमः	ॐ दयामूर्त्यै नमः
ॐ दीक्षितायै नमः	ॐ दिव्यगन्धिन्यै नमः	ॐ योनिमुद्रायै नमः
ॐ धनाध्यक्षायै नमः	ॐ धीरायै नमः	ॐ मङ्गलरूपिण्यै नमः
ॐ कारुण्यै नमः	ॐ कामदायै नमः	ॐ शोभायै नमः
ॐ कान्त्यै नमः	ॐ काञ्चनभूषणायै नमः	ॐ मन्त्ररूपिण्यै नमः
ॐ मङ्गलाकृत्यै नमः	ॐ श्रीमहामार्यै नमः	ॐ श्रीशीतलादेव्यै नमः (१०८)

-----००००-----

(४१) अथ चामुण्डेश्वरी अष्टोत्तर शतनामानि

डमरुपाशधराञ्जैवकपालञ्चत्रिशूलकं । त्रिणेत्रामूर्ध्वकेशीञ्चामुण्डासम्प्रपूजयेत् ॥

ॐ श्रीचामुण्डायै नमः (१)	ॐ महामायायै नमः (३)
ॐ श्रीमत्सिंहासनेश्वर्यै नमः	ॐ श्रीविद्यावेद्यमहिम्यै नमः
ॐ श्रीचक्रपुरवासिन्यै नमः	ॐ श्रीकण्ठदयितायायै नमः
ॐ गौर्यै नमः	ॐ गिरिजायै नमः
ॐ भुवनेश्वर्यै नमः	ॐ महाकाळ्यै नमः

ॐ महालक्ष्म्यै नमः
 ॐ मनोन्मन्यै नमः
 ॐ सहस्रकरमण्डितायै नमः
 ॐ रत्नकण्चुकधारिण्यै नमः
 ॐ जपाकुशुमभासुरायै नमः
 ॐ कात्यायन्यै नमः
 ॐ मन्त्रिण्यै नमः
 ॐ जयायै नमः
 ॐ सचामररमावाणीसव्यदक्षिणसेवितायै नमः
 ॐ बगळायै नमः
 ॐ चक्रेश्यै नमः
 ॐ पञ्चप्रेतासनारूढायै नमः
 ॐ महाकाळाद्रिनिलयायै नमः
 ॐ मधुकैटभसम्हर्त्यै नमः
 ॐ कामेश्वर्यै नमः
 ॐ भवान्यै नमः
 ॐ सत्यै नमः
 ॐ सृष्टिस्थित्यन्तकारिण्यै नमः
 ॐ ज्वलज्जिह्वायै नमः
 ॐ निशुम्भशुम्भदमिन्यै नमः
 ॐ ब्राह्मादिमातृकारूपायै नमः
 ॐ षट्चक्रदेवदायै नमः
 ॐ आर्यायै नमः
 ॐ परमेश्वर्यै नमः
 ॐ चन्द्रमण्डलमध्यागायै नमः
 ॐ विन्द्याचलनिवासिन्यै नमः
 ॐ सूर्यचन्द्राग्निलोचनायै नमः
 ॐ नवलावण्यरूपाङ्गायै नमः
 ॐ कामेशबद्धमाङ्गळ्यायै नमः
 ॐ चराचरजगद्रूपायै नमः
 ॐ अपराजितायै नमः
 ॐ ललितायै नमः

ॐ महावाण्यै नमः
 ॐ सहस्रशीर्षसम्युक्तायै नमः
 ॐ कौसुम्भवसनोपेतायै नमः
 ॐ गनेशस्कन्दजनन्यै नमः
 ॐ उमायै नमः
 ॐ दुर्गायै नमः
 ॐ दण्डिन्यै नमः
 ॐ कराङ्गुलिनखोत्पन्ननारायणदशाकृत्यै नमः
 ॐ इन्द्राक्ष्यै नमः
 ॐ बालायै नमः
 ॐ विजयाम्बिकायै नमः
 ॐ हरिद्राकुम्कुमप्रियायै नमः
 ॐ महिषासुरमर्दिन्यै नमः
 ॐ मधुरापुरनायिकायै नमः
 ॐ योगनिद्रायै नमः
 ॐ चण्डिकायै नमः
 ॐ चक्रराजरथारूढायै नमः
 ॐ अन्नपूर्णायै नमः
 ॐ काळरात्रिस्वरूपिण्यै नमः
 ॐ रक्तबीजनिशूदिन्यै नमः
 ॐ शुभायै नमः
 ॐ मूलप्रकृतिरूपायै नमः
 ॐ पार्वत्यै नमः
 ॐ बिन्दुपीटकृतावासायै नमः
 ॐ चिदग्रिकुण्डसम्भूतायै नमः
 ॐ हयग्रीवागस्त्यपूज्यायै नमः
 ॐ नवाक्षरमनुस्तुतायै नमः
 ॐ ज्वलत्वात्रिगुंशदायुधायै नमः
 ॐ चन्द्ररेखाविभूषितायै नमः
 ॐ नित्यक्लिन्नायै नमः
 ॐ ओड्यानपीठनिलयायै नमः
 ॐ विष्णुसहोदर्यै नमः

ॐ दंष्ट्राकराळगदनायै नमः

ॐ वह्निवासिन्यै नमः

ॐ सञ्चिदानन्दविग्रहायै नमः

ॐ भेरुण्डायै नमः

ॐ परायै नमः

ॐ बण्डसुरविमर्धिन्यै नमः

ॐ शिवदूत्यै नमः

ॐ शाङ्कर्यै नमः

ॐ चतुष्पष्ट्युपचाराड्यायै नमः

ॐ नवदुर्गायै नमः

ॐ कदम्बवनवासिन्यै नमः

ॐ महाराज्ञै नमः

ॐ श्रीचक्रवरताटङ्कायै नमः

ॐ श्रीराजराजवरदायै नमः

ॐ शाकम्भर्यै नमः

ॐ शटहन्त्यै नमः

ॐ राकेन्दुवदनायै नमः

ॐ रमणीयवराकृत्यै नमः

ॐ वज्रेश्यै नमः

ॐ सर्वमङ्गलरूपाड्यायै नमः

ॐ अष्टादशसुपीठस्थायै नमः

ॐ भैरव्यै नमः

ॐ मुण्डमालालसत्कण्ठायै नमः

ॐ पुण्ड्रेक्षुकाण्डकोदण्डपुष्पबाणलसत्करायै नमः

ॐ वेदमात्रे नमः

ॐ सिम्हवाहनायै नमः

ॐ योगिनीगणसेवितायै नमः

ॐ बद्रीकायै नमः

ॐ चण्डमुण्डशिरछेत्र्यै नमः

ॐ सुधामय्यै नमः

ॐ श्रीशैलभ्रमराम्बिकायै नमः

ॐ श्रीमत्त्रिपुरसुन्दर्यै नमः

ॐ शान्तिदात्यै नमः

ॐ शिवप्रदायै नमः

ॐ रम्यायै नमः

ॐ इतिचण्डिकाकल्पवे नमः (१०८)

-----००००-----

(४२) अथ ललिता अष्टोत्तर शतनामानि

सिन्दूरारुणविग्रहां त्रिनयनां माणिक्यमौलिस्फुरत् तारनायकशेखरांस्मितमुखीमापीनवक्षोरुहां ।

पाणिभ्यामलिपूर्णरत्नचषकंरक्तोत्पलंबिभ्रतीं सौम्यारत्नघटस्थरक्तचरणां ध्यायेत्परामम्बिकां ।।

ॐ रजताचलश्रृङ्गाग्रमध्यस्थायै नमो नमः (१)

ॐ शङ्करार्धाङ्गसौन्दर्यशरीरायै नमो नमः

ॐ महातिशयसौन्दर्यलावण्यायै नमो नमः

ॐ सदापञ्चदशात्मैक्यस्वरूपायै नमो नमः

ॐ कस्तूरितिलकोद्भासिनिटिलायै नमो नमः

ॐ विकचाम्भोरुहदललोचनायै नमो नमः

ॐ लसत्कनकताटङ्कयुगलायै नमो नमः

ॐ ताम्बूलपूरितस्मेरवदनायै नमो नमः

ॐ हिमाचलमाहावम्शपावानायै नमो नमः (२)

ॐ लसन्मरकतस्वच्छविग्रहायै नमो नमः

ॐ शशाङ्कशेखरप्राणवल्लभायै नमो नमः

ॐ वज्रमाणिक्यकटककिरीटायै नमो नमः

ॐ भस्मरेखांकितलसन्मस्तकायै नमो नमः

ॐ शरस्चाम्पेयपुष्पाभनासिकायै नमो नमः

ॐ मणिदर्पणसङ्काशकपोलायै नमो नमः

ॐ सुपक्वदाडिमीबीजरदनायै नमो नमः

ॐ कम्बूपूगसमञ्चायकन्धरायायै नमो नमः
 ॐ गिरीशबद्धमाङ्गल्यमङ्गलायै नमो नमः
 ॐ पद्मकैरवमन्दारसुमालिन्यै नमो नमः
 ॐ रमणीयचतुर्बाहुसम्युक्तायै नमो नमः
 ॐ बृहत्सौवर्णसौन्दर्यवासनायै नमो नमः
 ॐ सौभाग्यजातशृङ्गारमध्यमायै नमो नमः
 ॐ पारिजातगुणाधिक्यपादाब्जायै नमो नमः
 ॐ कामकोटिमहापद्मपीठस्थायै नमो नमः
 ॐ सचामररमावाणीवीजितायै नमो नमः
 ॐ भूतेषालिङ्गनोद्धूतपुळकाङ्ग्यै नमो नमः
 ॐ बृह्मोपेन्द्रशिरोरत्नरञ्जितायै नमो नमः
 ॐ लीलाकल्पितब्रह्माण्डमण्डितायै नमो नमः
 ॐ एकातपत्रसाम्राज्यदायिकायै नमो नमः
 ॐ देवर्षिभिस्तूयमानवैभवायै नमो नमः
 ॐ मत्तेभवक्त्रषड्वक्त्रवत्सलायै नमो नमः
 ॐ चिदग्रिकुण्डसम्भूतसुदेहायै नमो नमः
 ॐ मत्तहम्सवधूमन्दगमनायै नमो नमः
 ॐ अन्दर्मुखजनानन्दफलदायै नमो नमः
 ॐ अव्याजकरुणापूरपूरितायै नमो नमः
 ॐ सहस्रसूर्यसम्युक्तप्रकाशायै नमो नमः
 ॐ हानिवृद्धिगुणाधिक्यरहितायै नमो नमः
 ॐ जाग्रत्स्वप्नसुषुप्तीनांसाक्षिमूर्त्यै नमो नमः
 ॐ दुष्टभीतिमहाभीतिभञ्जनायै नमो नमः
 ॐ समस्तहृदयांभोजनिलयायै नमो नमः
 ॐ सहस्रारसरोजातवासितायै नमो नमः
 ॐ वाणीगायत्रीसावित्रीसन्नुतायै नमो नमः
 ॐ लोपामुद्रार्चितश्रीमद्चरणायै नमो नमः
 ॐ भावनामात्रसन्दुष्टहृदयायै नमो नमः
 ॐ त्रिलोचनकृतोल्लासफलदायै नमो नमः
 ॐ दक्षाद्वरविनिर्भेदसाधनायै नमो नमः
 ॐ चन्द्रशेखरभक्तार्तिभञ्जनायै नमो नमः
 ॐ नामपारायणाभीष्टफलदायै नमो नमः

ॐ स्तूलमुक्ताफलादारसुहारायै नमो नमः
 ॐ पद्मपाशाङ्कुशलसद्कराब्जायै नमो नमः
 ॐ सुपर्णकुम्भयुक्ताभसुकुचायै नमो नमः
 ॐ कनकाङ्गदकेयूरभूषितायै नमो नमः
 ॐ बृहन्नितम्बविलसद्भ्रमनायै नमो नमः
 ॐ दिव्यभूषणसन्दोहरञ्जितायै नमो नमः
 ॐ सुपद्मरागसङ्काशचरणायै नमो नमः
 ॐ श्रीकण्ठनेत्रकुमुदचन्द्रिकायै नमो नमः
 ॐ भक्तरक्षणदाक्षिण्यकटाक्षायै नमो नमः
 ॐ अनङ्गजनकापाङ्गवीक्षणायै नमो नमः
 ॐ शचीमुखामरवधूसेवितायै नमो नमः
 ॐ अमृतादिमहाशक्तिसम्भृतायै नमो नमः
 ॐ सनकादिसमाराद्यपादुकायै नमो नमः
 ॐ कलेशद्भवदुर्वासपूजितायै नमो नमः
 ॐ चक्रराजमहायन्त्रमध्यवर्तिन्यै नमो नमः
 ॐ शशाङ्कखण्डसम्युक्तमकुटायै नमो नमः
 ॐ वन्दारुजनसन्दोहवन्दितायै नमो नमः
 ॐ पतिव्रताङ्गनाभीष्टफलदायै नमो नमः
 ॐ नितान्तसञ्चिदानन्दसम्युक्तायै नमो नमः
 ॐ रत्नचिन्तामणिगृहमध्यस्थायै नमो नमः
 ॐ महापद्माटवीमध्यनिवासायै नमो नमः
 ॐ महातापौगपापानांविनाशिन्यै नमो नमः
 ॐ समस्तदेवदनुजप्रेरकायै नमो नमः
 ॐ अनाहदमहापद्ममन्दिरायै नमो नमः
 ॐ पुनरावृत्तिरहितपुरस्थायै नमो नमः
 ॐ रमाभूमिसुताराद्यपदाब्जायै नमो नमः
 ॐ सहस्ररतिसौन्दर्यशरीरायै नमो नमः
 ॐ सत्यसम्पूर्णविज्ञानसिद्धिदायै नमो नमः
 ॐ श्रीसुधाब्धिमणिद्वीपमध्यगायै नमो नमः
 ॐ श्रीनाथसोदरीभूतशोभितायै नमो नमः
 ॐ सर्वोपाधिविनिर्मुक्तचैतन्यायै नमो नमः
 ॐ सृष्टिस्थितितिरोधानसङ्कल्पायै नमो नमः

ॐ श्रीषोडशाक्षरीमन्त्रमध्यगायै नमो नमः
 ॐ भक्तहम्सपरीमुख्यवियोगायै नमो नमः
 ॐ भण्डदैत्यमहासत्त्वनाशनायै नमो नमः
 ॐ धराच्युतसुराधीशसुखदायै नमो नमः
 ॐ रक्ताक्षरक्तजिह्वादिसिक्षणायै नमो नमः
 ॐ अभ्रकेशमहोत्साहकारणायै नमो नमः
 ॐ निजभर्तुमुखाम्भोजचिन्तनायै नमो नमः
 ॐ जन्ममृत्युजरायोगभञ्जनायै नमो नमः
 ॐ कामक्रोधादिषड्वर्गनाशनायै नमो नमः
 ॐ सर्ववेदान्तसिद्धान्तसुतत्वायै नमो नमः
 ॐ अशेषदुष्टदनुजसूदनायै नमो नमः
 ॐ महामेयाग्रसम्पूज्यमहिमायै नमो नमः
 ॐ सुमबानेक्षुकोदण्डमण्डितायै नमो नमः
 ॐ महादेवसमायुक्तमहादेव्यै नमो नमः

ॐ अनाद्यन्तस्वयम्भूतदिव्यमूर्त्यै नमो नमः
 ॐ मातृमण्डलसम्युक्तललितायै नमो नमः
 ॐ क्रूरमण्डशिरच्छेदनिपुणायै नमो नमः
 ॐ चण्डमुण्डनिशुम्भादिखण्डनायै नमो नमः
 ॐ महिशासुरदोर्वीर्यनिग्रहायै नमो नमः
 ॐ महेशयुक्तनटनतत्परायै नमो नमः
 ॐ वृषभध्वजविज्ञानभावनायै नमो नमः
 ॐ विधेयमुक्तिविज्ञानसिद्धिदायै नमो नमः
 ॐ राजराजार्चितपदसरोजायै नमो नमः
 ॐ श्रीवीरभक्तविज्ञाननिदानायै नमो नमः
 ॐ साक्षाच्छ्रीदक्षिणामूर्तिमनोज्ञायै नमो नमः
 ॐ दक्षप्रजापतिसुतवेषाड्यायै नमो नमः
 ॐ नित्ययौवनमाङ्गल्यमङ्गलायै नमो नमः
 ॐ चतुर्विंशतितत्त्वैकस्वरूपायै नमो नमः (१०८)

-----००००-----

(४३) अथ सुब्रह्मण्य नामानि

१) ध्यानं

षड्वक्त्रंशिखिवाहनंत्रिणयनं चित्रांबरालङ्कृतंशक्तिवज्रमसिंत्रिशूलबयंखेटंधनुश्चक्रं ।
 पाशंकुक्कुटमङ्कुशंचवरदं दोर्भिरर्दरानंसदाध्यायेदीप्सितसिद्धिदंशिवसुतंसकंदंसुराराधितं ॥

२) सुब्रह्मण्य षोडशनामानि

ॐ ज्ञानशक्त्यात्मने नमः (१)	ॐ स्कन्दाय नमः (२)	ॐ अग्निगर्भाय नमः (३)
ॐ बाहुलेयाय नमः	ॐ गाङ्गेयाय नमः	ॐ शरवणोद्भवाय नमः
ॐ कार्तिकेयाय नमः	ॐ कुमाराय नमः	ॐ षण्मुखाय नमः
ॐ कुक्कुटध्वजाय नमः	ॐ शक्तिधराय नमः	ॐ गुहाय नमः
ॐ ब्रह्मचारिणे नमः	ॐ षण्मातुराय नमः	ॐ क्रौञ्चभिदे नमः
ॐ शिखिवाहनाय नमः (१६)	-----	-----

३) सुब्रह्मण्य सप्तविंशति नामानि

ॐ स्कन्दाय नमः (१)	ॐ षण्मुखाय नमः (२)	ॐ सेनान्ये नमः (२)
ॐ मयूरवाहनाय नमः	ॐ अग्निभुवे नमः	ॐ गुहाय नमः

ॐ बाहुलेयाय नमः
ॐ द्वादशभुजाय नमः
ॐ अमरपतये नमः
ॐ गाङ्गेयाय नमः
ॐ शिवदेहाय नमः
ॐ सुरश्रेष्ठाय नमः
ॐ वल्लीकान्ताय नमः

ॐ तारकजिते नमः
ॐ क्रौञ्चभेदिने नमः
ॐ ज्ञानशक्तये नमः
ॐ शरोद्भूताय नमः
ॐ देवसेनापतये नमः
ॐ सुब्रह्मण्याय नमः
ॐ कुमाराय नमः

ॐ विशाखाय नमः
ॐ कार्तिकेयाय नमः
ॐ सौम्यभुवे नमः
ॐ ब्रह्मचारिणे नमः
ॐ षाण्मातुराय नमः
ॐ वज्रधराय नमः
ॐ कुक्कुटध्वजाय नमः (२७)

४) सुब्रह्मण्य पञ्चाशन् नामानि

ॐ अमरेशाय नमः (१)
ॐ ईश्वराय नमः
ॐ ऋषिप्रियाय नमः
ॐ लृहन्त्रे नमः
ॐ ओजस्विने नमः
ॐ अक्षीणतेजसे नमः

ॐ आराध्याय नमः (२)
ॐ उमासूनवे नमः
ॐ ऋणोधर्त्रे नमः
ॐ एकनायकाय नमः
ॐ औत्पत्तये नमः
ॐ अमण्डलधराय नमः

ॐ इन्द्रपूजिताय नमः (२)
ॐ ऊर्ध्वरेतसे नमः
ॐ लृवन्ध्याय नमः
ॐ ऐश्वर्यप्रदाय नमः
ॐ अम्बिकासुताय नमः
ॐ खड्गहस्ताय नमः

ॐ गाङ्गेयाय नमः
ॐ चन्द्रचूडाय नमः
ॐ ईशकेतुजिते नमः
ॐ डप्रियाय नमः
ॐ णगम्याय नमः
ॐ दण्डपाणिने नमः
ॐ पद्महस्ताय नमः
ॐ भवात्मजाय नमः
ॐ रमणीयाय नमः
ॐ शरसम्भवाय नमः
ॐ हरात्मजाय नमः

ॐ घण्टापाणिने नमः
ॐ छन्दोमयाय नमः
ॐ ज्ञानमूर्तये नमः
ॐ डम्बराय नमः
ॐ तत्त्वरूपाय नमः
ॐ धनुष्पाणिने नमः
ॐ फणिभुद्वाहनाय नमः
ॐ महासेनाय नमः
ॐ लम्बोदरानुजाय नमः
ॐ षण्मुखाय नमः
ॐ ळक्षप्रियाय नमः

ॐ जप्रियाय नमः
ॐ जगद्भुवे नमः
ॐ टङ्कहस्ताय नमः
ॐ डक्काप्रियाय नमः
ॐ स्थविष्ठकाय नमः
ॐ नगरन्ध्रकराय नमः
ॐ बहुलासुताय नमः
ॐ यज्ञमूर्तये नमः
ॐ वज्रभुवे नमः
ॐ सर्वलोकेशाय नमः
ॐ क्षमाक्षेत्राय नमः (५१)

-----००००-----

अथ सुब्रह्मण्य अष्टोत्तर शतनामानि

ॐ स्कन्दाय नमः (१)	ॐ गुहाय नमः (२)	ॐ षण्मुखाय नमः (३)
ॐ फालनेत्रसुताय नमः	ॐ प्रभवे नमः	ॐ पिङ्गलाय नमः
ॐ कृत्तिकासूनवे नमः	ॐ शिखिवाहनाय नमः	ॐ द्विषड्भुजाय नमः
ॐ द्विषणेत्राय नमः	ॐ शक्तिधराय नमः	ॐ पिशिताशप्रभञ्जनाय नमः
ॐ तारकासुरसम्हारिणे नमः	ॐ रक्षोबलविर्मदनाय नमः	ॐ मत्ताय नमः
ॐ प्रमत्ताय नमः	ॐ उन्मत्ताय नमः	ॐ सुरसङ्घसुरक्षकाय नमः
ॐ देवसेनापतये नमः	ॐ प्राज्ञाय नमः	ॐ कृपाळवे नमः
ॐ भक्तवत्सलाय नमः	ॐ उमासुदाय नमः	ॐ शक्तिधराय नमः
ॐ कुमाराय नमः	ॐ क्रौञ्चदारणाय नमः	ॐ सेनान्ये नमः
ॐ अग्निजन्मने नमः	ॐ विशाखाय नमः	ॐ शङ्करात्मजाय नमः
ॐ शिवस्वामिने नमः	ॐ गणस्वामिने नमः	ॐ सर्वस्वामिने नमः
ॐ सनादनाय नमः	ॐ अनन्तशक्तये नमः	ॐ अक्षोभ्याय नमः
ॐ पार्वतीप्रियनन्दनाय नमः	ॐ गङ्गासुताय नमः	ॐ शरोद्भूताय नमः
ॐ आहूताय नमः	ॐ पावकात्मजाय नमः	ॐ जृम्भाय नमः
ॐ प्रजृम्भाय नमः	ॐ उज्जृम्भाय नमः	ॐ कमलासनसंस्तुताय नमः
ॐ एकवर्णाय नमः	ॐ द्विवर्णाय नमः	ॐ त्रिवर्णाय नमः
ॐ सुमनोहराय नमः	ॐ चतुर्वर्णाय नमः	ॐ पञ्चवर्णाय नमः
ॐ प्रजापतये नमः	ॐ अहस्पतये नमः	ॐ अग्निगर्भाय नमः
ॐ शिमीगर्भाय नमः	ॐ विश्वरेतसे नमः	ॐ सुरारिघ्ने नमः
ॐ हरिद्वर्णाय नमः	ॐ शुभकराय नमः	ॐ वासवाय नमः
ॐ वटुवेषभृते नमः	ॐ पूष्णे नमः	ॐ गभस्तिने नमः
ॐ गहनाय नमः	ॐ चन्द्रवर्णाय नमः	ॐ कलाधराय नमः
ॐ मायाधराय नमः	ॐ महामायिने नमः	ॐ कैवल्याय नमः
ॐ शङ्करात्मजाय नमः	ॐ विश्वयोनये नमः	ॐ अमेयात्मने नमः
ॐ तेजोनिधये नमः	ॐ अनामयाय नमः	ॐ परमेष्ठिने नमः
ॐ परब्रह्मणे नमः	ॐ वेदगर्भाय नमः	ॐ विराट्सुताय नमः
ॐ पुलिन्दकन्याभर्त्रे नमः	ॐ महासारस्वतप्रदाय नमः	ॐ आश्रिताखिलदात्रे नमः
ॐ चोरघ्नाय नमः	ॐ रोगनाशनाय नमः	ॐ अनन्तमूर्तये नमः
ॐ आनन्दाय नमः	ॐ शिखण्डिकृतकेतनाय नमः	ॐ डम्भाय नमः
ॐ परमडम्भाय नमः	ॐ महाडम्भाय नमः	ॐ वृषाकपये नमः

ॐ कारणोपात्तदेहाय नमः	ॐ कारणातीतविग्रहाय नमः	ॐ अनीश्वराय नमः
ॐ अमृताय नमः	ॐ प्राणाय नमः	ॐ प्राणायापरायणाय नमः
ॐ विरुद्धहन्त्रे नमः	ॐ वीरघ्राय नमः	ॐ रक्ताय नमः
ॐ श्यामाय नमः	ॐ महते नमः	ॐ सुब्रह्मण्याय नमः
ॐ गुहांप्रीताय नमः	ॐ ब्रह्मण्याय नमः	ॐ ब्राह्मणप्रियाय नमः
ॐ वम्सवृद्धिकराय नमः	ॐ वेदवेद्याय नमः	ॐ अक्षयफलप्रदाय नमः (१०८)

-----००००-----

(४४) अथ वल्ली अष्टोत्तर शतनामानि

श्यामांपङ्कजसंस्थितां मणिलस्ताटङ्ककर्णोज्ज्वलां सव्येलम्बकरांकिरीटमकुटां तुङ्गस्तनींकञ्चुकां ।
वामेपङ्कजधारिणीं शरवणोद्भूतस्यसव्येस्थितां गुञ्जामाल्यधरां प्रवाळवदनां वल्लीश्वरींभावयेत् ॥

ॐ महावल्यै नमः (१)	ॐ श्यामतनवे नमः (१)	ॐ सर्वाभरणभूषितायै नमः (२)
ॐ पीताम्बरधरायै नमः	ॐ दिव्याम्भुजधारिण्यै नमः	ॐ दिव्यगन्धानुलिप्तायै नमः
ॐ ब्राह्म्यै नमः	ॐ कराळ्यै नमः	ॐ उज्ज्वलत्रेत्रायै नमः
ॐ प्रलम्बताटङ्क्यै नमः	ॐ माहेन्द्रतनायानुजायै नमः	ॐ शुभरूपायै नमः
ॐ शुभाकरायै नमः	ॐ शुभङ्क्यै नमः	ॐ सव्येलम्बकरायै नमः
ॐ मूलप्रकृत्यै नमः	ॐ प्रत्युष्टायै नमः	ॐ महेश्वर्यै नमः
ॐ तुङ्गस्तन्यै नमः	ॐ सुकञ्चुकायै नमः	ॐ सुवेषाड्यायै नमः
ॐ सद्गुणायै नमः	ॐ गुञ्जामाल्यधरायै नमः	ॐ वैष्णव्यै नमः
ॐ मोहिन्यै नमः	ॐ मोहनायै नमः	ॐ स्तम्भिन्यै नमः
ॐ त्रिभङ्गिन्यै नमः	ॐ प्रवाळाधरायै नमः	ॐ मनोन्मन्यै नमः
ॐ चामुण्डायै नमः	ॐ चण्डिकायै नमः	ॐ स्कन्दभार्यायै नमः
ॐ स्कन्दप्रियायै नमः	ॐ सुप्रसन्नायै नमः	ॐ सुलोचनायै नमः
ॐ ऐश्वर्यप्रदायिन्यै नमः	ॐ मङ्गळप्रदायिन्यै नमः	ॐ अष्टसिद्धिदायै नमः
ॐ अष्टैश्वर्यप्रदायिन्यै नमः	ॐ महामायायै नमः	ॐ मन्त्रयन्त्रतन्त्रात्मिकायै नमः
ॐ महाकल्पायै नमः	ॐ तेजोवत्यै नमः	ॐ परमेष्ठिन्यै नमः
ॐ गुहदेवतायै नमः	ॐ कलाधरायै नमः	ॐ ब्रह्माण्यै नमः
ॐ ब्रहत्यै नमः	ॐ द्विनेत्रायै नमः	ॐ द्विभुजायै नमः
ॐ सिद्धसेवितायै नमः	ॐ अक्षरायै नमः	ॐ अक्षररूपायै नमः
ॐ अज्ञानदीपिकायै नमः	ॐ अभीष्टसिद्धिप्रदायिन्यै नमः	ॐ साम्राज्यायै नमः
ॐ साम्राज्यदायिन्यै नमः	ॐ सद्योजातायै नमः	ॐ सुधासागरायै नमः
ॐ काञ्चनायै नमः	ॐ काञ्चनप्रदायै नमः	ॐ वनमालिन्यै नमः

ॐ सुधासागरमध्यस्थायै नमः	ॐ हेमाम्बरधारिण्यै नमः	ॐ हेमकञ्चुकभूषणायै नमः
ॐ वनवासिन्यै नमः	ॐ मल्लिकाकुसुमप्रियायै नमः	ॐ मनोवेगायै नमः
ॐ महालक्ष्म्यै नमः	ॐ महादेव्यै नमः	ॐ महालोकायै नमः
ॐ सर्वाध्यक्षायै नमः	ॐ सुराध्यक्षायै नमः	ॐ सुन्दर्यै नमः
ॐ सुवेषाड्यायै नमः	ॐ वरलक्ष्म्यै नमः	ॐ विदुत्तमायै नमः
ॐ सरस्वत्यै नमः	ॐ कुमार्यै नमः	ॐ भद्रकाळ्यै नमः
ॐ दुर्गमायै नमः	ॐ दुर्गायै नमः	ॐ ऐन्द्राण्यै नमः
ॐ साक्षिण्यै नमः	ॐ साक्षिवर्जितायै नमः	ॐ पुराण्यै नमः
ॐ पुण्यकीर्त्यै नमः	ॐ पुण्यरूपायै नमः	ॐ पूर्णायै नमः
ॐ पूर्णभोगिन्यै नमः	ॐ पुष्कलायै नमः	ॐ सर्वतोमुख्यै नमः
ॐ पराशक्त्यै नमः	ॐ परानिष्ठायै नमः	ॐ मूलदीपिकायै नमः
ॐ योगिन्यै नमः	ॐ योगदायै नमः	ॐ बिन्दुस्वरूपिण्यै नमः
ॐ पापनाशिन्यै नमः	ॐ ईश्वर्यै नमः	ॐ लोकसाक्षिण्यै नमः
ॐ घोषिण्यै	ॐ पद्मवासिन्यै नमः	ॐ पद्माक्ष्यै नमः
ॐ गुणत्रयायै नमः	ॐ षड्कोणवृत्तवासिन्यै नमः	ॐ शरणागतरक्षणायै नमः (१०८)

-----००००-----

(४५) अथ देवसेना अष्टोत्तर शतनामानि

पीतामुत्पलधारिणीम् शशिनिभां दिव्यांबरालंकृतां वामेलंबकरां महेन्द्रतनयां मन्तारमालान्वितां ।
देवैरर्चितपादपद्मयुगलां सेनानिवामेस्थितां दिव्यां दिव्यविभूषणां द्विनयनां देवीं त्रिभङ्गीं भजे ॥

ॐ देवसेनायै नमः (१)	ॐ पीताम्बरायै नमः (२)	ॐ उत्पलधारिण्यै नमः
ॐ ज्वालिन्यै नमः	ॐ ज्वलनरूपायै नमः	ॐ ज्वालानेत्रायै नमः
ॐ ज्वलत्केशायै नमः	ॐ महावीर्यायै नमः	ॐ महाबलायै नमः
ॐ महाभोगायै नमः	ॐ महेश्वर्यै नमः	ॐ महापूज्यायै नमः
ॐ महान्नतायै नमः	ॐ माहेन्द्रायै नमः	ॐ इन्द्राण्यै नमः
ॐ इन्द्रपूजितायै नमः	ॐ ब्रह्माण्यै नमः	ॐ ब्रह्मजनन्यै नमः
ॐ ब्रह्मरूपायै नमः	ॐ ब्रह्मानन्दायै नमः	ॐ ब्रह्मपूजितायै नमः
ॐ ब्रह्मसृष्टायै नमः	ॐ वैष्णव्यै नमः	ॐ विष्णुरूपायै नमः
ॐ विष्णुपूज्यायै नमः	ॐ दिव्यसुन्दर्यै नमः	ॐ दिव्यानन्दायै नमः
ॐ दिव्यपङ्कजधारिण्यै नमः	ॐ दिव्याभरणभूषितायै नमः	ॐ दिव्यचन्दनलेपितायै नमः

ॐ मुक्ताहारवक्षस्थलायै नमः	ॐ वामेलम्बकरायै नमः	ॐ महेन्द्रतनयायै नमः
ॐ मातङ्गकण्यायै नमः	ॐ मातङ्गलब्धायै नमः	ॐ अचिन्त्यशक्त्यै नमः
ॐ अचलायै नमः	ॐ अक्षरायै नमः	ॐ अष्टैश्वर्यसम्पन्नायै नमः
ॐ अष्टमङ्गलायै नमः	ॐ चन्द्रवर्णायै नमः	ॐ कलाधरायै नमः
ॐ अम्बुजवदनायै नमः	ॐ अम्बुजाक्ष्यै नमः	ॐ असुरमर्दनायै नमः
ॐ इष्टसिद्धिप्रदायै नमः	ॐ शिष्टपूजितायै नमः	ॐ पद्मवासिन्यै नमः
ॐ परात्परायै नमः	ॐ परमेश्वर्यै नमः	ॐ परस्यैनिष्ठायै नमः
ॐ परमानन्दायै नमः	ॐ परमकल्याण्यै नमः	ॐ पापविनाशिण्यै नमः
ॐ लोकाध्यक्षायै नमः	ॐ लज्जाड्यायै नमः	ॐ लयन्कर्यै नमः
ॐ लयवर्जितायै नमः	ॐ ललनारूपायै नमः	ॐ सुराध्यक्षायै नमः
ॐ धर्माध्याक्षायै नमः	ॐ दुःस्वप्ननाशिन्यै नमः	ॐ दुष्टनिग्रहायै नमः
ॐ सिष्टपरिपालनायै नमः	ॐ ऐश्वर्यायै नमः	ॐ ऐरावतवाहनायै नमः
ॐ स्कन्दभार्यायै नमः	ॐ सत्प्रभावायै नमः	ॐ तुङ्गभद्रायै नमः
ॐ वेदवासिन्यै नमः	ॐ वेदगर्भायै नमः	ॐ वेदानन्दायै नमः
ॐ वेदस्वरूपायै नमः	ॐ वेगवत्यै नमः	ॐ प्रज्ञायै नमः
ॐ प्रभावत्यै नमः	ॐ प्रतिष्ठायै नमः	ॐ प्रकटायै नमः
ॐ प्राणेश्वर्यै नमः	ॐ स्वधाकारायै नमः	ॐ हेमभूषणायै नमः
ॐ हेमकुण्डलायै नमः	ॐ हिमवद्गङ्गायै नमः	ॐ हेमयज्ञोपवीतिन्यै नमः
ॐ हेमाम्बरधरायै नमः	ॐ पराशक्त्यै नमः	ॐ जागरिण्यै नमः
ॐ सदापूज्यायै नमः	ॐ सत्यवादिन्यै नमः	ॐ सत्यसन्धायै नमः
ॐ सत्यलोकायै नमः	ॐ अम्बिकायै नमः	ॐ विद्याम्बिकायै नमः
ॐ गजसुन्दर्यै नमः	ॐ त्रिपुरसुन्दर्यै नमः	ॐ मनोन्मन्यै नमः
ॐ सुधानगर्यै नमः	ॐ सुरेश्वर्यै नमः	ॐ सूरसम्हारिण्यै नमः
ॐ विश्वतोमुख्यै नमः	ॐ दयारूपिण्यै नमः	ॐ देवलोकजनन्यै नमः
ॐ गन्धर्वसेवितायै नमः	ॐ सिद्धिज्ञानप्रदायिन्यै नमः	ॐ शिवशक्तिस्वरूपायै नमः
ॐ शरागतरक्षणायै नमः	ॐ देवसेनान्यै नमः	ॐ परदेवतायै नमः (१०८)

-----००००-----

(४६) अथ कृष्ण अष्टोत्तर शतनामानि

बालाय नील वपुषे नवकिङ्किणीक जालाभिराम जघनाय दिगम्बराय ।
शार्दूलदिव्य नखभूषण भूषिताय नन्दात्मजाय नवनीतमुषे नमस्ते ॥

ॐ श्री कृष्णाय नमः (१)

ॐ वासुदेवाय नमः

ॐ वसुदेवात्मजाय जमः

ॐ लीलामानुषविग्रहाय नमः

ॐ यशोदावत्सलाय नमः

ॐ चतुर्भुजात्तचक्रासिगदाशङ्खाद्युदायुधाय नमः

ॐ श्रीशाय नमः

ॐ यमुनावेगसम्हारिणे नमः

ॐ पूतनाजीवितहराय नमः

ॐ नन्दव्रजजनानन्दिने नमः

ॐ नवनीतविलिप्ताङ्गाय नमः

ॐ अनघाय नमः

ॐ मुकुन्दप्रसादकाय नमः

ॐ त्रिभङ्गिने नमः

ॐ शुखवागमृताब्दीन्दवे नमः

ॐ योगिनाम्पतये नमः

ॐ अनन्ताय नमः

ॐ तृणीकृततृणावर्ताय नमः

ॐ उत्तालतालभेत्रे नमः

ॐ गोपगोपीश्वराय नमः

ॐ कोटिसूर्यसमप्रभाय नमः

ॐ परञ्जोतिषे नमः

ॐ यदूद्वहाय नमः

ॐ पीतवाससे नमः

ॐ गोवर्धनाचलोद्धर्त्रे नमः

ॐ सर्वपालकाय नमः

ॐ निरञ्जनाय नमः

ॐ कञ्जलोचनाय नमः

ॐ कमलानाथाय नमः (२)

ॐ सनातनाय नमः

ॐ पुण्याय नमः

ॐ श्रीवत्सकौस्तुभधराय नमः

ॐ हरये नमः

ॐ देवकीनन्दनाय नमः

ॐ नन्दगोपप्रियात्मजाय नमः

ॐ बलभद्रप्रियानुजाय नमः

ॐ शकटासुरभञ्जनाय नमः

ॐ सञ्चिदानन्दविग्रहाय नमः

ॐ नवनीतनटाय नमः

ॐ नवनीतनवाहाराय नमः

ॐ शोडसस्त्रीसहस्रेशाय नमः

ॐ मधुराकृतये नमः

ॐ गोविन्दाय नमः

ॐ वत्सवाटचराय नमः

ॐ धेनुकासुरभञ्जनाय नमः

ॐ यमळार्जुनभञ्जनाय नमः

ॐ तमालश्यामलाकृतये नमः

ॐ योगिने नमः

ॐ इलापतये नमः

ॐ यादवेन्द्राय नमः

ॐ वनमालिने नमः

ॐ पारिजातापहारकाय नमः

ॐ गोपालाय नमः

ॐ अजाय नमः

ॐ कामजनकाय नमः

ॐ मधुघ्ने नमः

ॐ मधुरानाथाय नमः
 ॐ बलिने नमः
 ॐ तुलसीदामभूषणाय नमः
 ॐ नरनारायणात्मकाय नमः
 ॐ मायिने नमः
 ॐ मुष्टिकासुरचाणूरमल्युद्धविशारदाय नमः
 ॐ कंसारये नमः
 ॐ नरकान्तकाय नमः
 ॐ कृष्णाव्यसनकर्शकाय नमः
 ॐ दुर्योधनकुलान्तकाय नमः
 ॐ विश्वरूपप्रदर्शकाय नमः
 ॐ सत्यसङ्कल्पाय नमः
 ॐ जयिने नमः
 ॐ जिष्णवे नमः
 ॐ जगद्गुरवे नमः
 ॐ वेणूनादविशारदाय नमः
 ॐ भाणासुरकरान्तकाय नमः
 ॐ बर्हिबर्हावतम्सकाय नमः
 ॐ अव्यक्ताय नमः
 ॐ काळीयफणिमाणिक्यमण्डितश्रीपदाम्बुजाय नमः
 ॐ यज्ञभोक्त्रे नमः
 ॐ नारायणाय नमः
 ॐ पन्नगाशनवाहनाय नमः
 ॐ पुण्यश्लोकाय नमः
 ॐ वेदवेद्याय नमः
 ॐ सर्वतीर्थात्मकाय नमः
 ॐ परात्पराय नमः (१०९)

ॐ द्वारकानायकाय नमः
 ॐ बृन्दावनान्तसंचारिणे नमः
 ॐ स्यमन्तकमणेर्हर्त्रे नमः
 ॐ कुब्जाकृष्णांबरधराय नमः
 ॐ परमपुरुषाय नमः
 ॐ सप्सारवैरिणे नमः
 ॐ मुरारये नमः
 ॐ अनादिब्रह्मचारिणे नमः
 ॐ शिशुपालशिरश्चेत्रे नमः
 ॐ विदुराक्रूरवरदाय नमः
 ॐ सत्यवाचे नमः
 ॐ सत्यभामारताय नमः
 ॐ सुभद्रापूर्वजाय नमः
 ॐ भीष्ममुक्तिप्रदायकाय नमः
 ॐ जगन्नाथाय नमः
 ॐ वृषभासुरविध्वंसिने नमः
 ॐ युधिष्ठिरप्रतिष्ठात्रे नमः
 ॐ पार्थसाराये नमः
 ॐ गीतामृतमहोदधिये नमः
 ॐ दामोदराय नमः
 ॐ दानवेन्द्रविनाशकाय नमः
 ॐ परब्रह्मणे नमः
 ॐ जलक्रीडासमासक्तगोपीवस्त्रापहारकाय नमः
 ॐ तीर्थपादाय नमः
 ॐ दयानिधये नमः
 ॐ सर्वग्रहरूपिणे नमः

-----००००-----

(४७) अथ विष्णु अष्टोत्तर शतनामानि

शान्ताकारं भुजकशयनं पद्मनाभं सुरेशं विश्वाकारं गगनसदृशं मेघवर्णम् शुभाङ्गं ।
लक्ष्मीकान्तं कमलनयनं योगिहृद्धानगम्यं वन्दे विष्णुं भवभयहरं सर्वलोकैकनाथं ॥

ॐ विष्णवे नमः (१)	ॐ लक्ष्मीपतये नमः (२)	ॐ कृष्णाय नमः (३)
ॐ वैकुण्ठाय नमः	ॐ गरुडध्वजाय नमः	ॐ परब्रह्मणे नमः
ॐ जगन्नाथाय नमः	ॐ वासुदेवाय नमः	ॐ त्रिविक्रमाय नमः
ॐ दैत्यान्तकाय नमः	ॐ मधुरिपवे नमः	ॐ तार्क्ष्यवाहाय नमः
ॐ सनातनाय नमः	ॐ नारायणाय नमः	ॐ पद्मनाभाय नमः
ॐ हृषीकेशाय नमः	ॐ सुधाप्रदाय नमः	ॐ माधवाय नमः
ॐ पुण्डरीकाक्षाय नमः	ॐ स्थितिकर्त्रे नमः	ॐ परात्पराय नमः
ॐ वनमालिने नमः	ॐ यज्ञरूपाय नमः	ॐ चक्रपाणये नमः
ॐ गदाधराय नमः	ॐ उपेन्द्राय नमः	ॐ केशवाय नमः
ॐ हम्साय नमः	ॐ समुद्रमथनाय नमः	ॐ हरये नमः
ॐ गोविन्दाय नमः	ॐ ब्रह्मजनकाय नमः	ॐ कैटभासुरमर्दनाय नमः
ॐ श्रीधराय नमः	ॐ कामजनकाय नमः	ॐ शेषाय नमः
ॐ चतुर्भुजाय नमः	ॐ पाञ्चजन्यधराय नमः	ॐ श्रीमते नमः
ॐ शार्ङ्गपाणये नमः	ॐ जनार्दनाय नमः	ॐ पीताम्बराय नमः
ॐ देवाय नमः	ॐ सूर्यचन्द्रविलोचनाय नमः	ॐ मत्स्यरूपाय नमः
ॐ कूर्मतनवे नमः	ॐ क्रोडरूपाय नमः	ॐ नृकेसरिणे नमः
ॐ वामनाय नमः	ॐ भार्गवाय नमः	ॐ रामाय नमः
ॐ बलिने नमः	ॐ कल्किने नमः	ॐ हयाननाय नमः
ॐ विश्वम्बराय नमः	ॐ शिशुमाराय नमः	ॐ श्रीकराय नमः
ॐ कपिलाय नमः	ॐ ध्रुवाय नमः	ॐ दत्तात्रेयाय नमः
ॐ अच्युताय नमः	ॐ अनन्ताय नमः	ॐ मुकुन्दाय नमः
ॐ दधिवामनाय नमः	ॐ धन्वन्तरये नमः	ॐ श्रीनिवासाय नमः
ॐ प्रद्युम्नाय नमः	ॐ पुरुषोत्तमाय नमः	ॐ श्रीवत्सकौस्तुभधराय नमः
ॐ मुरारातये नमः	ॐ अधोक्षजाय नमः	ॐ ऋषभाय नमः
ॐ मोहिनीरूपधराय नमः	ॐ सङ्कर्षणाय नमः	ॐ पृथ्वे नमः
ॐ क्षीराब्धिशायिने नमः	ॐ भूतात्मने नमः	ॐ अनिरुद्धाय नमः
ॐ भक्तवत्सलाय नमः	ॐ नराय नमः	ॐ गजेन्द्रवरदाय नमः
ॐ त्रधाम्ने नमः	ॐ भूतपावनाय नमः	ॐ श्वेतद्विपेषुवास्तव्याय नमः

ॐ सूर्यमण्डलमध्यगाय नमः	ॐ सनकादिमुनिध्येयाय नमः	ॐ भगवते नमः
ॐ शंकरप्रियाय नमः	ॐ नीलाकान्ताय नमः	ॐ धराकान्ताय नमः
ॐ वेदात्मने नमः	ॐ बादरायणाय नमः	ॐ भागीरथीजन्मभूमिपादपद्माय नमः
ॐ सतांप्रभवे नमः	ॐ स्वभवे नमः	ॐ विभवे नमः
ॐ घनश्यामाय नमः	ॐ जगत्तारणाय नमः	ॐ अव्ययाय नमः
ॐ बुधावताराय नमः	ॐ शान्तात्मने नमः	ॐ लीलामानुषविग्रहाय नमः
ॐ दामोदराय नमः	ॐ विराटरूपाय नमः	ॐ भूतभव्यभवत्प्रभवे नमः
ॐ आदिदेवाय नमः	ॐ देवदेवाय नमः	ॐ प्रह्लादपरिपालकाय नमः (१०८)

-----००००-----

(४८) अथ राम अष्टोत्तर शतनामानि

वैदेहीसहितं पुरद्रुमतले हैमेमहामण्डपेमध्येपुष्पकमासने मणिमये वीरासने सुस्थिनं ।
अग्रेवाचयतिप्रभञ्जनसुते तत्त्वंमुनिभ्यःपरं व्याख्यान्तं भरतादिभिःपरवृत्तं रामम्भजेश्यामलं ॥

ॐ श्रीरामाय नमः (१)	ॐ रामभद्राय नमः (२)
ॐ रामचन्द्राय नमः	ॐ शाश्वताय नमः
ॐ राजीवलोचनाय नमः	ॐ श्रीमते नमः
ॐ राजेन्द्राय नमः	ॐ रघुपुङ्गवाय नमः
ॐ जानकीवल्लभाय नमः	ॐ जैत्राय नमः
ॐ जितामित्राय नमः	ॐ जनार्दनाय नमः
ॐ विश्वामित्रप्रियाय नमः	ॐ दान्ताय नमः
ॐ शरणत्राणतत्पराय नमः	ॐ वालिप्रमथनाय नमः
ॐ वाग्मिने नमः	ॐ सत्यवाये नमः
ॐ सत्यविक्रमाय नमः	ॐ सत्यव्रताय नमः
ॐ ब्रतधराय नमः	ॐ सदाहनुमदाश्रयाय नमः
ॐ कौसलेयाय नमः	ॐ खरध्वंसिने नमः
ॐ विराधवधखण्डिताय नमः	ॐ विभीषणपरित्रात्रे नमः
ॐ हरकोदण्डखण्डनाय नमः	ॐ सप्तसालप्रभेत्रे नमः
ॐ दशग्रीवशिरोहराय नमः	ॐ जामदग्नियमहादर्पदलनाय नमः
ॐ ताटकान्तकाय नमः	ॐ वेदान्तसाराय नमः
ॐ वेदात्मने नमः	ॐ भवरोगस्यभेषजाय नमः
ॐ दूषणत्रिशिरोहन्त्रे नमः	ॐ त्रिमूर्तये नमः
ॐ त्रिगुणात्मकाय नमः	ॐ त्रिविक्रमाय नमः

ॐ त्रिलोकात्मने नमः
 ॐ त्रिलोकरक्षकाय नमः
 ॐ दण्डकारण्यकर्तनाय नमः
 ॐ पितृभक्ताय नमः
 ॐ जितेन्द्रियाय नमः
 ॐ जितामित्राय नमः
 ॐ ऋक्षवानरसघातिने नमः
 ॐ जयन्तत्राणवरदाय नमः
 ॐ सर्वदेवदिदेवाय नमः
 ॐ मायामारीचहन्त्रे नमः
 ॐ महाभुजाय नमः
 ॐ सौम्याय नमः
 ॐ मुनिसम्स्तुताय नमः
 ॐ महोदाराय नमः
 ॐ सर्वपुण्यादिकफलाय नमः
 ॐ आदिपुरुषाय नमः
 ॐ परमपुरुषाय नमः
 ॐ दयासाराय नमः
 ॐ स्मितवक्त्राय नमः
 ॐ पूर्वभाषिणे नमः
 ॐ अनन्तगुणगम्भीराय नमः
 ॐ मायामानुषचारित्राय नमः
 ॐ सेतुकृते नमः
 ॐ सर्वतीर्थमयाय नमः
 ॐ शामाङ्गाय नमः
 ॐ शूराय नमः
 ॐ धनुर्धराय नमः
 ॐ यज्वने नमः
 ॐ विभीषणप्रतिष्ठात्रे नमः
 ॐ परमात्मने नमः
 ॐ सञ्चिदानन्दविग्रहाय नमः
 ॐ परस्मैधाम्ने नमः

ॐ पुण्यचारित्रकीर्तनाय नमः
 ॐ धन्विने नमः
 ॐ अहल्यपावनाय नमः
 ॐ वरप्रदाय नमः
 ॐ जितक्रोधाय नमः
 ॐ जगद्गुरवे नमः
 ॐ चित्रकूटसमाश्रयाय नमः
 ॐ सुमितापुत्रसेविताय नमः
 ॐ मृतवानरजीवनाय नमः
 ॐ महादेवाय नमः
 ॐ सर्वदेवस्तुताय नमः
 ॐ ब्रह्मण्याय नमः
 ॐ महायोगिने नमः
 ॐ सुग्रीवेप्सितराज्यदाय नमः
 ॐ स्मृतसर्वाघनाशनाय नमः
 ॐ महापुरुषाय नमः
 ॐ पुण्योदायाय नमः
 ॐ पुराणपुरुष्टोत्तमाय नमः
 ॐ मितभाषिणे नमः
 ॐ राघवाय नमः
 ॐ धीरोदात्तगुणोत्तमाय नमः
 ॐ महादेवादिपूजिताय नमः
 ॐ जितवाराशये नमः
 ॐ हरये नमः
 ॐ सुन्दराय नमः
 ॐ पीतवाससे नमः
 ॐ सर्वयज्ञाधिपाय नमः
 ॐ जरामरणवर्जिताय नमः
 ॐ सर्वापगुणवर्जिताय नमः
 ॐ परब्रह्मणे नमः
 ॐ परस्मैजोतिषे नमः
 ॐ पराकाशाय नमः

ॐ परात्पराय नमः

ॐ परेशाय नमः

ॐ पारगाय नमः

ॐ पाराय नमः

ॐ सर्वदेवात्मकाय नमः

ॐ परस्मै नमः (१०८)

-----००००-----

(४९) अथ वेङ्कटेश अष्टोत्तर शतनामानि

ध्यायेच्छ्रीवेङ्कटेशंकलिमलहरणंकाञ्चनाराधितां घ्रीशेषाद्रौसन्निविष्टं चिरमपिरमयाभूमिवैकुण्ठनाथं ।
सुब्रह्मण्यंसुरेशंसकलमुनिनिगणैसेवितं मन्त्रमूर्तिभक्तेष्टार्थप्रदानप्रविततयशसंविष्णुमर्चावतारं ।।

ॐ ओङ्कारपरमार्थाय नमः (१)

ॐ नरनारायणात्मकाय नमः (२)

ॐ मोक्षलक्ष्मीप्राणकान्ताय नमः

ॐ वेङ्कटाचलनायकाय नमः

ॐ करुणापूर्णहृदयाय नमः

ॐ टेङ्कारजपसौख्यधाय नमः

ॐ शस्त्राप्रमाणगम्याय नमः

ॐ यमाध्यष्टाङ्गगोचराय नमः

ॐ भक्तलोकैकवरदाय नमः

ॐ वरेण्याय नमः

ॐ भयनाशनाय नमः

ॐ यजमानस्वरूपाय नमः

ॐ हस्तन्यस्तसुदर्शनाय नमः

ॐ रमावतारमङ्गेशाय नमः

ॐ णाकारजपसुप्रियाय नमः

ॐ यज्ञेशाय नमः

ॐ गतिदात्रे नमः

ॐ जगतीवल्लभाय नमः

ॐ वराय नमः

ॐ रक्षस्सन्दोहसमहर्त्रे नमः

ॐ वर्चस्विने नमः

ॐ रघुपुङ्गवाय नमः

ॐ दानधर्मपराय नमः

ॐ याजिने नमः

ॐ घनश्यामलविग्रहाय नमः

ॐ हरादिसर्वदेवेद्याय नमः

ॐ रामाय नमः

ॐ यदुकुलाग्रण्ये नमः

ॐ श्रीनिवासाय नमः

ॐ महात्मने नमः

ॐ तेजस्विने नमः

ॐ तत्त्वसन्निधये नमः

ॐ त्वमर्थलक्ष्यरूपाय नमः

ॐ रूपवते नमः

ॐ पावनाय नमः

ॐ यशसे नमः

ॐ सर्वेशाय नमः

ॐ कमलाकान्ताय नमः

ॐ लक्ष्मीसल्लापसम्मुखाय नमः

ॐ चतुर्मुखप्रतिष्ठात्रे नमः

ॐ राजराजवरप्रदाय नमः

ॐ चतुर्वेदशिरोरत्नाय नमः

ॐ रमणाय नमः

ॐ नित्यवैभवाय नमः

ॐ दासवर्गपरित्रात्रे नमः

ॐ नारदादिमुनिस्तुताय नमः

ॐ यादवाचलवासिने नमः

ॐ खिद्यभक्तार्तिभञ्जनाय नमः

ॐ लक्ष्मीप्रसादकाय नमः
 ॐ देवाशाय नमः
 ॐ माधवाय नमः
 ॐ लालिताखिलसेवकाय नमः
 ॐ कुमाराय नमः
 ॐ रटत्बालकपोषिणे नमः
 ॐ षाड्गुण्यपरिपूर्णाय नमः
 ॐ तिर्यग्जन्तुचिन्ताङ्घ्रये नमः
 ॐ द्वादशोत्तमलीलाय नमः
 ॐ शत्रुकृत्यादिभीतिघ्नाय नमः
 ॐ जाग्रते नमः
 ॐ शिष्टपरिपालकाय नमः
 ॐ पूर्णबोधाय नमः
 ॐ कार्तिकेयवपुर्धारिणे नमः
 ॐ नरकादिभयध्वंसिने नमः
 ॐ लोकार्चामुख्यमूर्तये नमः
 ॐ शास्त्रश्रुतानन्तलीलाय नमः
 ॐ मानसमरक्षणपराय नमः
 ॐ नेत्रहीनाक्षिदायिने नमः
 ॐ हिरण्यदानग्राहिणे नमः
 ॐ दधिलाजाक्षतार्च्याय नमः
 ॐ यजुर्वेदशिखागम्याय नमः
 ॐ दक्षिणास्थिताय नमः
 ॐ रात्रौदेवगणार्चिताय नमः
 ॐ श्रीञ्जपाधनवृद्धिकृते नमः
 ॐ स्वस्सर्वसिद्धिसन्धात्रे नमः
 ॐ मोहिताखिललोकाय नमः
 ॐ राजीवलोचनाय नमः
 ॐ गणवेङ्कटाय नमः
 ॐ स्वामिने नमः
 ॐ श्रीवेङ्कटेश्वराय नमः (१०९)

ॐ विष्णवे नमः
 ॐ रम्यविग्रहाय नमः
 ॐ लोकनाथाय नमः
 ॐ यक्षगन्धर्ववरदाय नमः
 ॐ मातृकार्चिताय नमः
 ॐ शेषशैलकृस्थलाय नमः
 ॐ द्वैतदोषनिवारणाय नमः
 ॐ नेत्रानन्दकरोत्सवाय नमः
 ॐ दरिद्रजनरक्षकाय नमः
 ॐ भुजङ्गशयनप्रियाय नमः
 ॐ रहस्यावासाय नमः
 ॐ वरेण्याय नमः
 ॐ जन्मसंसारभेषजाय नमः
 ॐ यतिशेखरभाविताय नमः
 ॐ रथोत्सवकलाधराय नमः
 ॐ केशवाध्यवतारवते नमः
 ॐ यमशिक्षानिबर्हणाय नमः
 ॐ इरिणाङ्कुरधान्यदाय नमः
 ॐ मतिहीनमतिप्रदाय नमः
 ॐ मोहजालनिकृन्तनाय नमः
 ॐ यातुधानविनाशनाय नमः
 ॐ वेङ्कटाय नमः
 ॐ सारपुष्करिणीतीराय नमः
 ॐ यत्नवत्फलसन्धात्रे नमः
 ॐ क्लीङ्कारजापिकाम्यार्थप्रदानसदयान्तराय नमः
 ॐ नमस्कर्तुरभीष्टदाय नमः
 ॐ नानारूपव्यविस्थिताय नमः
 ॐ यज्ञवराहाय नमः
 ॐ तेजोराशीक्षणाय नमः
 ॐ हार्दाविद्यानिवारणाय नमः

(५०) अथ नृसिम्ह अष्टोत्तर शतनामानि

सिम्हास्यांतीक्षणदंष्ट्रं त्रिणयनमुदयद्भानुकोटिप्रकाशं हस्तैर्दभोळीधारापटुशितनखरैर्दैत्यवक्षोविर्दाय ।
दत्त्वादेवव्रजस्याभयमपिचरं शङ्खचक्रे दधानं लक्ष्मीयुक्तं प्रशान्तं श्रितजनसुलभं विष्णुमाद्यं नमामि ॥

ॐ नरसिम्हाय नमः (१)

ॐ महाबलाय नमः

ॐ उपेन्द्राय नमः

ॐ शौरये नमः

ॐ हरिकोलाहलाय नमः

ॐ जयाय नमः

ॐ परब्रह्मणे नमः

ॐ ज्वालामुखाय नमः

ॐ महाप्रभवे नमः

ॐ दुर्निरीक्षाय नमः

ॐ प्राज्ञाय नमः

ॐ सुरारिघ्नाय नमः

ॐ गुणभद्राय नमः

ॐ सुभद्रकाय नमः

ॐ गतायुषे नमः

ॐ दिव्याय नमः

ॐ अमोघास्त्राय नमः

ॐ सुरेश्वराय नमः

ॐ सर्वसिद्धये नमः

ॐ भगवते नमः

ॐ परावराय नमः

ॐ अव्ययाय नमः

ॐ खगवाहनाय नमः

ॐ सुव्यक्ताय नमः

ॐ लोकैकनायकाय नमः

ॐ धीराय नमः

ॐ भीमाय नमः

ॐ महासिम्हाय नमः (२)

ॐ उग्रसिम्हाय नमः

ॐ अग्निलोचनाय नमः

ॐ महावीराय नमः

ॐ चक्रिणे नमः

ॐ अव्ययाय नमः

ॐ अघोराय नमः

ॐ ज्वालमालिने नमः

ॐ निटिलाक्षाय नमः

ॐ प्रतापनाय नमः

ॐ हिरण्यकनिषूदनाय नमः

ॐ सदातिघ्नाय नमः

ॐ महाभद्राय नमः

ॐ कराळाय नमः

ॐ सर्वकर्तृकाय नमः

ॐ अगम्याय नमः

ॐ शस्त्रधराय नमः

ॐ सहस्रबाहवे नमः

ॐ जनार्दनाय नमः

ॐ स्थूलाय नमः

ॐ सर्वमन्त्रैकरूपाय नमः

ॐ परामनन्दाय नमः

ॐ भक्तातिवत्सलाय नमः

ॐ सुलभाय नमः

ॐ सर्वाय नमः

ॐ धराय नमः

ॐ भीमपराक्रमाय नमः

ॐ दिव्यसिम्हाय नमः (३)

ॐ महादेवाय नमः

ॐ रौद्राय नमः

ॐ सुविक्रमपराक्रमाय नमः

ॐ विजयाय नमः

ॐ दैत्यान्तकाय नमः

ॐ घोरविक्रमाय नमः

ॐ महाज्वालाय नमः

ॐ सहस्राक्षाय नमः

ॐ महादंष्ट्रायुधाय नमः

ॐ चणकोपिने नमः

ॐ सदाशिवाय नमः

ॐ बलभद्राय नमः

ॐ विकराळाय नमः

ॐ भैरवाडम्बराय नमः

ॐ सर्वशत्रुजिते नमः

ॐ सव्यजूटाय नमः

ॐ वज्रनखाय नमः

ॐ अनन्ताय नमः

ॐ अगम्याय नमः

ॐ सर्वयन्त्रविदारणाय नमः

ॐ कालजिते नमः

ॐ अव्यक्ताय नमः

ॐ शुचये नमः

ॐ शरणागतवत्सलाय नमः

ॐ सर्वज्ञाय नमः

ॐ देवप्रियाय नमः

ॐ नुताय नमः	ॐ पूज्याय नमः	ॐ भवहृते नमः
ॐ परमेश्वराय नमः	ॐ श्रीवत्सवक्षसे नमः	ॐ श्रीवासाय नमः
ॐ विभवे नमः	ॐ सङ्कर्षणाय नमः	ॐ प्रभवे नमः
ॐ त्रिविक्रमाय नमः	ॐ त्रिलोकात्मने नमः	ॐ कालाय नमः
ॐ सर्वेश्वरेश्वराय नमः	ॐ विश्वम्भराय नमः	ॐ स्थिराभार्याय नमः
ॐ अञ्जुताय नमः	ॐ पुरुष्टोत्तमाय नमः	ॐ अधोक्षजाय नमः
ॐ अक्षयाय नमः	ॐ सेव्याय नमः	ॐ वनमालिने नमः
ॐ प्रकम्पनाय नमः	ॐ गुरवे नमः	ॐ लोकगुरवे नमः
ॐ स्रष्ट्रे नमः	ॐ परस्मैज्योदिषे नमः	ॐ परायणाय नमः (१०८)

-----००००-----

(५१) अथ इडुम्भ अष्टोत्तर शतनामानि

अगस्त्यवाक्यात्शिवागिरिं बाहुवाहसुपादके । नीत्वाफलं त्वमिति क्षेत्रे श्रीधेनुरविपूजिते ॥

भूमौ सस्थाप्य वसतंगुहभक्तिपरंवरं । कृष्णवर्णमहाकायं दण्डहस्तं भयानकं ॥

भक्तानां मिष्टदं दैत्यं दुम्भभक्तमहं भजे ॥

ॐ इडुम्भासुराय नमः (१)	ॐ इडुम्भीनाथाय नमः (२)	ॐ रक्तवाससे नमः (३)
ॐ रक्तकुण्डलाय नमः	ॐ रुद्राक्षमालाय नमः	ॐ रक्तनेत्राय नमः
ॐ दंष्ट्रवक्त्राय नमः	ॐ दण्डिने नमः	ॐ दुर्मुखाय नमः
ॐ दण्डहस्ताय नमः	ॐ दुस्वप्नघ्नाय नमः	ॐ दैत्यहारिणे नमः
ॐ दयापराय नमः	ॐ ऊर्ध्वहस्ताय नमः	ॐ उग्ररूपाय नमः
ॐ उरगदंष्ट्राय नमः	ॐ उन्मत्ताय नमः	ॐ उत्साहप्रियाय नमः
ॐ निशीनाथाय नमः	ॐ नीलकञ्चुकाय नमः	ॐ नागाभरणभूषणाय नमः
ॐ नागकेशाय नमः	ॐ नररूपिणे नमः	ॐ नागयज्ञोपवीतिने नमः
ॐ निष्कण्टकाय नमः	ॐ हराय नमः	ॐ विष्णुमायाय नमः
ॐ व्याघ्रचर्माम्बराय नमः	ॐ वेद्याय नमः	ॐ मुण्डिने नमः
ॐ मुक्तामालविभूषणाय नमः	ॐ माम्सप्रियाय नमः	ॐ मोहनाय नमः
ॐ महाबलपराक्रमाय नमः	ॐ मनोहराय नमः	ॐ मायाय नमः
ॐ मधुमाम्सभक्षणाय नमः	ॐ मानिने नमः	ॐ मृगमदचन्दनलेपनाय नमः
ॐ मन्दस्मिताय नमः	ॐ मायास्वरूपिणे नमः	ॐ मुनिप्रियाय नमः
ॐ मङ्गलाय नमः	ॐ कटिबाहवे नमः	ॐ क्रोधाय नमः
ॐ काळकाष्ठतनवे नमः	ॐ कालाय नमः	ॐ कलिङ्गदेशोद्भवाय नमः
ॐ कलकप्रियाय नमः	ॐ काकनाशाय नमः	ॐ कम्बुकण्ठाय नमः

ॐ कामारिणे नमः	ॐ कामचराय नमः	ॐ कामितार्थफलप्रदाय नमः
ॐ क्लेशनाशाय नमः	ॐ कामरूपाय नमः	ॐ भक्तवत्सलाय नमः
ॐ भक्तानुग्रहकारणाय नमः	ॐ भूधरधराय नमः	ॐ भूतपतये नमः
ॐ शान्तरूपाय नमः	ॐ शङ्करप्रियाय नमः	ॐ शैलभाराय नमः
ॐ शान्तजनप्रियाय नमः	ॐ शाश्वताय नमः	ॐ शुद्धाय नमः
ॐ शत्रुसंहारिणे नमः	ॐ स्कन्दप्रियाय नमः	ॐ सौम्याय नमः
ॐ साधुपतये नमः	ॐ सर्वलोकचञ्चारिणे नमः	ॐ सुगन्धप्रियाय नमः
ॐ सर्वजनरक्षकाय नमः	ॐ साधुप्रियाय नमः	ॐ दक्षनिग्रहाय नमः
ॐ शिष्टपरिपालकाय नमः	ॐ सर्वरोगनिवारणाय नमः	ॐ सर्वदुःखप्रशमनाय नमः
ॐ सत्यसाक्षिणे नमः	ॐ सर्वधारिणे नमः	ॐ आपत्त्वान्धवाय नमः
ॐ अघोराय नमः	ॐ पिङ्गलोचनाय नमः	ॐ पिशाचनाथाय नमः
ॐ पादुकारुडाय नमः	ॐ प्रसन्नवदनाय नमः	ॐ पद्माक्षाय नमः
ॐ पारिजातप्रियाय नमः	ॐ गदाहस्ताय नमः	ॐ गुळान्नप्रियाय नमः
ॐ गम्भीराय नमः	ॐ धूम्रलोचनाय नमः	ॐ ज्वलन्नेत्राय नमः
ॐ जगत्प्रियाय नमः	ॐ जपाकुसुमसङ्काशाय नमः	ॐ ज्ञानिने नमः
ॐ बलप्रियाय नमः	ॐ बह्मकेशाय नमः	ॐ बहुदैत्यविनाशकाय नमः
ॐ बालस्कन्दमतये नमः	ॐ घण्टानादप्रियाय नमः	ॐ द्वयहस्ताय नमः
ॐ अचञ्चलाय नमः	ॐ चन्द्रशेखरदूताय नमः	ॐ त्रैलोक्यसञ्चारिणे नमः
ॐ शङ्कटभक्षणाय नमः	ॐ इष्टदाय नमः	ॐ इडुम्भासुरमूर्तये नमः (१०८)

-----००००-----

(५२) अथ गरुड अष्टोत्तर शतनामानि

सकलदुरितनाशं दर्शनात्पापनाशं करकमलनिवहद्विष्णुपादारविन्दं । अमृतकलशहस्तं
कान्तिसम्पूर्णदेहं सकलविबुधवन्द्यं वेदशास्त्रैरचिन्त्यं । कनकरुचिरपक्षोद्धूयमानाण्डगोळं
सकलविषविनाशंचिन्तयेत् पक्षिराजं ।।

ॐ गरुडाय नमः (१)	ॐ वैनतेयाय नमः (२)	ॐ खगपतये नमः (३)
ॐ काश्यपाय नमः	ॐ अग्रये नमः	ॐ महाबलाय नमः
ॐ तत्तत्काञ्चनवर्णाभाय नमः	ॐ सुपर्णाय नमः	ॐ हरिवाहनाय नमः
ॐ छन्दोमयाय नमः	ॐ महादेजसे नमः	ॐ महोत्साहाय नमः
ॐ महाबलाय नमः	ॐ ब्रह्मण्याय नमः	ॐ विष्णुभक्ताय नमः
ॐ कुन्देन्दुधवळाननाय नमः	ॐ चक्रपाणिधराय नमः	ॐ श्रीमते नमः
ॐ नागारये नमः	ॐ नागभूषणाय नमः	ॐ विज्ञानदाय नमः

ॐ विशेषज्ञाय नमः	ॐ विद्यानिधये नमः	ॐ अनामयाय नमः
ॐ भूतिदाय नमः	ॐ भुवनत्रात्रे नमः	ॐ भूषयाय नमः
ॐ भक्तवत्सलाय नमः	ॐ सप्तछन्दोमयाय नमः	ॐ पक्षिणे नमः
ॐ सुरासुरपूजिताय नमः	ॐ गजभुजे नमः	ॐ कच्छपाशिने नमः
ॐ दैत्यहन्त्रे नमः	ॐ अरुणानुजाय नमः	ॐ अमृताम्शाय नमः
ॐ अमृतवपुषे नमः	ॐ आनन्दनिधये नमः	ॐ अव्ययाय नमः
ॐ निगमात्मने नमः	ॐ निराहाराय नमः	ॐ निस्त्रैगुण्याय नमः
ॐ निरव्याय नमः	ॐ निर्विकल्पाय नमः	ॐ परस्मैज्योतिषे नमः
ॐ परात्परतराय नमः	ॐ परस्मै नमः	ॐ शुभाङ्गाय नमः
ॐ शुभदाय नमः	ॐ शूराय नमः	ॐ सूक्ष्मरूपिणे नमः
ॐ बृहत्तनवे नमः	ॐ विषाशिने नमः	ॐ विदितात्मने नमः
ॐ विदिताय नमः	ॐ जयवर्धनाय नमः	ॐ दाड्याङ्गाय नमः
ॐ जगदीशाय नमः	ॐ जनार्दनमहाध्वजाय नमः	ॐ सतांसन्तापविच्छेत्रे नमः
ॐ जरामरणवर्जिताय नमः	ॐ कल्याणदाय नमः	ॐ कलातीताय नमः
ॐ कलाधरसमप्रभाय नमः	ॐ सोमपाय नमः	ॐ सुरसन्देशाय नमः
ॐ यज्ञाङ्गाय नमः	ॐ यज्ञभूषणाय नमः	ॐ महाजवाय नमः
ॐ जितामित्राय नमः	ॐ मन्मथप्रियबान्धवाय नमः	ॐ शङ्खभृते नमः
ॐ चक्रधारिणे नमः	ॐ बालाय नमः	ॐ बहुपराक्रमाय नमः
ॐ सुधाकुम्भधराय नमः	ॐ धीमते नमः	ॐ दुराधर्षाय नमः
ॐ दुरारिघ्ने नमः	ॐ वज्राङ्गाय नमः	ॐ वरदाय नमः
ॐ वन्द्याय नमः	ॐ वायुवेगाय नमः	ॐ वरप्रदाय नमः
ॐ विनतानन्दनाय नमः	ॐ श्रीदाय नमः	ॐ विजितारातिसन्कुलाय नमः
ॐ पतद्वरिष्ठाय नमः	ॐ सर्वेशाय नमः	ॐ पापघ्ने नमः
ॐ पापनाशनाय नमः	ॐ अग्रिजिते नमः	ॐ जयघोषाय नमः
ॐ जगदाह्लादकारकाय नमः	ॐ वज्रनासाय नमः	ॐ सुवक्त्राय नमः
ॐ शत्रुघ्नाय नमः	ॐ मदभञ्जनाय नमः	ॐ कालज्ञाय नमः
ॐ कमलेष्टाय नमः	ॐ कलिदोषनिवारणाय नमः	ॐ विद्युन्निभाय नमः
ॐ विशालाङ्गाय नमः	ॐ विनतादास्यमोचनाय नमः	ॐ स्तोमात्मने नमः
ॐ त्रयीमूर्ध्ने नमः	ॐ भूम्ने नमः	ॐ गायत्रलोचनाय नमः
ॐ सामगानरताय नमः	ॐ स्रग्विने नमः	ॐ स्वच्छन्दगतये नमः
ॐ अग्रेण्यै नमः	ॐ श्रीपक्षिराजपरभ्रमणे नमः (११३)	

(५३) अथ हरिहरपुत्र अष्टोत्तर शतनामानि

द्विहस्तपद्मसम्स्थं च शुक्लयज्ञोपवीतिनं । पूर्णयापुष्कलादेव्यायुक्तं शास्तरमाश्रये ॥

ॐ शास्त्रे नमः	ॐ हरिहरोद्भूताय नमः	ॐ हरिहरपुत्राय नमः
ॐ उन्मत्तगजवाहनाय नमः	ॐ पुत्रलाभकराय नमः	ॐ मथनोद्भवे नमः
ॐ शास्त्रार्थाय नमः	ॐ चैतस्याय नमः	ॐ चेतोद्भवाय नमः
ॐ उत्तराय नमः	ॐ रूपपञ्चकाय नमः	ॐ स्थानपञ्चकाय नमः
ॐ घृणये नमः	ॐ वीराय नमः	ॐ समुद्रवर्णाय नमः
ॐ कालाय नमः	ॐ परिग्रहाय नमः	ॐ अमृताय नमः
ॐ ब्रह्मरूपिणे नमः	ॐ विष्णुरूपिणे नमः	ॐ रुद्ररूपिणे नमः
ॐ वीररुद्राय नमः	ॐ प्रभवे नमः	ॐ स्त्रीरूपिणे नमः
ॐ खड्गधारिणे नमः	ॐ मातङ्गिने नमः	ॐ मोहनाय नमः
ॐ महामतये नमः	ॐ कामितदाय नमः	ॐ दिदृक्षवे नमः
ॐ गरळाशनाय नमः	ॐ जातस्थाय नमः	ॐ महाकोटये नमः
ॐ मेधाविने नमः	ॐ द्विनेत्राय नमः	ॐ द्विभुजाय नमः
ॐ भूषिताय नमः	ॐ श्यामलाय नमः	ॐ यक्षाय नमः
ॐ नागयज्ञोपवीतधृते नमः	ॐ रक्ताम्बरतराय नमः	ॐ कुण्डलोद्भवाय नमः
ॐ सद्योजाताय नमः	ॐ सर्वसिद्धिकराय नमः	ॐ पाणिदेवाय नमः
ॐ पीनरक्ताय नमः	ॐ सम्यङ्नुताय नमः	ॐ सर्पाभरणसम्युक्ताय नमः
ॐ शक्तिपार्श्वाय नमः	ॐ विद्वेषाय नमः	ॐ मदनाय नमः
ॐ आर्याय नमः	ॐ कण्यासत्ताय नमः	ॐ मानिने नमः
ॐ विकृताय नमः	ॐ अमृताय नमः	ॐ विक्रमाय नमः
ॐ वीराय नमः	ॐ दाक्षिणात्याय नमः	ॐ हस्तीशाय नमः
ॐ चक्रेशाय नमः	ॐ दण्डधारणाय नमः	ॐ मथनेशाय नमः
ॐ मङ्गलदाय नमः	ॐ पल्लवेशाय नमः	ॐ हस्त्रेशाय नमः
ॐ कुञ्जिताय नमः	ॐ व्यापकाय नमः	ॐ भूतपालाय नमः
ॐ बृहत्कुक्षये नमः	ॐ नीलाङ्गाय नमः	ॐ कविभूषिताय नमः
ॐ धृतबाणाय नमः	ॐ चापधराय नमः	ॐ शक्त्यानन्दितमूर्तिमते
ॐ भूलोकाय नमः	ॐ यौवनाय नमः	ॐ भीमाय नमः
ॐ तुङ्गभङ्गाय नमः	ॐ कुन्तलाय नमः	ॐ सारस्वताय नमः
ॐ योगपट्टाय नमः	ॐ बद्धपद्मासनाय नमः	ॐ साग्रे नमः
ॐ ईश्वराय नमः	ॐ फागावृताय नमः	ॐ श्वानावृताय नमः

ॐ कुक्कुटावृताय नमः	ॐ मेषावृताय नमः	ॐ पीतरक्ताय नमः
ॐ उत्पलाभाय नमः	ॐ धर्मिणे नमः	ॐ पद्मालयाय नमः
ॐ क्षीबाय नमः	ॐ भोगिने नमः	ॐ योगिने नमः
ॐ कराळभूतास्त्राय नमः	ॐ भूतलीलाधारिणे नमः	ॐ भेताळसंवृताय नमः
ॐ आवृतप्रमथाय नमः	ॐ जटामकुटधारणाय नमः	ॐ मुण्डमालाधराय नमः
ॐ भूताय नमः	ॐ भूताण्डाय नमः	ॐ हुम्कारभूताय नमः
ॐ काळरात्राय नमः	ॐ चामुण्डाय नमः	ॐ पूर्णापुष्कलावल्लभाय नमः

-----००००-----

(५४) अथ (अभयहस्त) आज्ञनेय अष्टोत्तर शतनामानि

वन्देविद्युत्त्वलनविलसत् ब्रह्मसूत्रैकनिष्ठं कर्णद्वंद्वे कनकरचितेकुण्डलेधारयन्तं ।
सत्कौपीनंकपिचरवृतंकामरूपंकपीन्द्रं पुत्रंवायोरिनसुतसुखदं वज्रदेहंवरेण्यं ॥

ॐ आज्ञनेयाय नमः (१)	ॐ महावीराय नमः (२)
ॐ हनूमते नमः	ॐ मारुतात्मजाय नमः
ॐ तत्त्वज्ञानप्रदाय नमः	ॐ सीतादेवीमुद्राप्रदायकाय नमः
ॐ अशोकवनिकाष्ठे नमः	ॐ सर्वमायाविभञ्जनाय नमः
ॐ सर्वबन्धविमोक्त्रे नमः	ॐ रक्षोविध्वंसकारकाय नमः
ॐ परविद्यापरीहाराय नमः	ॐ परशौर्यविनाशनाय नमः
ॐ परमन्त्रनिराकर्त्रे नमः	ॐ परयन्त्रप्रभेदकाय नमः
ॐ सर्वग्रहविनाशिने नमः	ॐ भीमसेनसहायकृते नमः
ॐ सर्वदुःखहराय नमः	ॐ सर्वलोकचारिणे नमः
ॐ मनोजवाय नमः	ॐ पारिजातद्रुमूलस्थाय नमः
ॐ सर्वमन्त्रस्वरूपवते नमः	ॐ सर्वतन्त्रेस्वरूपिणे नमः
ॐ सर्वयन्त्रात्मकाय नमः	ॐ कपीश्वराय नमः
ॐ महाकायाय नमः	ॐ सर्वरोगहराय नमः
ॐ प्रभवे नमः	ॐ बलसिद्धिकराय नमः
ॐ सर्वविद्यासम्पत्प्रदायकाय नमः	ॐ कपिसेनानायकाय नमः
ॐ भविष्यच्चतुराननाय नमः	ॐ कुमारब्रह्मचारिणे नमः
ॐ रत्नकुण्डलदीप्तिमते नमः	ॐ सञ्जलद्वालसन्नद्धलम्बमानशिखोज्ज्वलाय नमः
ॐ नन्धर्वविद्यातत्त्वज्ञाय नमः	ॐ महाबलपराक्रमाय नमः
ॐ कारागृहविमोक्त्रे नमः	ॐ शृङ्खलाबन्धमोचकाय नमः

ॐ सागरोत्तारकाय नमः
 ॐ रामदूताय नमः
 ॐ वानराय नमः
 ॐ सीताशोकनिवारणाय नमः
 ॐ बालर्कसदृशाननाय नमः
 ॐ दशग्रीवकुलान्तकाय नमः
 ॐ वज्रकायाय नमः
 ॐ चिरञ्जीविने नमः
 ॐ दैत्यकार्यविधातकाय नमः
 ॐ काञ्चनाभाय नमः
 ॐ महातपसे नमः
 ॐ श्रीमते नमः
 ॐ गन्धमादनशैलस्थाय नमः
 ॐ सुग्रीवसचिवाय नमः
 ॐ शूराय नमः
 ॐ सुरार्चिताय नमः
 ॐ रामचूडामणिप्रदाय नमः
 ॐ पिङ्गळाक्षाय नमः
 ॐ कबलीकृतमार्ताण्डमण्डलाय नमः
 ॐ रामसुग्रीवसन्धात्रे नमः
 ॐ स्फटिकाभाय नमः
 ॐ नवव्याकृतिपण्डिताय नमः
 ॐ दीनबन्धवे नमः
 ॐ भक्तवत्सलाय नमः
 ॐ सुचये नमः
 ॐ दृढव्रताय नमः
 ॐ हरिमर्कटमर्कटाय नमः
 ॐ शान्ताय नमः
 ॐ शतकण्ठमदाहते नमः
 ॐ रामकथालोलाय नमः
 ॐ वज्रदंष्ट्राय नमः
 ॐ रुद्रवीर्यसमुद्भवाय नमः

ॐ प्राज्ञाय नमः
 ॐ प्रतापवते नमः
 ॐ केसरिसुताय नमः
 ॐ अञ्जनागर्भसम्भूताय नमः
 ॐ वोभीषणप्रियकराय नमः
 ॐ लक्ष्मणप्राणदात्रे नमः
 ॐ महाद्युतये नमः
 ॐ रामभक्ताय नमः
 ॐ अक्षहन्त्रे नमः
 ॐ पञ्चवक्त्राय नमः
 ॐ लङ्किणीभञ्जनाय नमः
 ॐ सिम्हिकाप्राणभञ्जनाय नमः
 ॐ लङ्कापुरविदाहकाय नमः
 ॐ धीराय नमः
 ॐ दैत्यकुलान्तकाय नमः
 ॐ महातेजसे नमः
 ॐ कामरूपिणे नमः
 ॐ वार्धिमैनाकपूजिताय नमः
 ॐ विजितेन्द्रियाय नमः
 ॐ महारावणमर्धनाय नमः
 ॐ वागधीशाय नमः
 ॐ चतुर्बाहवे नमः
 ॐ महात्मने नमः
 ॐ सञ्जीवननगाहर्त्रे नमः
 ॐ वाग्मिने नमः
 ॐ कालनेमिप्रमथनाय नमः
 ॐ दान्ताय नमः
 ॐ प्रसन्नात्मने नमः
 ॐ योगिने नमः
 ॐ सीतान्वेषणपण्डिताय नमः
 ॐ वज्रनखाय नमः
 ॐ इन्द्रजित्प्रहितामोघब्रह्मास्त्रविनिवारकाय नमः

ॐ पार्थध्वजाग्रसम्वासिने नमः

ॐ दशबाहवे नमः

ॐ जाम्बवत्प्रीतिवर्धनाय नमः

ॐ शरपञ्जरभेदकाय नमः

ॐ लोकपूज्याय नमः

ॐ सीतासमेतश्रीरामपादसेवाधुरन्धराय नमः(१०८)

ॐ श्री सीता, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न, अभयहस्त आञ्जनेय समेत श्रीरामचन्द्रमूर्तिने नमः

-----००००----- अथ अष्टोत्तर नामानि सम्पूर्णम् -----००००-----

श्री काञ्चीकामकोटी पीठाधीश्वर जगद्गुरु श्रीमद् चन्द्रशेखरेन्द्र सरस्वती

महास्वामि श्रीचरणारविन्द अष्टोत्तर शतनामावली ।।

- | | |
|--|---|
| ॐ श्री चन्द्रशेखरेन्द्र अस्मद् आचार्याय नमो नमः(१) | ॐ श्री चन्द्रमौलिपादाब्ज मधुपाय नमो नमः (२) |
| ॐ आचार्यपाद अधिष्ठान अभिषिक्ताय नमो नमः | ॐ सरवज्य अचार्य भगवत् स्वरूपाय नमो नमः |
| ॐ अष्टाङ्ग योगनिष्ठागरिष्ठाय नमो नमः | ॐ सनकादि महायोगि सदृशाय नमो नमः |
| ॐ महादेवेन्द्र हस्ताब्ज सञ्ज्ञाताय नमो नमः | ॐ महायोगि विनिभेद्य महत्वाय नमो नमः |
| ॐ कामकोटि महपीठाधीश्वराय नमो नमः | ॐ कलिदोष निवृत्त्येक कारणाय नमो नमः |
| ॐ श्री शङ्कर पादाम्भोज चिन्तनाय नमो नमः | ॐ भारतीकृत जिह्वाग्र नर्तनाय नमो नमः |
| ॐ करुणारस कल्लोल कटाक्षाय नमो नमः | ॐ कान्तिनिर्जित सूर्येन्तु कम्प्राभाय नमो नमः |
| ॐ अमन्दानन्दकृन् मन्दगमनाय नमो नमः | ॐ अद्वैतानन्द भरितचिद्रूपाय नमो नमः |
| ॐ कटीतट लसञ्चारु काषायाय नमो नमः | ॐ कटाक्षामात्र मोक्षेच्छाजनकाय नमो नमः |
| ॐ बाहुदण्ड लसद्वेणु दण्डकाय नमो नमः | ॐ फालभाग लसद्भूति पुण्ड्रकाय नमो नमः |
| ॐ दरहास स्फुरदिव्य मुखाब्ज्याय नमो नमः | ॐ सुधामधुरिमा मञ्जुभाषाणाय नमो नमः |
| ॐ तपनीय तिरस्कारि शरीराय नमो नमः | ॐ तपःप्रभा सदाराजत् सुनेत्राय नमो नमः |
| ॐ सङ्गीतानन्द सन्दोह सर्वस्वाय नमो नमः | ॐ संसाराम्बुधि निर्मग्न तारकाय नमो नमः |
| ॐ मस्तकोल्लासि रुद्राक्ष मकुटाय नमो नमः | ॐ साक्षात् परशिवा मोघ दर्शनाय नमो नमः |
| ॐ चक्षुर्गत महातेज अत्युज्ज्वलाय नमो नमः | ॐ साक्षात्कृत जगन्मातृ स्वरूपाय नमो नमः |
| ॐ क्वचिद् बाल जनात्यन्त सुलाभाय नमो नमः | ॐ क्वचिन् महाजनातीव दुष्प्रापाय नमो नमः |
| ॐ गोब्राह्मण हितासक्त मानसाय नमो नमः | ॐ गुरुमण्डल सम्भाव्य विदेहाय नमो नमः |
| ॐ भावनामातृ सन्तुष्ट हृदययाय नमो नमः | ॐ भव्याद्य भाव्य दिव्यश्री पदाब्ज्याय नमो नमः |
| ॐ व्यक्ता व्यक्त तरानेक चित्कलाय नमो नमः | ॐ रक्तशुक्ल प्रभामिश्र पादुकाय नमो नमः |
| ॐ भक्तमानस राजीव भावनाय नमो नमः | ॐ भक्तलोचन राजीव भास्कराय नमो नमः |
| ॐ भक्तकामलता कल्पपादपाय नमो नमः | ॐ भुक्ति मुक्ति प्रदानेक शक्तिदाय नमो नमः |
| ॐ शरनागत दीनार्त रक्षकाय नमो नमः | ॐ शमादि षट्क सम्पत्प्रदायकाय नमो नमः |
| ॐ सर्वदा सर्वथालोक सौख्यदाय नमो नमः | ॐ सदा नवनवा काङ्क्ष्य दर्शनाय नमो नमः |

ॐ सर्व हृत्पद्म सञ्चार निपुणाय नमो नमः
 ॐ स्वप्न दर्शन भक्ताष्ट सिद्धिदाय नमो नमः
 ॐ दीन भक्तावनैकान्त दीक्षिताय नमो नमः
 ॐ भाव माधुर्य कलित अभयदाय नमो नमः
 ॐ मूकीभूत अनेकलोक वाक्प्रदाय नमो नमः
 ॐ भोगमोक्ष प्रदानेक योगज्ञाय नमो नमः
 ॐ अमानित्वादि मुख्यार्थ सिद्धिदाय नमो नमः
 ॐ नित्यानित्य विवेक प्रदायकाय नमो नमः
 ॐ इहामुत्रार्थ वैराग्य सिद्धिदाय नमो नमः
 ॐ क्षेत्रक्षेत्रज्ञ प्रत्येक दृष्टिदाय नमो नमः
 ॐ शूलाज्ञान विहीनात्म तृप्तिदाय नमो नमः
 ॐ भ्रान्तिमेघोच्चाटन प्रभञ्जनाय नमो नमः
 ॐ एककाल कृतानेक दर्शनाय नमो नमः
 ॐ श्रीचक्ररथ निर्माण सुप्रथाय नमो नमः
 ॐ आश्रिताश्रयणीयत्व प्रापकाय नमो नमः
 ॐ सशिष्यगण यात्रा विधायकाय नमो नमः
 ॐ अभिन्नात्मैक्य विज्ञान प्रबोधाय नमो नमः
 ॐ तत्तद्विभाक सद्बोध दायकाय नमो नमः
 ॐ तत्रतत्र कृतानेक सत्कार्याय नमो नमः
 ॐ लोकानुग्रह कृत्कर्म निष्ठिताय नमो नमः
 ॐ सर्ववेदान्त सिद्धान्त सम्मताय नमो नमः
 ॐ वर्णाश्रम सदाचार रक्षकाय नमो नमः
 ॐ पदवाक्य परमाणादि पारीणाय नमो नमः
 ॐ वेदशास्त्रार्थ सद्रोष्टि विलासाय नमो नमः
 ॐ वेदवेदाङ्ग तत्त्व प्रबोधकाय नमो नमः
 ॐ निर्णिद्र तेजोविजित निद्राढ्याय नमो नमः
 ॐ स्वभाव मधुरोदार गाम्भीर्याय नमो नमः
 ॐ नादबिन्दु कलातीत वैभवाय नमो नमः
 ॐ द्वादशान्त महापीठ निषण्णाय नमो नमः
 ॐ निर्वाण शान्तिमहित निश्चलाय नमो नमः
 ॐ श्री षोडशान्त कमल सुस्थिताय नमो नमः

ॐ सर्वेङ्गित परिज्ञान समर्थाय नमो नमः
 ॐ सर्ववस्तु विभाव्यात्म सद्रूपाय नमो नमः
 ॐ ज्ञानयोग बलैश्वर्य मानिताय नमो नमः
 ॐ सर्वभूत गणामेय सौहार्दाय नमो नमः
 ॐ शीतलीकृत हृत्ताप सेवकाय नमो नमः
 ॐ शीघ्रसिद्धि करानेक सिक्षणाय नमो नमः
 ॐ अखण्डक रसानन्द प्रबोधाय नमो नमः
 ॐ प्रत्यगेक रसाखण्ड चित्तसुकाय नमो नमः
 ॐ महामोह निवृत्त्यर्थ मन्त्रदाय नमो नमः
 ॐ क्षयवृद्धि विहीनात्म सौख्यदाय नमो नमः
 ॐ मूलाज्ञान बाधितात्म मुक्तिदाय नमो नमः
 ॐ शान्तिवृष्टि प्रदामोघ जलदाय नमो नमः
 ॐ एकान्त भक्तसम्बन्ध स्वगताय नमो नमः
 ॐ श्रीकल्याण तरामेय सुस्तोकाय नमो नमः
 ॐ अखिलाण्डेश्वरी कर्णभूषकाय नमो नमः
 ॐ साधुसङ्गनुतामेय चरणाय नमो नमः
 ॐ भिन्नभिन्न मतैश्चाभि पूजिताय नमो नमः
 ॐ तत्तद्भाषा प्रकटित स्वगीताय नमो नमः
 ॐ चित्रचित्रप्रभाव प्रसिद्धिकाय नमो नमः
 ॐ लोकोद्भूति महद्भूरि नियमाय नमो नमः
 ॐ कर्मब्रह्मात्मकरण मर्मज्ञाय नमो नमः
 ॐ धर्मार्थ काममोक्ष प्रदायकाय नमो नमः
 ॐ पादमूल नतानेक पण्डिताय नमो नमः
 ॐ वेदशास्त्र पुराणादि विचाराय नमो नमः
 ॐ वेदमार्गप्रमाण प्रख्यापकाय नमो नमः
 ॐ निरन्तर महानन्द सम्पूर्णाय नमो नमः
 ॐ सहजानन्द सम्पूर्ण सागराय नमो नमः
 ॐ वादभेद विहीनात्म बोधदाय नमो नमः
 ॐ देशकाला परिच्छिन्न दृग्गुपाय नमो नमः
 ॐ निलक्ष्य लक्ष्य सम्लक्ष्य निलेपाय नमो नमः
 ॐ श्री चन्द्रशेखर सरस्वत्यै नमो नमः (१०८)

-----००००-----

ॐ जयाख्यया प्रसिद्धन्द्र सरस्वत्यै नमो नमः (१)
 ॐ महादेव महीदेव तनूजाय नमो नमः
 ॐ सुब्रह्मण्य अभिधानीत कौमाराय नमो नमः
 ॐ स्ववृत्त प्रीणिताशेष अध्यापकाय नमो नमः
 ॐ गुर्वाज्ञापालन रतपितृदत्ताय ते नमः
 ॐ जयाख्यया स्व-गुरुणा दीक्षिताय नमो नमः
 ॐ सर्वतीर्थ तटलब्ध चतुर्थाश्रमिणे नमः
 ॐ वाक्यज्ञाचार्य उपदिष्ट महावाक्याय ते नमः
 ॐ लीलया वामहस्ताग्र धृतदण्डाय ते नमः
 ॐ जम्बीर तुलसीमाला भूषिताय नमो नमः
 ॐ सुवृत्त नृहृदाकाश निवासाय नमो नमः
 ॐ ज्ञानदानोत्क मधुरभाषणाय नमो नमः
 ॐ जगद्गुरुवरिष्ठाय महते महसे नमः
 ॐ मर्यादोल्लङ्घि जनतासुदूराय नमो नमः
 ॐ वीक्षाविवशिताशेष भावुकाय नमो नमः
 ॐ कारुण्य पूरपूर्णान्तःकरणाय नमो नमः
 ॐ पूरित स्वगुरुत्तमस सङ्कल्पाय नमो नमः
 ॐ कामाक्षी ध्यानसम्लील मानसाय नमो नमः
 ॐ परिष्कृताखिलाण्डेशी ताटङ्गाय नमो नमः
 ॐ वेङ्कटाद्रीश करुणाप्लाविताय नमो नमः
 ॐ कामाक्ष्यम्बालय स्वर्णच्छादकाय नमो नमः
 ॐ कालाट्याम् शङ्कर यशःस्तम्भकर्त्रे नमो नमः
 ॐ गोशाला निर्मितकृत गोरक्षकाय नमो नमः
 ॐ सर्वत्र शङ्करमठ निर्वहित्रे नमो नमः
 ॐ देहल्याम् स्कन्दगिर्याख्य आलयकर्त्रे नमो नमः
 ॐ स्तोत्रनीतिग्रन्थपाठ रुचिदाय नमो नमः
 ॐ स्वभ्यस्तनियमनोन्नीतध्यानयोगाय ते नमः
 ॐ अनारततपस्याप्त दिव्यशोभाय ते नमः
 ॐ समस्तभक्त जनता रक्षकाय नमो नमः
 ॐ अग्रितप्तस्वर्णपट्ट तुल्यफालाय ते नमः
 ॐ परिव्राङ्गणसम्सेव्यपादाब्जाय नमो नमः

ॐ तमोऽपह ग्रामरत्न सम्भूताय नमो नमः (२)
 ॐ सरस्वती गर्भशुक्ति मुक्तारत्नाय ते नमः
 ॐ मध्यार्जुन गजारण्य अधीतवेदाय ते नमः
 ॐ तपोनिष्ठ गुरुज्ञात वैभवाय नमो नमः
 ॐ जयाब्द स्वीकृत तुरीय आश्रमाय नमो नमः
 ॐ ब्रह्मचर्यादव लब्धप्रव्रज्याय नमो नमः
 ॐ काषाय वत्सःसम्वीत शरीराय नमो नमः
 ॐ नित्यम् गुरुपद द्वन्द्वनदिशीलाय ते नमः
 ॐ भक्तोपहत बिल्वादि मालाधर्त्रे नमो नमः
 ॐ कामकोटि महापीठाधीश्वराय नमो नमः
 ॐ पादानत जनक्षेम सादकाय नमो नमः
 ॐ गुरुप्रिया ब्रह्मसूत्र वृत्तिकर्त्रे नमो नमः
 ॐ भारतीय सदाचार परित्रात्रे नमो नमः
 ॐ सर्वत्र समभावाप्त सौहृदाय नमो नमः
 ॐ श्री कामकोटी पीठाग्र्यनिकेताय नमो नमः
 ॐ चन्द्रशेखर चित्ताब्जा ह्लादकाय नमो नमः
 ॐ त्रिवारम् चन्द्रमौलीश पूजकाय नमो नमः
 ॐ सुनिर्मित स्वर्णरथ वाहिताम्बाय ते नमः
 ॐ रत्नभूषित नृत्येश हस्तपादाय ते नमः
 ॐ काश्याम् श्रीकामकोटिशालयकर्त्रे नमो नमः
 ॐ कुम्भाबिषेक सन्दीपालयव्राताय ते नमः
 ॐ राजराजाख्य चोलस्यस्वर्णमौलिकृते ते नमः
 ॐ तीर्थेषु भगवत्पाद स्मृत्यालयकृते नमः
 ॐ वेद शास्त्राधीति गुप्तिदीक्षिताय नमो नमः
 ॐ भारतीय कलाचार पोषकाय नमो नमः
 ॐ युक्त्याहरिहराभेददर्शयित्रे नमो नमः
 ॐ परधामपराकाशलीनचित्ताय ते नमः
 ॐ समाधिषड्गुणयतस्वचित्ताय नमो नमः
 ॐ श्वशरीरप्रभाधूतहेमभासे नमो नमः
 ॐ विभूतिविलसच्छुभ्रललाटाय नमो नमः
 ॐ आर्तार्ति श्रवणापोहरतचित्ताय ते नमः

ॐ ग्रामीणजनतावृत्तिकल्पकाय नमो नमः
 ॐ जनजागरनासक्तिदायकाय नमो नमः
 ॐ अद्वैतशास्त्र रक्षायाम् सुलग्राय नमो नमः
 ॐ गयिर्वाणवाणीसम्प्रक्ष धुरीणाय नमो नमः
 ॐ स्व-पादयात्रयापूतभारताय नमो नमः
 ॐ चिन्तितक्षणसम्पूर्ण सङ्कल्पाय नमो नमः
 ॐ मधुराभाषणप्रीत स्वाश्रिताय नमो नमः
 ॐ चित्रीयमान जनता सन्दृष्टाय नमो नमः
 ॐ सौभाग्य जनकापाङ्ग वीक्षणाय नमो नमः
 ॐ दुर्योज्यविमतव्रात समन्वयकृते नमः
 ॐ अनुग्रन्तदुरासाद्यपदवेगाय ते नमः
 ॐ सदाहसन्मुखाब्जापनीताशेषशुचे नमः
 ॐ विविधाप्त जनप्रार्थ्य स्वगृहागतये नमः
 ॐ वसिष्ठदौम्य सदृशदेशिकाय नमो नमः
 ॐ श्रीचन्द्रशेखर गुरोरेक शिष्याय ते नमः
 ॐ गुरुवर्यकृपालब्ध समभावाय ते नमः
 ॐ वयोवृद्धानाथजनाश्रयदाय नमो नमः
 ॐ स्व-गुरुपज्ञयाविश्वविद्यालयकृते नमः
 ॐ विद्यालयेषु सद्धर्मबोधदात्रे नमो नमः
 ॐ कैलासे भगवद्पादमूर्तिस्थापक ते नमः
 ॐ असमेबालसप्ताद्रिनाथालय कृते नमः
 ॐ महारुद्रातिरुद्राति तोशितेसाय नमो नमः
 ॐ द्रविडागमगातृणां ख्यापयित्रे नमो नमः

ॐ जनकल्याणरचनाचतुराय नमो नमः
 ॐ शङ्करोपज्ञसुपथसञ्चाराय नमो नमः
 ॐ प्राच्यप्रतीच्य विज्ञानयोजकाय नमो नमः
 ॐ भगवद्पूज्य पदानामप्रकृतये नमो नमः
 ॐ नेपालभूपमहित पदाब्जाय नमो नमः
 ॐ यथाज्ञकर्मकृद्गोत् साहकाय नमो नमः
 ॐ सर्वदाशुभमस्त्वित्याशम्शकाय नमो नमः
 ॐ शरनागत दीनार्तपरित्रात्रे नमो नमः
 ॐ दुरवस्थित हृत्तापशामकाय नमो नमः
 ॐ निरस्तालयस्यमोहाषाविक्षेपाय नमो नमः
 ॐ अन्यानाज्ञातसङ्कल्पविचित्राय नमो नमः
 ॐ नवषष्टितमाचार्यशङ्कराय नमो नमः
 ॐ जैत्रयात्राव्याजकृष्टजनस्वान्ताय ते नमः
 ॐ असकृत्क्षेत्रतीर्थादि यात्रातृप्ताय ते नमः
 ॐ गुरोरहद्गतसङ्कल्प क्रियान्वय कृते नमः
 ॐ योगलिङ्गेन्दु मौलीशपूजकाय नमो नमः
 ॐ अवृत्तिकोपद्रुतानां वृत्तिदाय नमो नमः
 ॐ विश्वराष्ट्रीय सद्ग्रन्थकोशागारकृते नमः
 ॐ देवालयेषु अर्चकादिवृत्तिदात्रे नमो नमः
 ॐ कैलासमानसरोयात्रापूत हते नमः
 ॐ शिष्टवेदाध्यापकानां मानयित्रे नमो नमः
 ॐ असकृच्छतचण्डीभिरर्हिताम्बाय ते नमः
 ॐ शिष्टशङ्करविजय स्वर्च्यमानपदे नमः

---- ०००० ----

श्री शृङ्गेरी शारदा पीठाधीश्वर जगद्गुरु श्री अभिनवविद्यातीर्थ महास्वमिनां अष्टोत्र शतनामावलिः ।।

ववेकिनम् महाप्रज्ञम् धैर्यौदार्यक्षमानिधिम् । सदाभिनवपूर्वम् तम् विद्यातीर्थ गुरुं भजे ।।

ॐ अद्वैतविद्यारसिकाय नमः	ॐ अनुकम्पासरित्पतये नमः	ॐ अतिमाणुषचारित्राय नमः
ॐ अमृतोपमभाषाणाय नमः	ॐ अनेकमठनिर्मात्रे नमः	ॐ अनेकदर्शनमर्मविदे नमः
ॐ अत्र्पूर्णप्रतिष्ठात्रे नमः	ॐ सन्नुतेशपताम्बुजाय नमः	ॐ अहन्ताममताहीनाय नमः
ॐ अगजापतिभक्तिमते नमः	ॐ आगमार्थ परिज्ञातरे नमः	ॐ आश्रिताकिलरक्षकाय नमः
ॐ आशपाशसमुच्छेत्रे नमः	ॐ अपन्नार्तिविनाषकाय नमः	ॐ ईहाविरहितस्वान्ताय नमः

ॐ इभवक्त्रसुपूजकाय नमः	ॐ इन्दुमौलिपदध्यायिने नमः	ॐ इहाऽमुत्रार्थनिःस्पृहाय नमः
ॐ कर्माऽकर्मविभागज्ञाय नमः	ॐ कीर्तनीयगुणोज्ज्वलाय नमः	ॐ कामिताशेषफलदाय नमः
ॐ कोमलस्वान्तसम्युताय नमः	ॐ कालाट्यादिपरिष्कर्त्रे नमः	ॐ कामक्रोधविवर्जिताय नमः
ॐ कराब्जविलसद्गण्डाय नमः	ॐ काषायाम्बरसंवृताय नमः	ॐ गुरुपादाम्बुजध्यायिने नमः
ॐ गुणनीयगुणोज्ज्वलाय नमः	ॐ चित्तनैर्मल्यसन्दायिने नमः	ॐ चिन्तालेशविवर्जिताय नमः
ॐ तीर्थराजकृतस्नानाय नमः	ॐ तीर्थीकृतधरातलाय नमः	ॐ तुशाराचलसञ्चारिणे नमः
ॐ तुङ्गास्नानसमुत्सुकाय नमः	ॐ दक्षिणास्यपदध्यायिने नमः	ॐ दक्षिणाम्नायपीठपाय नमः
ॐ दाक्षिण्यनिलयस्वान्ताय नमः	ॐ दान्त्यादिपरिशोभिताय नमः	ॐ धर्माऽधर्मविभागज्ञाय नमः
ॐ ध्याननिर्धूतकल्मषाय नमः	ॐ धर्मप्रचारनिरताय नमः	ॐ धिक्कृताखिलदुर्मताय नमः
ॐ नतलोकसमुद्धर्त्रे नमः	ॐ नियमाचरणोत्सुकाय नमः	ॐ न्यायमार्गानुसारिणे नमः
ॐ न्यायादिनयकोविदाय नमः	ॐ निगमागमतत्त्वज्ञाय नमः	ॐ नित्यसन्तुष्टमानसाय नमः
ॐ निष्कलङ्कसुचारित्राय नमः	ॐ नीतितत्त्वसुबोधकाय नमः	ॐ पारावारतिगम्भीराय नमः
ॐ प्राणायामपरायणाय नमः	ॐ पुर्यादिक्षेत्रयात्राकृते नमः	ॐ पुराणागमतत्त्वविदे नमः
ॐ पालिताशेषभक्तौघाय नमः	ॐ पिङ्गळाब्दसमुद्भवाय नमः	ॐ बहुशिष्यसमायुक्ताय नमः
ॐ बहुभाषाविशारदाय नमः	ॐ ब्रह्मतत्त्वानुसन्धात्रे नमः	ॐ ब्रह्मविद्योपदेशकाय नमः
ॐ भक्तहार्दतमोभेत्रे नमः	ॐ भिक्षुकोत्तमरूपधृते नमः	ॐ भेदवादीभपञ्चास्याय नमः
ॐ भुक्तिमुक्तिप्रदायकाय नमः	ॐ भयशोकादिरहिताय नमः	ॐ भवभीतिनिवारणाय नमः
ॐ महावाक्यविवेकज्ञाय नमः	ॐ महामहिमसम्युमताय नमः	ॐ महाप्रज्ञासमायुक्ताय नमः
ॐ मात्सर्यादिविवर्चिताय नमः	ॐ मधुरालापचतुराय नमः	ॐ मतिनिर्जितगीष्पतये नमः
ॐ मोदिताखिलभक्तालये नमः	ॐ मर्यादापरिपालकाय नमः	ॐ योगिवन्द्यापदाम्भोजाय नमः
ॐ योगमार्गविशारदाय नमः	ॐ राजाधिराजसम्पूज्याय नमः	ॐ रागद्वेषविवर्जिताय नमः
ॐ रुद्राक्षभूषितग्रीवाय नमः	ॐ रुद्राराधनतत्पराय नमः	ॐ वशीकृतेन्द्रियग्रामाय नमः
ॐ वाग्देवीसमुपासकाय नमः	ॐ विद्यारण्यसमप्रज्ञाय नमः	ॐ विद्याविनयशोभिताय नमः
ॐ वेदशास्त्रप्ररित्रात्रे नमः	ॐ वदिमत्तेभकेसरिणे नमः	ॐ विदिताखिलशास्त्रार्थाय नमः
ॐ वीतरागजनस्तुताय नमः	ॐ व्याख्यासिम्हासनाधीशाय नमः	ॐ व्याससूत्रार्थतत्त्वविदे नमः
ॐ शारदापूजनासक्ताय नमः	ॐ शारदेन्तुसमद्युतये नमः	ॐ शास्त्रतात्पर्यसंवेदिने नमः
ॐ शारदापीठनायकाय नमः	ॐ शङ्कराचार्यसंसेविने नमः	ॐ शङ्काद्रिभिदुरोपमाय नमः
ॐ शमिताकिलसन्तापाय नमः	ॐ शमादिसुगुणालयाय नमः	ॐ श्रीविद्याजपनिष्णाताय नमः
ॐ श्रीचक्रार्चनतत्परायण नमः	ॐ श्रीशेशभेदरहिताय नमः	ॐ श्रीनृसिंहपदार्चकाय नमः
ॐ सञ्चारपूतधारणये नमः	ॐ सम्सारार्णवनाविकाय नमः	ॐ सत्यादिधर्मनिरताय नमः
ॐ सर्वभूतदयापराय नमः	ॐ अज्ञानध्वान्तमार्ताण्डाय नमः	ॐ विद्यातीर्थजगद्गुरवे नमः ॥ (१०८)

ध्यानार्चणकदम्बस्थे विषयाणुक्रमणिका
Compilation of Rare Ashtothrams from Grantha Book



SRI ABHAYAHASTHA AANJANEYA SWAMI
Krishnapuram-Kadayanallur - Thirunelveli District, Tamil Nadu.

www.pradosham.com